



अब हर रोज दर्पण ▶▶ 3



राज्य स्तरीय शालेय क्रिकेट प्रतियोगिता का ...▶▶ 4



बिग बॉस 20: सांसे बंद हो रही हैं...▶▶ 7



गोल्ड मेडलिस्ट पैरा एथलीट नीरज यादव की ...▶▶ 10

हरदीप सिंह पुरी मग्न से भाजपा के राज्यसभा उम्मीदवार

नई दिल्ली। भाजपा ने बुधवार को मध्य प्रदेश में होने वाले राज्यसभा उपचुनाव के लिए केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी को पार्टी का उम्मीदवार घोषित किया। इस उपचुनाव में मध्य प्रदेश विधानसभा के विधायक राज्यसभा सदस्य का चुनाव करेंगे। निर्वाचन आयोग की ओर से जारी कार्यक्रम के अनुसार, नामांकन पत्र विधानसभा भवन, भोपाल स्थित रिटर्निंग ऑफिसर के कार्यालय में जमा किए जा सकते हैं। केंद्र में मंत्री रहे और तमिलनाडु से आने वाले भाजपा नेता एल. मुरुगन ने हाल ही में अपने राज्यसभा सांसद के पद से इस्तीफा दिया था।

45,000 रिश्तव लेते

एकाउंटेंट और बाबू गिरफ्तार

पन्ना। सागर लोकायुक्त पुलिस ने जल संसाधन विभाग के डिजिटल एकाउंटेंट दीपक परिहार और लिपिक अरविंद पाठक को 45,000 की रिश्तव लेते पकड़ा। यह रिश्तव मझगांव बांध की नहर के बिल पास करने के बदले ली जा रही थी। ग्वालियर के ठेकेदार गौरव तोमर मझगांव बांध की नहर का काम कर रहे थे। उनके तीन बिल पास हो चुके थे, पर चौथे बिल के लिए अधिकारी रिश्तव मांग रहे थे। ठेकेदार ने परेशान होकर लोकायुक्त में शिकायत दर्ज कराई।

जोहर यूनिवर्सिटी की 426.46 करोड़ की संपत्ति अटैच

नई दिल्ली/रामपुर। प्रवर्तन निदेशालय ने उत्तर प्रदेश के रामपुर स्थित मौलाना मोहम्मद अली जोहर यूनिवर्सिटी की जमीन और इमारतों को अटैच किया है। इन संपत्तियों का मूल्य 426.46 करोड़ रुपये आंका गया है, जबकि इनका मौजूदा बाजार मूल्य करीब 1170 करोड़ रुपये बताया गया है। ईडी ने यह कार्रवाई मनी लॉन्ड्रिंग के मामलों में धन शोधन निवारण अधिनियम, 2002 के तहत की है। यह मामला मौलाना मोहम्मद अली जोहर ट्रस्ट, उत्तर प्रदेश के पूर्व कैबिनेट मंत्री मोहम्मद आज़म खान और अन्य लोगों से जुड़ा है। इस ट्रस्ट की स्थापना मोहम्मद आज़म खान ने की थी और वही इसे नियंत्रित करते हैं। आज़म खान यूनिवर्सिटी के मानद कुलाधिपति भी हैं।

स्पेन में टकराई ट्रेनें, 68 लोगों की मौत



मैड्रिड

स्पेन के टोलेडो प्रांत में बुधवार को दो हाई-स्पीड ट्रेनों के बीच टकरा में कम से कम 68 लोगों की मौत की खबर है। स्थानीय मीडिया के मुताबिक, हादसे में रेनफे एवीई और निजी कंपनी इर्यो की ट्रेन शामिल थीं। मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका जताई जा रही है। स्थानीय समयानुसार सुबह 8.54 बजे उर्दा रेलवे स्टेशन के पास हुई भीषण टक्कर के बाद आपातकालीन सेवाओं को मौके पर बुलाया गया। कैस्टिला-ला मांचा की 112 आपातकालीन सेवा के अनुसार, हादसे के बाद अक्काजार डी सैन जुआन और ऑर्गाज से दमकलकर्मियों, आसपास की नागरपालिकाओं से नागरिक सुरक्षा दलों और तीन मेडिकल हेलीकॉप्टरों को घटनास्थल पर भेजा गया। बचावकर्मों जीवित बचे लोगों की तलाश करने और घायलों को मदद करने में

जुटे हैं। स्थानीय अधिकारियों ने कम से कम 68 लोगों की मौत की पुष्टि की है। कैस्टिला-ला मांचा की क्षेत्रीय सरकार की प्रवक्ता एस्तेर पडिला ने बताया कि दुर्घटनाग्रस्त दोनों ट्रेनों में कुल 544 यात्री सवार थे। इर्यो ट्रेन में 146 यात्री और एक शिशु सवार था, जबकि रेनफे ट्रेन में 397 यात्री थे। स्थानीय सरकार की प्रवक्ता ने कहा कि फिलहाल दुर्घटना के कारणों का पता नहीं चल पाया है। परिवहन मंत्रालय के प्रवक्ता के अनुसार, शुरुआती संकेतों से पता चलता है कि एवीई ट्रेन ने संभवतः इर्यो ट्रेन को पीछे से टक्कर मारी। इसके कारण इर्यो ट्रेन के दो डिब्बे पटरी से उतरकर तटबंध से नीचे गिर गए। हादसे के बाद बुधवार सुबह 8.54 बजे से मैड्रिड और आंदालुसिया के बीच हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर पर रेल परिचालन पूरी तरह रोक दिया गया। दुर्घटना से मध्यम दूरी की हाई-स्पीड रेल सेवाएं भी प्रभावित हुई हैं।

ग्वालियर

ग्वालियर में एजी ऑफिस से विक्की फैक्ट्री तक बनी सड़क की घटिया गुणवत्ता को लेकर हाई कोर्ट की ग्वालियर बेंच में सख्ता रुख देखने को मिला है। कोर्ट की सुनवाई के दौरान लोक निर्माण विभाग की बड़ी लापरवाही और गोलमाल उजागर हुआ है। सड़क निर्माण से जुड़ी असली सरकारी फाइलें विभाग के दफ्तर से नदारद मिलीं, जिन्हें प्रभारी सब इंजीनियर अपने घर में छिपाकर रखे हुए थे। मामले की गंभीरता को देखते हुए हाई कोर्ट ने लोनिवि के चीफ इंजीनियर और सब इंजीनियर दोनों के खिलाफ अवमानना की कार्रवाई के संबंध में शो-काँज (कारण बताओ) नोटिस जारी कर 2 दिन में जवाब मांगा है। हाई कोर्ट में सुनवाई के दौरान सरकारी वकील और लोनिवि अधिकारियों ने दलील दी कि सड़क बनने के बाद 10 दिन तक यातायात बंद रहना चाहिए था, लेकिन पुलिस ने 2-3 दिन में ही गाड़ियां चालू कर दीं, जिससे सड़क खराब हो गई। कोर्ट ने लोनिवि की ही अपनी



आधे घंटे में कोर्ट ने मंगवाई फाइल

चीफ इंजीनियर ने कोर्ट को बताया कि मूल रिकॉर्ड पास में ही स्थित पड़ाव संभाग कार्यालय में है। कोर्ट ने तुरंत रिकॉर्ड पेश करने का आदेश दिया। आधे घंटे बाद जब अधिकारी लौटे, तो उन्होंने केवल 3 मेजरमेंट बुक जमा कीं और बताया कि एजी ऑफिस से विक्की फैक्ट्री सड़क निर्माण की मूल फाइल प्रभारी सब इंजीनियर दीपक गुप्ता के घर पर रखी है, जो आज छुट्टी पर हैं। इस पर हाई कोर्ट ने सख्त टिप्पणी करते हुए कहा कि कोर्ट में मामला लंबित होने और जांच रिपोर्ट खिलाफ आने के बाद दफ्तर से सरकारी फाइल घर ले जाना साफ इशारा करता है कि अधिकारी कुछ छिपाने की कोशिश कर रहे हैं और ऊपर से नीचे तक सब मिले हुए हैं।

रिसर्च लैब (थाटीपुर) की जांच रिपोर्ट सामने रखी, तो चीफ इंजीनियर वी.के. अरख को मानना पड़ा कि सड़क निर्माण की सामग्री तय मापदंडों के मुताबिक नहीं थी। यानी सड़क का निर्माण ही घटिया स्तर का किया गया था। जब लोनिवि के एसडीओ बाल कृष्ण त्रिपाठी से पूछा गया कि बिल पास करने से पहले जो सैंपल थाटीपुर लैब भेजे गए थे, वे सड़क के किस हिस्से से लिए गए थे, तो वे कोई सटीक लोकेशन नहीं बता सके। लैब रिपोर्ट में भी सैंपल लेने की जगह का कोई स्पष्ट उल्लेख नहीं था।

कोर्ट में ही सील हुई फाइलें

सुनवाई के दौरान ही लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों ने सब इंजीनियर के घर से आनन-फानन में फाइल मंगवाकर कोर्ट में पेश की। हाई कोर्ट ने मेजरमेंट बुक्स और मूल फाइल को कोर्ट रूम में ही लिफाफे में बंद करवाकर सील करवा दिया और सरकारी वकील की सेफ करस्टडी में दे दिया।

चक्रवात अर्नब से आंध्र प्रदेश में पांच की मौत

मुख्यमंत्री नायडू ने अमित शाह को लिखा पत्र

हैदराबाद। आंध्र प्रदेश के तट से बुधवार तड़के चक्रवात अर्नब के गुजरने के बाद तटीय जिलों में भारी नुकसान हुआ है। मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने बताया कि चक्रवात के कारण पांच लोगों की मौत हुई है। इनमें विशाखापत्तनम जिले में बिजली के खंभे और पेड़ गिरने से तीन लोगों की जान गई, जबकि अनाकापल्ली और भीमावरम में एक-एक व्यक्ति की मौत हुई। मुख्यमंत्री ने मृतकों के परिवारों के प्रति संवेदना जताई और प्रत्येक परिवार को पांच लाख रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की। मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने बुधवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से चक्रवात अर्नब से हुए नुकसान का आकलन करने के



लिए केंद्रीय टीम भेजने का अनुरोध किया। उन्होंने राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल और अन्य केंद्रीय एजेंसियों की मदद आगे भी जारी रखने की मांग की। नायडू ने कहा कि शुरुआती आकलन के अनुसार करीब 80 मकानों को नुकसान पहुंचा है, जिनमें अधिकतर कोनसीमा जिले में हैं। राज्य की सड़कों पर 220 से अधिक पेड़ गिरे, जिनमें से 170 से ज्यादा हटाए जा चुके हैं। तटीय

जिलों के कुछ हिस्सों में सड़कों को नुकसान और बिजली आपूर्ति बाधित होने की जानकारी भी दी गई। उन्होंने कहा कि बहाली के लिए टीमों का काम कर रही हैं और आने वाले दिनों में बारिश तथा बाढ़ की स्थिति पर नजर रखी जाएगी। राज्य के आपदा प्रबंधन मंत्री सुरेश पुजारी ने बुधवार को बताया कि 30 हजार से अधिक लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है।

नतीजों के बाद प्रधानमंत्री ने कसा तंज

बैलेट पेपर से हुए एमएलसी चुनाव कांग्रेस ने कितनी सीटें जीती : मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चार राज्यों में हुए विधान परिषद यानी एमएलसी चुनावों के नतीजों पर कांग्रेस को घेरा है। उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, बिहार और कर्नाटक में कुल 28 सीटों पर चुनाव हुए थे और इनमें कांग्रेस एक भी सीट नहीं जीत सकी। पीएम मोदी ने एक्स पर लिखा कि ये चुनाव बैलेट पेपर से हुए। कर्नाटक की चारों सीटें बीजेपी और जेडीएस गठबंधन ने जीतीं, जबकि यूपी में बीजेपी को चार और सपा को दो सीटें मिलीं। पीएम मोदी ने अपनी पोस्ट में लिखा, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, बिहार और कर्नाटक जैसे चार बड़े राज्यों में 28 सीटों पर एमएलसी चुनाव हुए। चुनाव बैलेट पेपर से हुए। अंदाजा लगाइए, कांग्रेस ने कितनी सीटें जीतीं? इन चुनावों में उत्तर प्रदेश की 11, बिहार की 8, महाराष्ट्र की 5 और कर्नाटक की 4 विधान परिषद सीटें शामिल थीं। मतदान 23 अक्टूबर को हुआ था और वोटों की गिनती 27 अक्टूबर से शुरू



हुई। कर्नाटक में बीजेपी और जनता दल (सेक्युलर) गठबंधन ने चारों सीटों पर जीत दर्ज की। बीजेपी ने अपनी तीन सीटें बरकरार रखीं, जबकि जेडीएस ने बेंगलुरु शिक्षक सीट कांग्रेस से छीन ली। कांग्रेस की यह हार इसलिए भी ज्यादा चर्चा में है क्योंकि राज्य में उसी की सरकार है। उत्तर प्रदेश की 11 सीटों पर मुकाबला मुख्य रूप से बीजेपी और समाजवादी पार्टी के बीच रहा। बीजेपी ने छह सीटें जीतीं।

ग्वालियर हाईकोर्ट का लोक निर्माण विभाग पर बड़ा एक्शन

उपयंत्री ने घर में छिपाया था घटिया सड़क की फाइल

कोर्ट में ही सील हुई फाइलें

सुनवाई के दौरान ही लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों ने सब इंजीनियर के घर से आनन-फानन में फाइल मंगवाकर कोर्ट में पेश की। हाई कोर्ट ने मेजरमेंट बुक्स और मूल फाइल को कोर्ट रूम में ही लिफाफे में बंद करवाकर सील करवा दिया और सरकारी वकील की सेफ करस्टडी में दे दिया।

उत्तर वन मंडल में 62 हाथियों की गतिविधियों पर सतत निगरानी मानव एवं वन्यजीव सुरक्षा के लिए बनाई विशेष कार्ययोजना

धान की फसल एवं मकानों को होने वाले नुकसान की स्थिति में प्रभावितों को शीघ्र मुआवजा दिलाने के प्रयास

शहडोल स्वतंत्रमत

जिले में वन्यजीवों के सुरक्षित विचरण तथा मानव एवं वन्यजीवों के बीच सह-अस्तित्व को बढ़ावा देने के उद्देश्य से वन विभाग द्वारा सतत प्रयास किए जा रहे हैं। उत्तर वन मंडल में इन दिनों लगभग 62 हाथियों का विचरण हो रहा है। हाथियों की गतिविधियों को ध्यान में रखते हुए वन विभाग ने विशेष कार्ययोजना तैयार की है, जिसके अंतर्गत हाथियों की निगरानी, ग्रामीणों को जागरूक करने तथा प्रभावित क्षेत्रों में सुरक्षा संबंधी उपायों पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

वन विभाग का उद्देश्य हाथियों के प्राकृतिक विचरण को सुरक्षित बनाए रखने के साथ ग्रामीणों, किसानों और उनकी संपत्ति की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। इसके लिए विभागोंय अमला सतर्कता के साथ कार्य कर रहा है।

बांधवगढ़ से आए 37 हाथियों सहित कुल 62 हाथियों की निगरानी

उत्तर वन मंडल की वन मंडलाधिकारी तरुणा वर्मा के अनुसार, वर्तमान में क्षेत्र में लगभग 62 हाथियों की गतिविधियां दर्ज की जा रही हैं। इनमें करीब 37 हाथी बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व से आकर उत्तर वन मंडल के जंगलों में विचरण कर रहे हैं। ये



हाथी वर्तमान में बांधवगढ़ से लगे जयसिंहनगर क्षेत्र की ठेंगरा बीट में मौजूद हैं।इसके अतिरिक्त लगभग 25 हाथी पिछले कुछ वर्षों से जिले के बाणसागर जलाशय के बैकवाटर क्षेत्र में रह रहे हैं। ये हाथी पश्चिम ब्यूहारी परिक्षेत्र के अलहरा के पास स्थित छूला कछार गांव के आसपास विचरण कर रहे हैं।

वन विभाग द्वारा हाथियों की आवाजाही पर लगातार नजर रखी जा रही है, ताकि उनकी गतिविधियों की जानकारी के

आधार पर आवश्यक सुरक्षा उपाय किए जा सकें।

विशेष कार्ययोजना के तहत हो रही सतत निगरानी

डीएफओ तरुणा वर्मा ने बताया कि हाथियों के सुरक्षित विचरण तथा ग्रामीणों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए विशेष कार्ययोजना तैयार की गई है। इसके तहत वन विभाग की टीम लगातार निगरानी कर

रही है और स्थानीय लोगों को आवश्यक सावधानियों के प्रति जागरूक किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि हाथियों के प्राकृतिक मार्ग में अनावश्यक हस्तक्षेप करने के बजाय उनकी गतिविधियों की निगरानी करना, उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करना तथा ग्रामीणों को सतर्क रखना विभाग की कार्ययोजना का प्रमुख हिस्सा है। वन विभाग का प्रयास है कि हाथियों का विचरण सुरक्षित बना रहे और मानव-हाथी द्वंद्व की स्थिति उत्पन्न न हो। किसानों की फसलों एवं मकानों को होने वाले नुकसान पर भी विशेष ध्यान वर्तमान में धान की फसल पककर तैयार होने के कारण हाथियों का खेतों तक पहुंचना स्वाभाविक गतिविधियों में शामिल है। ऐसे में वन विभाग द्वारा प्रभावित क्षेत्रों पर विशेष नजर रखी जा रही है। फसलों अथवा कच्चे मकानों को नुकसान होने की स्थिति में प्रभावित लोगों को नियमानुसार शीघ्र मुआवजा उपलब्ध कराने के प्रयास किए जा रहे हैं।डीएफओ तरुणा वर्मा ने बताया कि विभाग की प्राथमिकता हाथियों और मनुष्यों, दोनों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। इसके साथ ही प्रभावित किसानों एवं ग्रामीणों को आवश्यक सहायता उपलब्ध कराने के लिए भी विभाग प्रतिबद्ध है।

ग्रामीणों को जागरूक कर सुरक्षा के लिए किया जा रहा प्रेरित

वन मंडलाधिकारी तरुणा वर्मा ने ग्रामीणों से अपील की है कि हाथियों की गतिविधियों की जानकारी मिलने पर घबराएं नहीं, बल्कि सतर्कता बरतें। हाथियों के रास्ते में न आएँ और न ही उन्हें भगाने अथवा उनकी दिशा बदलने का प्रयास करें। हाथियों को उनके प्राकृतिक मार्ग से गुजरने दें तथा उनसे कम से कम 200 मीटर की सुरक्षित दूरी बनाए रखें। वन विभाग द्वारा स्थानीय लोगों को लगातार जागरूक किया जा रहा है, ताकि वे हाथियों की गतिविधियों के दौरान सावधानी बरतें और किसी भी अग्रिय स्थिति से बचा जा सके। वन विभाग की विशेष कार्ययोजना का उद्देश्य वन्यजीवों के प्राकृतिक विचरण को सुरक्षित बनाए रखना, ग्रामीणों में जागरूकता बढ़ाना तथा मानव एवं वन्यजीवों के बीच बेहतर सामंजस्य स्थापित करना है। विभाग द्वारा सतत निगरानी, जनजागरूकता और नियमानुसार सहायता के माध्यम से वन्यजीव संरक्षण एवं जनसुरक्षा के लिए निरंतर कार्य किया जा रहा है।

अवैध खनिज परिवहन एवं भंडारण के 23 प्रकरणों में 8 लाख 2 हजार 150 रुपये का अर्थदंड जमा

कलेक्टर के निर्देशानुसार खनिज विभाग की कार्रवाई, वैध अभिवहन पास के माध्यम से ही खनिज परिवहन करने की अपील

शहडोल स्वतंत्रमत

कलेक्टर पार्थ जायसवाल के निर्देशानुसार जिले में खनिजों के अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण के विरुद्ध लगातार कार्रवाई की जा रही है। खनिज विभाग द्वारा संयुक्त रूप से कार्रवाई करते हुए माह सितंबर एवं अक्टूबर 2026 में अवैध खनिज परिवहन एवं भंडारण के 23 प्रकरणों का निराकरण कलेक्टर न्यायालय द्वारा किया गया है। उक्त प्रकरणों में कलेक्टर न्यायालय द्वारा कुल 8 लाख 2 हजार 150



रुपये की राशि अर्थदंड के रूप में जमा कराई गई है। कलेक्टर ने कहा है कि खनिजों का परिवहन वैध अभिवहन पास के माध्यम से ही किया जाए। नियमों का उल्लंघन किए जाने की स्थिति में संबंधितों

के विरुद्ध नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी। जिला प्रशासन द्वारा खनिजों के अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए निरंतर कार्यवाही की जा रही है।

संवेदनशील क्षेत्रों में आतिशबाजी का प्रदर्शन पूर्णतः प्रतिबंधित : कलेक्टर दीपावली पर्व के पर रात्रि 8 से 10 बजे तक ग्रीन पटाखों कर सकेंगे उपयोग

शहडोल स्वतंत्रमत। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेटउत पार्थ जायसवाल ने दीपावली पर्व को दृष्टिगत रखते हुए शहडोल शहर एवं जिले के अन्य अनुभाग, तहसीलों के अंतर्गत आतिशबाजी विक्रय हेतु आदेश जारी किया है।जारी आदेश में कहा गया है दीपावली पर्व पर आतिशबाजी दुकानो के लिए (15 दिवस) के लिए ऑनलाइन किये गये आवेदनों पर कार्यवाही पूर्ण होने पर लायसेंस जारीयेंगे, आतिशबाजी के भण्डारण एवं विक्रय हेतु तैयार शेड (दुकानें) की आपसी दूरी में कम से कम 03 मीटर दूरी होगी तथा दुकानें अग्निरोधी सामग्री / लोहे की चद्दरों से निर्मित किये जायेंगे, आतिशबाजी भण्डारण- विक्रय हेतु निर्मित शेड (दुकानें) एक दूसरे के आग्ने-सामने नहीं होंगी, आतिशबाजी विक्रय हेतु तैयार शेड में अथवा शेडो की

सुरक्षा हेतु निर्धारित दुकानों की आपसी 3 मीटर की दूरी पर होगी तथा दुकानों में तेल से जलने वाले लैम्पों, गैस लैंपों, खुली बत्तियों या कपड़े का उपयोग नहीं किया जायेगा, शेड में प्रकाश व्यवस्था सुरक्षित तकनीकी मापदण्ड अनुसार की जाएगी। कलेक्टर ने जारी आदेश में कहा है कि प्रकाश व्यवस्था का ऑपरेटिंग सिस्टम पूर्णतः सुरक्षित होना चाहिए, आतिशबाजी विक्रय हेतु अस्थायी दुकानों का निर्माण अग्निरोधी सामग्री व तकनीकी रूप से गैर ज्वलनशील पदार्थों से किया जायेगा।लकड़ी रैक, कपड़े व शामियानां को उपयोग नहीं किया जाएगा। एक समूह में 50 से अधिक दुकानें अनुज्ञात

नहीं की जाएगी, नावालिग बच्चों को आतिशबाजी का विक्रय नहीं किया जायेगा, किसी भी संवेदनशील क्षेत्रों अस्पताल, नर्सिंग होम, हेल्थ केयर सेंटर, शैक्षणिक संस्थानों, धार्मिक स्थलों इत्यादि के 100 मीटर के अन्दर आतिशबाजी का प्रदर्शन पूर्णतः प्रतिबंधित होगा। दीपावली पर्व के समय रात्रि 8.00 से 10.00 बजे तक ग्रीन पटाखों का उपयोग किया जायेगा। पटाखों में बेरियम सॉल्ट इत्यादि विषैले रसायनों तथा कैल्शियम कार्बाइड गन का उपयोग प्रतिबंधित है, पटाखों की तीव्रता प्रस्फोटन स्थल से 04

मीटर पर 125 बी.बी. (ए) से अधिक नहीं होना चाहिए, स्थायी पटाखा लायसेंसों को नवीनीकरण किये बिना आतिशबाजी का विक्रय नहीं किया जाएगा। पटाखा विक्रय स्थल पर आतिशबाजी का प्रदर्शन अनुज्ञात नहीं किया जाएगा। कलेक्टर ने जारी आदेश में कहा है कि प्रत्येक लायसेंसधारी द्वारा दुकान के सामने अग्नि सुरक्षा हेतु बालू एवं पानी से भरी बाल्टियां रखी जाएगी, आतिशबाजी के विक्रय हेतु निर्धारित परिसर में 24 घंटे फायर ब्रिगेड की सुविधा सुनिश्चित की जायेगी। आतिशबाजी अग्निरोधी सामग्री से बने शेड मे रखी जायेगी और इस तरह सुरुक्षित होगी कि कोई अप्राधिकृत व्यक्ति उस तक न पहुंच सके, प्रत्येक मास्टर स्विच से प्यूज या सर्किट खैकर लगा होना चाहिये, जिससे कि शार्ट सर्किट होने पर विद्युत प्रवाह स्वतः ही बंद हो जाये।

राष्ट्रीय कवि सम्मेलन में गैँजी मध्य प्रदेश की आवाज़



उमरिया (स्वतंत्रमत)। हरियाणा की ऐतिहासिक धरती भिवानी में राष्ट्रीय स्तर के भव्य कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस साहित्यिक महाकुंभ में देश के लगभग 27-28 राज्यों से विभिन्न भाषाओं के करीब 80 कवियों एवं साहित्यकारों ने सहभागिता की। देश के अलग-अलग हिस्सों से आए प्रतिष्ठित रचनाकारों की मौजूदगी ने इस आयोजन को राष्ट्रीय साहित्यिक एकता और काव्य-साधना का यादगार मंच बना दिया। कार्यक्रम में एक से बढ़कर एक अनुभवी, प्रतिभाशाली और सशक्त रचनाकारों ने अपनी कविताओं के माध्यम से श्रोताओं को साहित्य, संस्कृति, राष्ट्रप्रेम और मानवीय संवेदनाओं से रूबरू कराया। विभिन्न भाषाओं और क्षेत्रों से आए कवियों की उपस्थिति ने भारतीय साहित्य की विविधता और एकता का सुंदर परिचय दिया। इस भव्य राष्ट्रीय आयोजन में मध्य प्रदेश के उमरिया जिले के युवा कवि आशीष तोमर ने अपनी दमदार काव्य-प्रस्तुति से जिले का मान बढ़ाया। देश के विभिन्न राज्यों से आए प्रतिष्ठित कवियों के बीच अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए उन्होंने साहित्यिक मंच पर मध्य प्रदेश का प्रतिनिधित्व किया। आशीष तोमर की सहभागिता उमरिया जिले की साहित्यिक प्रतिभा के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि के रूप में देखी जा रही है।

कानून, साइबर सुरक्षा और नागरिक दायित्वों से रूबरू हुए विद्यार्थी

जन सुरक्षा युवा सृजन संवाद के तहत पुलिस और उच्च शिक्षा विभाग की संयुक्त पहल, कोतवाली थाने का भ्रमण कर जानी पुलिस की कार्यप्रणाली

डिंडौरी (स्वतंत्र मत) युवाओं को कानून के प्रति जागरूक बनाने, साइबर अपराधों से बचाव के उपायों की जानकारी देना और जिम्मेदार नागरिक के रूप में उनके दायित्वों से परिचित कराने के उद्देश्य से जन सुरक्षा युवा सृजन संवाद योजना के तहत शासकीय चन्द्रविजय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, डिंडौरी में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। पुलिस विभाग एवं उच्च शिक्षा विभाग की संयुक्त पहल के तहत आयोजित इस कार्यक्रम में करीब 250 छात्र-छात्राओं ने सहभागिता की। सामुदायिक पुलिसिंग प्रभाग, पुलिस मुख्यालय भोपाल के निर्देशानुसार 27 अक्टूबर को आयोजित जागरूकता कार्यक्रम में विद्यार्थियों को मानव अधिकार, संवैधानिक साक्षरता, अपराधिक न्याय व्यवस्था, महिला एवं बाल सुरक्षा कानून, जेंडर संवेदनशीलता, साइबर सुरक्षा और सड़क सुरक्षा सहित विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों की जानकारी दी गई। इसके साथ ही नशा एवं हिंसा की रोकथाम, डायल-112 की उपयोगिता, मानसिक स्वास्थ्य, आत्महत्या रोकथाम तथा समाज के प्रति युवाओं की जिम्मेदारियों पर भी चर्चा की गई।



कोतवाली थाने पहुंचकर समझी पुलिस की कार्यप्रणाली- योजना के अगले चरण में 28 अक्टूबर को विद्यार्थियों को कोतवाली थाना डिंडौरी का भ्रमण कराया गया। इस दौरान छात्र-छात्राओं को पुलिस की कार्यप्रणाली, कानून-व्यवस्था बनाए रखने, अपराधों की रोकथाम और शिकायतों के निराकरण की प्रक्रिया से अवगत कराया गया। विद्यार्थियों को साइबर अपराध, सोशल मीडिया के दुरुपयोग और ऑनलाइन धोखाधड़ी से बचने के लिए आवश्यक सावधानियों की जानकारी भी दी गई। थाना भ्रमण का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को पुलिस की कार्यप्रणाली का प्रत्यक्ष अनुभव प्रदान करना तथा पुलिस और युवाओं के बीच संवाद, सहयोग एवं विश्वास को मजबूत करना रहा।

जागरूक युवा ही सुरक्षित समाज की मजबूत नींव- कार्यक्रम के माध्यम से युवाओं में कानून के प्रति सम्मान, सामाजिक उत्तरदायित्व और साइबर एवं सड़क सुरक्षा के प्रति सजगता विकसित करने पर जोर दिया गया। साथ ही युवाओं को सुरक्षित समाज के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया गया। इस पहल को पुलिस और आमजन के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने तथा विद्यार्थियों को जागरूक एवं जिम्मेदार नागरिक बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। कार्यक्रम और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्रीमती रेखा धर्मेन्द्र सिंह, एसडीओपी शहपुरा अजय तिवारी, यातायात थाना प्रभारी रक्षित निरीक्षक सुभाषचन्द्र उडके, कोतवाली थाना प्रभारी दुर्गाप्रसाद नगपुरे, रक्षित निरीक्षक अभिनव राय, निरीक्षक संजय सिंह धुर्वे, निरीक्षक मनोज कुमार धुर्वे, उपनिरीक्षक गंगोत्री तुरकर, प्रधान आरक्षक मुकेश प्रधान तथा महिला आरक्षक श्रीमती भगवती रावत एवं श्रीमती अंजली उडके की भूमिका रही। उच्च शिक्षा विभाग की ओर से वरिष्ठ प्राध्यापक श्री पी.सी. उडके, सहायक प्राध्यापक डॉ. संगीता श्याम, सहायक प्राध्यापक देवेन्द्र गवले एवं खेल अधिकारी मो. आमिर खान ने कार्यक्रम में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

वोट बचाओ, देश बचाओ अभियान को बूथ स्तर तक मजबूत करने पर जोर

1 नवंबर की दिल्ली रैली को सफल बनाने कांग्रेस ने बनाई रणनीति

उमरिया (स्वतंत्रमत)। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटीएवं प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार जिला कांग्रेस कमेटी उमरिया के नेतृत्व में बुधवार, 28 अक्टूबर को 'वोट बचाओ, देश बचाओ' अभियान के तहत संगठनात्मक बैठक एवं प्रेसवार्ता का आयोजन किया गया। दिल्ली से पहुंचे अभियान के राष्ट्रीय पर्यवेक्षक भाई जगताप ने जिला कांग्रेस के पदाधिकारियों, ब्लॉक एवं मंडलम अध्यक्षों, वरिष्ठ नेताओं और कार्यकर्ताओं से मुलाकात कर अभियान को बूथ स्तर तक प्रभावी बनाने तथा संगठन को मजबूत करने पर चर्चा की। सर्किट हाउस में आयोजित प्रेसवार्ता में भाई जगताप एवं



जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष इंजी. विजय कोल ने अभियान के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। बैठक में लोकतंत्र एवं संविधान की रक्षा, मताधिकार की सुरक्षा और कार्यकर्ताओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया। साथ ही आगामी 1 नवंबर को दिल्ली के रामलीला

मैदान में आयोजित होने वाली विशाल रैली को सफल बनाने के लिए संगठनात्मक तैयारियों पर भी चर्चा की गई। प्रेसवार्ता के दौरान राष्ट्रीय पर्यवेक्षक भाई जगताप ने राहुल गांधी को जननायक बताते हुए भाजपा पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि पहले एक गांधी से अंग्रेज डरते थे

और आज एक गांधी से भाजपा डरती है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा वोटों की चोरी कर लोकतंत्र, संविधान और संवैधानिक व्यवस्थाओं को कमजोर कर रही है। जगताप ने कहा कि विभिन्न स्तरों पर न्याय की कोशिश करने के बाद अब कांग्रेस जनता की अदालत में जाने को मजबूर है। जनता ही जनार्दन है और वही न्याय करेगी। उन्होंने कांग्रेस कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे 'वोट बचाओ, देश बचाओ' अभियान को केवल जिला या ब्लॉक स्तर तक सीमित न रखें, बल्कि प्रत्येक वृ्थ तक पहुंचकर मताधिकार की सुरक्षा और लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति लोगों को जागरूक करें।

खरीफ समीक्षा एवं रबी फसल की कार्य योजना के संबंध में तैयारी बैठक संपन्न

उमरिया (स्वतंत्रमत)। कृषि उत्पादन आयुक्त की अध्यक्षता में आगामी माह में खरीफ 2026 एवं रबी फसल की कार्य योजना के संबंध में समीक्षा बैठक आयोजित की जाएगी। जिले में बैठक की तैयारी के संबंध में में बुधवार, 28 अक्टूबर को समीक्षा में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अभय सिंह ने कृषि सहित अन्य संबंधित विभागीय अधिकारियों से विस्तार से जानकारी प्राप्त की। उन्होंने बीज व्यवस्था, नरवाई प्रबंधन, फसल उपार्जन, कोदो कुटकी पंजीयन सहित उद्यानिकी, मत्स्य पालन, पशु पालन तथा सहकारिता विभाग व्दारा प्रस्तुत की गई जानकारीयों की विस्तार से समीक्षा की। जिला पंचायत के सभागार में आयोजित बैठक में सीईओ जिला पंचायत ने निर्देश दिए कि किसानों को नरवाई प्रबंधन हेतु जागरूक करते हुए कृषि यंत्रों के उपयोग के लिए प्रेरित करें।

जन्म-मृत्यु के विलंबित पंजीयन के नियमों में संशोधन, 1 अक्टूबर से नए प्रावधान लागू

शहडोल स्वतंत्रमत। जन्म एवं मृत्यु के विलंबित पंजीयन की प्रक्रिया को लेकर संशोधित प्रावधान लागू किए गए हैं। जन्म और मृत्यु रजिस्ट्रीकरण (संशोधन) अधिनियम, 2026 के तहत जन्म एवं मृत्यु रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1969 की धारा 13 में संशोधन किया गया है। संशोधित प्रावधान 1 अक्टूबर 2026 से प्रभावीशाल हैं। इस संबंध में कलेक्टर एवं अतिरिक्त मुख्य रजिस्ट्रार, जिला शहडोल पार्थ जायसवाल ने जिले के समस्त जन्म-मृत्यु रजिस्ट्रारों को आवश्यक कार्यवाही के निर्देश दिए हैं। कार्यालय कलेक्टर (योजना एवं सांख्यिकी), जिला शहडोल द्वारा जारी पत्र के अनुसार, भारत के महा रजिस्ट्रार कार्यालय तथा आयुक्त, आर्थिक एवं सांख्यिकी, मध्यप्रदेश के संदर्भित पत्रों के आधार पर संशोधित प्रावधानों की जानकारी दी गई है। अधिनियम में संशोधन 6 अगस्त 2026 को भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया गया था तथा इसके प्रभावी होने के संबंध में 16 सितंबर 2026 को राजपत्र अधिसूचना जारी की गई। विलंबित पंजीयन के लिए निर्धारित किए गए प्राधिकारी संशोधित अधिनियम की धारा 13(3) के अनुसार, यदि किसी जन्म या मृत्यु की सूचना घटना के एक वर्ष बाद, लेकिन दो वर्ष के भीतर रजिस्ट्रार को दी जाती है, तो उसका पंजीयन जिला मजिस्ट्रेट, उपखंड मजिस्ट्रेट अथवा जिला मजिस्ट्रेट द्वारा अधिकृत कार्यपालिक मजिस्ट्रेट के आदेश पर ही किया जाएगा। इसी प्रकार, यदि जन्म या मृत्यु की सूचना घटना के दो वर्ष बाद रजिस्ट्रार को दी जाती है, तो उसका पंजीयन केवल प्रथम श्रेणी न्यायिक मजिस्ट्रेट के आदेश पर ही किया जा सकेगा।

शहडोल में 1 नवंबर को निकलेगा आरएसएस का पथ संचलन

शहडोल स्वतंत्रमत। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) नगर शहडोल द्वारा 1 नवंबर 2026 को पथ संचलन का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम को लेकर संघ कार्यकर्ताओं की तैयारियां तेज हो गई हैं। पथ संचलन के माध्यम से समरस, संगठित और सक्षम राष्ट्र निर्माण का संदेश दिया जाएगा। प्राप्त जानकारी के अनुसार, पथ संचलन के लिए स्वयंसेवकों का एकत्रीकरण दोपहर 3 बजे श्री डी सदन, अभयकुंज के पहले, बुढ़ार रोड, शहडोल में होगा। यहां से स्वयंसेवक अनुशासित पंक्तियों में पथ संचलन करते हुए नगर भ्रमण करेंगे। संघ की प्रमुख गतिविधियों में शामिल पथ संचलन के माध्यम से राष्ट्रपिछा, समाज सेवा, संगठन शक्ति और सामाजिक एकता का संदेश दिया जाएगा। आयोजन को लेकर स्वयंसेवकों में उत्साह देखा जा रहा है। गौतलब हैं कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने वर्ष 1925 में विजयादशमी के अवसर पर स्थापना की थी और वर्ष 2026 में संघ अपने 101वें वर्ष में प्रवेश कर चुका है।

कचरा प्रबंधन : स्वच्छ पर्यावरण की कुंजी

हमारे दैनिक जीवन में घरों, कारखानों, अस्पतालों और बाजारों से प्रतिदिन भारी मात्रा में कचरा निकलता है। यदि इस कचरे का उचित प्रबंधन न किया जाए, तो यह मिट्टी, जल और वायु को प्रदूषित करके मनुष्य, पशु-पक्षियों और पर्यावरण के लिए गंभीर खतरा बन जाता है। इसलिए कचरा प्रबंधन आज के समय की अत्यंत आवश्यक आवश्यकता है।

जैव-निम्नीकरणीय पदार्थ

वे पदार्थ जो जीवाणु, कवक जैसे सूक्ष्मजीवों द्वारा अपघटित होकर प्रकृति में मिल जाते हैं, जैव-निम्नीकरणीय पदार्थ कहलाते हैं। ये पर्यावरण को स्थायी हानि नहीं पहुंचाते। उदाहरणरू सब्जियाँ और फलों के छिलके, बचा हुआ भोजन, कागज़, कपड़ा (सूती), गोबर, पत्तियां, लकड़ी तथा मृत पौधे और जंतु।

अजैव-निम्नीकरणीय पदार्थ

वे पदार्थ जो सूक्ष्मजीवों द्वारा अपघटित नहीं हो पाते और लंबे समय तक पर्यावरण में बने रहते हैं, अजैव-निम्नीकरणीय पदार्थ कहलाते हैं। उदाहरणरू प्लास्टिक, पॉलीथीन, काँच, धातु के डिब्बे, डीडीटी



जैसे कीटनाशक, बैटरी तथा इलेक्ट्रॉनिक कचरा।

अजैव-निम्नीकरणीय कचरे से होने वाली हानियां

– प्लास्टिक और पॉलीथीन के कारण नालियां जाम हो जाती हैं, जिससे जलभराव होता है।

– यह मिट्टी की उर्वरता घटाता है और जल को प्रदूषित करता है।

– पशु पॉलीथीन खाकर बीमार हो जाते हैं या मर जाते हैं।

– कचरे को जलाने से जहरीली गैसें

निकलती हैं, जिससे वायु प्रदूषण होता है।

– कीटनाशक जैसे रसायन जैव-आवर्धन द्वारा खाद्य श्रृंखला में पहुंचकर जीवों को हानि पहुंचाते हैं।

कचरा प्रबंधन के उपाय

1 पृथक्करण – कचरे को घर पर ही हरे डिब्बे (गीला/जैविक) और नीले डिब्बे (सूखा/अजैविक) में अलग-अलग रखें।

2 खाद बनाना (कंपोस्टिंग) – जैविक कचरे से खाद बनाकर खेतों और बगीचों में उपयोग करें।

3 पुनर्चक्रण (रिसाइक्लिंग) – कागज़, काँच, धातु और प्लास्टिक का पुनः उपयोग

कर नई वस्तुएं बनाएं।

4 कम उपयोग और पुनः उपयोग – प्लास्टिक की जगह कपड़े या जूट के थैलों का प्रयोग करें।

5 जागरूकता – स्वच्छ भारत अभियान जैसे कार्यक्रमों में भाग लेकर लोगों को जागरूक करें।

परीक्षा उपयोगी तथ्य

जैव-निम्नीकरणीय पदार्थ अपघटकों द्वारा नष्ट किए जाते हैं। सबसे बड़ी समस्या प्लास्टिक है, क्योंकि यह सैकड़ों वर्षों तक नष्ट नहीं होता। जैव-आवर्धन, हानिकारक

रसायनों का खाद्य श्रृंखला में स्तर-दर-स्तर बढ़ता जाना। कचरा प्रबंधन केवल सरकार हानिकारक पराबैंगनी किरणों की नहीं, बल्कि हम सभी की जिम्मेदारी है। कचरे को अलग-अलग करके, पुनर्चक्रण अपनाकर और प्लास्टिक का उपयोग घटाकर हम अपने पर्यावरण को स्वच्छ और स्वस्थ रख सकते हैं। यदि हम आज सजग होंगे, तभी आने वाली पीढ़ियों को सुरक्षित भविष्य दे पाएंगे।

ओजोन परत का महत्व

यदि सूर्य की हानिकारक किरणें सीधे पृथ्वी पर पहुंचें, तो वे मनुष्यों, पेड़-पौधों और जानवरों, सभी के लिए बेहद खतरनाक हो सकती हैं। इसलिए इसका सुरक्षित रहना हमारे स्वास्थ्य के लिए अत्यंत आवश्यक है।

ओजोन परत के क्षरण के कारण

बीते कई वर्षों में अत्यधिक प्रदूषण और हानिकारक गैसों के उत्सर्जन से यह परत क्षतिग्रस्त हुई है। प्रमुख ओजोन-नाशक गैसें क्लोरोफ्लोरोकार्बन (सीएफसी) हैलोजेनेटेड हाइड्रोकार्बन, मिथाइल ब्रोमाइड, नाइट्रस ऑक्साइड है।

ओजोन परत को बचाने के उपाय

ओजोन परत पृथ्वी का सुरक्षा कवच



जिन वस्तुओं के निर्माण में ओजोन-नाशक गैसें निकलती हैं, उनके उत्पादन और उपयोग को नियंत्रित करें।

वाहनों का कम उपयोग

पेट्रोल-डीजल वाहनों का उपयोग केवल आवश्यकता पड़ने पर करें। एक ही गाड़ी में अधिक लोग साथ यात्रा करें (कारपूलिंग), जिससे प्रदूषण घटे।

सुरक्षित सफाई उत्पाद

कई सफाई उत्पादों में ओजोन के लिए हानिकारक पदार्थ होते हैं। इनके स्थान पर सिरका और बाइकार्बोनेट (बेकिंग सोडा) जैसे घरेलू विकल्प अपनाएं। लंबी दूरी से आने वाले उत्पादों के परिवहन में अधिक नाइट्रस ऑक्साइड निकलती है। इसलिए स्थानीय उत्पादों को प्राथमिकता दें। एसी की समय-समय पर मरम्मत कराते रहें। खराब एसी वायुमंडल में क्लोरोफ्लोरोकार्बन छोड़ते हैं, जो ओजोन परत में छेद के लिए जिम्मेदार है।

परीक्षा उपयोगी तथ्य (याद रखें)

- ओजोन परत समताप मंडल में स्थित है।
- ओजोन का रासायनिक सूत्र ओ 3 है।
- ओजोन-क्षरण का सबसे बड़ा कारण क्लोरोफ्लोरोकार्बन गैस है।
- मांट्रियल प्रोटोकॉल (1987) ओजोन-नाशक पदार्थों को चरणबद्ध ढंग से समाप्त करने की अंतरराष्ट्रीय संधि है।
- ओजोन परत पृथ्वी पर जीवन की रक्षा करने वाला प्राकृतिक कवच है। प्रदूषण घटाकर, हानिकारक उत्पादों से बचकर और जागरूक रहकर हम सब मिलकर इसे सुरक्षित रख सकते हैं। ओजोन परत के संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए हर वर्ष 16 सितंबर को विश्व ओजोन दिवस मनाया जाता है।

रंगों में विविधता, प्रकृति की सबसे सुंदर कला

यदि आप कभी किसी बगीचे में गए हों, तो आपने देखा होगा कि वहाँ एक ही हरा रंग नहीं होता। कहीं हल्का हरा, कहीं गहरा हरा, कहीं पीला, तो कहीं लाल, नीले और सफेद फूलों का मेला लगा होता है। मन में प्रश्न उठता है कि ऐसा क्यों है? यदि सारी दुनिया केवल सफेद या केवल काली होती, तो कैसी लगती? निश्चय ही वह दुनिया बहुत नीरस, उदास और बेरंग होती। रंगों में यह विविधता प्रकृति की एक सोची-समझी योजना है, जिसके पीछे गहरा विज्ञान, गहरा अर्थ और जीवन के लिए एक बड़ा संदेश छिपा है।

विज्ञान का अद्भुत खेल

विज्ञान हमें बताता है कि वास्तव में किसी भी वस्तु का अपना कोई रंग नहीं होता। यह सब प्रकाश का खेल है। सूर्य से आने वाली सफेद रोशनी में सात रंग छिपे होते हैंरू बैंगनी, जामुनी, नीला, हरा, पीला, नारंगी और लाल। जब यह प्रकाश किसी वस्तु पर पड़ता है, तो वह वस्तु कुछ रंगों को अपने अंदर सोख लेती है और एक या दो



रंगों को परावर्तित कर देती है। हमारी आँखों को वही रंग दिखाई देता है जो परावर्तित होता है।

उदाहरण –

आम की पत्ती हरे रंग को छोड़कर बाकी सभी रंगों को सोख लेती है, इसलिए वह हरी दिखती है। काले कपड़े सभी रंगों को सोख लेते हैं, इसलिए काले दिखते हैं। सफेद कपड़े सभी रंगों को परावर्तित कर देते हैं, इसलिए सफेद दिखते हैं। इसी कारण आकाश नीला और खून लाल दिखाई देता

है। यही रंगों की विविधता का पहला और सबसे बड़ा वैज्ञानिक कारण है।

जीवन और पहचान के लिए आवश्यक

रंगों की विविधता जीवन के लिए अत्यंत आवश्यक है। यदि सभी रंग एक जैसे होते, तो जीवन असंभव हो जाता।

1. **पहचान के लिए** – रंगों से ही हम वस्तुओं को पहचानते हैं। सेब का लाल होना बताता है कि वह पका है, जबकि हरा सेब कच्चा होता है। यदि सारे फल एक ही रंग के होते, तो हमें पता ही न चलता कि कौन-सा खाने योग्य है।

2. **सुरक्षा के लिए** – प्रकृति में रंग संकेत और चेतावनी का काम करते हैं। जहरीले कीड़े-मकोड़े और साँप अक्सर बहुत चटकीले रंग के होते हैं, जो हमें दूर रहने की चेतावनी देते हैं। फूलों के सुंदर रंग तितलियों और मधुमक्खियों को अपनी ओर आकर्षित करते हैं, ताकि परागण हो सके।

3. **पर्यावरण संतुलन के लिए** – पौधों

का हरा रंग क्लोरोफिल के कारण होता है, जो भोजन बनाने (प्रकाश संश्लेषण) के लिए जरूरी है। यदि पौधे हरे न होते, तो धरती पर जीवन ही नहीं होता।

भावनाओं से गहरा संबंध

रंग केवल आँखों को ही नहीं, बल्कि मन को भी प्रभावित करते हैं। हर रंग का एक मनोविज्ञान होता है। लाल – प्रेम, ऊर्जा और खतरे का प्रतीक। हरा – शांति, हरियाली और नई शुरुआत का प्रतीक। सफेद – पवित्रता और सच्चाई का प्रतीक। काला – शक्ति और गंभीरता का प्रतीक।

एकता में अनेकता का संदेश

रंगों की विविधता का सबसे बड़ा संदेश है एकता में अनेकता। जैसे इंद्रधनुष के सात अलग-अलग रंग मिलकर ही उसे सुंदर बनाते हैं, वैसे ही हमारे देश भारत में अलग-अलग धर्म, भाषा और वंशभूषा के लोग मिलकर इसे महान बनाते हैं। यदि इंद्रधनुष से एक भी रंग निकाल दिया जाए, तो वह अधूरा लगेगा। उसी प्रकार समाज से किसी

भी एक रंग या संस्कृति को निकाल देने से समाज की सुंदरता समाप्त हो जाएगी। इसलिए रंगों में विविधता कोई कमी नहीं, बल्कि प्रकृति की सबसे सुंदर कला है। यह हमें सिखाती है कि अलग-अलग होकर भी हम सब एक हैं और सब मिलकर ही इस दुनिया को रंग-बिरंगा और सुंदर बनाते हैं।



प्रियंका दुबे

टीचर

कैसी हितकारिणी चिल्ड्रन्स एकेडमी, जोंसगंज, जबलपुर।



- हीरा और ग्रेफाइट दोनों कार्बन से बने होते हैं, लेकिन उनके गुण अलग-अलग हैं।
- सोना एक ऐसा धातु तत्व है, जो सामान्य परिस्थितियों में आसानी से जंग नहीं खाता।
- पारा सामान्य तापमान पर द्रव अवस्था में रहने वाली धातु है।
- ऑक्सीजन जलने में सहायता करती है, लेकिन स्वयं ईंधन नहीं है।
- हाइड्रोजन सबसे हल्का रासायनिक तत्व है, जबकि हीलियम गुब्बारों को हवा में उठने में मदद करती है।
- कार्बन डाइऑक्साइड गैस का उपयोग अग्निशामक यंत्रों में किया जाता है।
- साधारण नमक का रासायनिक सूत्र एनएसीएल है, जबकि खाने का सोडा सोडियम हाइड्रोजन कार्बोनेट कहलाता है।
- सिरका में मुख्य रूप से एसिटिक अम्ल होता है। नींबू में साइट्रिक अम्ल पाया जाता है। दही में लैक्टिक अम्ल होता है।
- चॉटी के डंक में फॉर्मिक अम्ल पाया जाता है, जबकि इमली में टार्टरिक अम्ल पाया जाता है, सेब में मैलिक एसिड और संत्रे में साइट्रिक एसिड पाया जाता है।

डीएनए : पीढ़ी दर पीढ़ी चलने वाली पहचान

हमारा शरीर प्रकृति की एक अद्भुत रचना है। शरीर की प्रत्येक कोशिका के अंदर ऐसी महत्वपूर्ण जानकारी मौजूद होती है, जो हमारे शरीर के निर्माण और कार्यों को नियंत्रित करती है। इस जानकारी का मुख्य आधार डीएनए (डीऑक्सीराइबोन्यूक्लिक एसिड) है। इसे सरल भाषा में हमारे शरीर का रहस्यमयी नक्शा कहा जा सकता है।

डीएनए की स्थिति– डीएनए हमारी कोशिकाओं के केंद्रक (नाभिक) में पाया जाता है। यह अत्यंत सूक्ष्म होता है और इसे सामान्य आँखों से नहीं देखा जा सकता। इसमें शरीर से जुड़ी आनुवंशिक जानकारी संग्रहित रहती है। आँखों का रंग, बालों की विशेषताएँ, शरीर की बनावट और अन्य जैविक गुण जीन के माध्यम से पीढ़ी-दर-पीढ़ी आगे बढ़ते हैं।

डीएनए की संरचना– डीएनए की संरचना को समझना विज्ञान की बड़ी उपलब्धियों में से एक है। इसका आकार घुमावदार सीढ़ी जैसा दिखाई देता है, जिसे डबल हेलिक्स कहा जाता है। डीएनए चार प्रकार के क्षारकों से बना होता है, एडेनिन, थाइमिन, गुआनिन और साइटोसिन। इनका विशेष क्रम शरीर के लिए आवश्यक आनुवंशिक निर्देशों को सँजोकर रखता है।



जीन क्या है?

जीन डीएनए का वह भाग है, जिसमें किसी विशेष जैविक गुण या कार्य से संबंधित निर्देश होते हैं। हमारे शरीर में हजारों जीन पाए जाते हैं। माता-पिता से मिलने वाली आनुवंशिक जानकारी के कारण बच्चों में माता-पिता के कुछ गुण दिखाई देते हैं।

कोशिकाओं के विकास में भूमिका– डीएनए केवल शरीर की विशेषताओं से ही संबंधित नहीं है, बल्कि यह कोशिकाओं के विकास और उनके कार्यों में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। कोशिकाएँ कब बढ़ेंगी, कैसे काम करेंगी और कब विभाजित होंगी, इन प्रक्रियाओं में आनुवंशिक जानकारी का योगदान होता है।

डीएनए के उपयोग

1 **चिकित्सा विज्ञान में** – कुछ

इलाज के नए तरीके विकसित करने में सहायता मिल सकती है। चूँकि डीएनए से जुड़ी जानकारी अत्यंत व्यक्तिगत और संवेदनशील होती है, इसलिए इसका उपयोग जिम्मेदारी और उचित गोपनीयता के साथ किया जाना चाहिए।

डीएनए हमारे शरीर की आनुवंशिक जानकारी का महत्वपूर्ण आधार है। यह हमें समझाता है कि हमारा शरीर कैसे बनता है और उसकी अनेक विशेषताएँ पीढ़ियों तक कैसे पहुँचती हैं। विज्ञान की प्रगति के साथ डीएनए के रहस्य धीरे-धीरे खुल रहे हैं और यह मानव स्वास्थ्य तथा भविष्य के वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।



सना परवीन

टीचर

आदर्श हितकारिणी चिल्ड्रन्स एकेडमी, दमोहनाका, गोविंदगंज, जबलपुर।

विज्ञान शिक्षा में प्रयोगात्मक अध्ययन का विशेष महत्व

विज्ञान केवल तथ्यों और सिद्धांतों को याद करने का विषय नहीं है, बल्कि इसे प्रयोग और अनुभव के माध्यम से समझना आवश्यक है। जब विद्यार्थी स्वयं किसी प्रयोग को करते हैं और उसके परिणामों का निरीक्षण करते हैं, तो विषय अधिक स्पष्ट और रचिकर बन जाता है। इसीलिए विज्ञान शिक्षा में प्रयोगात्मक अध्ययन को विशेष स्थान दिया गया है।

प्रयोगात्मक अध्ययन का अर्थ

प्रयोगात्मक अध्ययन वह शिक्षण पद्धति है जिसमें विद्यार्थी प्रयोगशाला या कक्षा में स्वयं प्रयोग करके वैज्ञानिक सिद्धांतों को समझते हैं। इसमें सुनने और पढ़ने के साथ-साथ करने सीखने पर जोर दिया जाता है।

जिज्ञासा में वृद्धि

प्रयोग करते समय विद्यार्थियों के मन में अनेक प्रश्न उठते हैं। इससे उनकी जिज्ञासा बढ़ती है और वे वैज्ञानिक तथ्यों को गहराई से समझने का प्रयास करते हैं। जिज्ञासा ही विज्ञान की सबसे बड़ी प्रेरक शक्ति है।

वैज्ञानिक दृष्टिकोण और तार्किक चिंतन का विकास

प्रयोगात्मक अध्ययन विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण और तार्किक चिंतन विकसित करता है। प्रयोग के दौरान वे प्रश्न पूछते हैं। अनुमान लगाते हैं। निरीक्षण करते हैं। परिणामों का विश्लेषण करते हैं। इससे उनमें प्रमाण के आधार पर निष्कर्ष निकालने की क्षमता विकसित होती है।

अनुशासन, उत्तरदायित्व और कार्य-कौशल

प्रयोगशाला के उपकरणों का सावधानीपूर्वक प्रयोग और नियमों का पालन विद्यार्थियों को अनुशासन, उत्तरदायित्व तथा कार्य-कौशल सिखाता है। साथ ही समूह में कार्य करने से सहयोग की भावना भी बढ़ती है।

कठिन अवधारणाओं को सरल बनाना

कठिन वैज्ञानिक अवधारणाएँ प्रयोग द्वारा सरल और व्यावहारिक बन जाती हैं। विद्यार्थियों को समझ आता है कि विज्ञान केवल पुस्तकों तक सीमित नहीं है, बल्कि उसका

संबंध दैनिक जीवन से भी है।

ज्ञान की स्थायित्व

प्रयोग द्वारा प्राप्त ज्ञान अधिक स्थायी होता है, क्योंकि विद्यार्थी उसे अपनी आँखों से देखते और स्वयं अनुभव करते हैं। वे इस ज्ञान का उपयोग वास्तविक परिस्थितियों में करना भी सीखते हैं। प्रयोगात्मक अध्ययन विज्ञान शिक्षा का एक आवश्यक और प्रभावशाली अंग है। यह विद्यार्थियों को केवल विषय का ज्ञान ही नहीं देता, बल्कि उन्हें सोचने, परखने और निष्कर्ष निकालने योग्य भी बनाता है। इसलिए विज्ञान को सही अर्थों में समझने के लिए प्रयोगात्मक अध्ययन को अपनाता अत्यंत आवश्यक है।



शिवानी तिवारी

टीचर

आदर्श हितकारिणी चिल्ड्रन्स एकेडमी, गोविंदगंज, जबलपुर

विज्ञान के प्रयोग : पिनहोल कैमरा, उल्टे प्रतिबिंब का रहस्य

पिनहोल कैमरा बनाने का उद्देश्य यह सिद्ध करना है कि प्रकाश सीधी रेखा में चलता है और इससे बनने वाला प्रतिबिंब उल्टा तथा वास्तविक होता है।

आवश्यक सामग्री

एक छोटा गते का डिब्बा (जूते या माचिस का डिब्बा)। बटर पेपर (पारदर्शी कागज़)। काला कागज़ या काला रंग। सुई या पिन। कैंची, कटर और टेप। एक जलती मोमबत्ती या खिड़की के बाहर का दृश्य।

बनाने की विधि

डिब्बे के अंदर की सतह पर काला कागज़ चिपकाएं या काला रंग कर दें, ताकि अंदर प्रकाश का परावर्तन न हो। डिब्बे की एक ओर की दीवार के बीचोंबीच सुई से बहुत छोटा छेद करें। उसके ठीक सामने वाली दीवार काटकर हटा दें और वहाँ बटर पेपर टेप से कसकर चिपका दें। यही कैमरे का पर्दा है। डिब्बे को इस प्रकार बंद करें कि केवल छोटे छेद से ही प्रकाश



अंदर आए।

प्रयोग की विधि

कमरे को हल्का अँधेरा कर लें। डिब्बे का छेद वाला भाग जलती मोमबत्ती या खिड़की के बाहर चमकदार वस्तु की ओर रखें। बटर पेपर वाले भाग से अंदर देखें।

निरीक्षण

बटर पेपर पर वस्तु का उल्टा प्रतिबिंब दिखाई देता है। मोमबत्ती की लौ नीचे की ओर

और आधार ऊपर की ओर दिखता है। वस्तु को पास लाने पर प्रतिबिंब बड़ा और दूर ले जाने पर छोटा हो जाता है। छेद बड़ा करने पर प्रतिबिंब धुंधला हो जाता है।

सिद्धांत (कारण)

वस्तु के ऊपरी भाग से आने वाली किरणें सीधी चलकर छेद से गुजरती हैं और पर्दे के निचले भाग पर पहुँचती हैं। निचले भाग की किरणें पर्दे के ऊपरी भाग पर पहुँचती हैं। किरणें छेद पर एक-दूसरे को काटती हैं, इसलिए प्रतिबिंब उल्टा बनता है। यह तभी संभव है जब प्रकाश सीधी रेखा में चले।

सावधानियां

छेद बहुत छोटा और गोल होना चाहिए। डिब्बे में कहीं से अतिरिक्त प्रकाश अंदर नहीं आना चाहिए। सुई और कटर का प्रयोग बड़ों की निगरानी में करें। सूर्य को सीधे न देखें, इससे आँखों को हानि हो सकती है।

शब्द पहेली - 9018

बाएँ से दाएँ

ऊपर से नीचे

1. रोशनी-3
4. आशा, उम्मीद-2
5. एक प्रकार की बंगाली मिठाई-2,3
7. भ्रमण, घूमना-3
9. फिजूल, व्यर्थ ही-3
11. गुनाह, जुर्म-4
12. स्नान करवाना-4
14. डग, पांव, पैर-3
16. मक्खन (अंग्रेजी-3)
18. रावण, दशानन-5
19. टेलीफोन, दूरभाष-2
20. असली, शुद्ध-3

1. वार, घात-3
2. आश्रय, पनाह-3
3. पायल की आवाज-4
4. दर्पण, शीशा-3
6. चिपकू, जलौका-2
8. स्वयं की पसंद का, स्वस्चिकर-2,3
10. हकलाना, अटक-अटक कर बोलना-5
13. पशु, जंतु-4
14. मजार, मकबरा-2
15. कामदेव-3
16. बारिश, बरसात-3
17. धनवान, संपन्न-3

शब्द पहेली - 9017 का हल

ज	अ	प	ह	च	न	घ	त
न	ल	ल	ल	क	न		
की	ल	वा	वा	क्ष	नि	य	
न		श	ज		का		
ध	का	ख	ट	म	स	ल	न
	ज		स	त्य		क	
फ	ल	क	ह	द	ऐ	व	
रे		म	स	ला	गे	ज	
ब	ल	ब	ना	ख	टी	प	न

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

राज्य स्तरीय शालेय क्रिकेट प्रतियोगिता का हुआ भव्य समापन



गाडरवारा (स्वतंत्र मत)।

बीते बुधवार को नगर में 70 वीं राज्य स्तरीय शालेय क्रिकेट प्रतियोगिता 19 आयु बालक वर्ग का भव्य समापन हो गया। समापन के पूर्व नगर के रूद्र मैदान पर खेले गये फाइनल मैच में जबलपुर संभाग ने रीवा संभाग को प्लेयर ऑफ द मैच कप्तान सुबीर अरोरा के 5 विकेट और 23 रनों की शानदार पारी की बदौलत 6 विकेट से हराकर विजेता बनने का गौरव हासिल किया। सुबह टॉस जीतकर रीवा संभाग की टीम ने कमजोर बल्लेबाजी के चलते 20 ओवर में सभी विकेट खोकर सिर्फ 93 रन

बनाये जवाब में जबलपुर की पारी भी लडखड़ाई लेकिन 18 वे ओवर में टीम ने 6 विकेट खोकर जीत का लक्ष्य हासिल कर लिया। वहीं एनटीपीसी खेल मैदान पर तृतीय स्थान के लिए हुए मैच में सागर ने नर्मदापुरम को 13 रनों से हराया। निर्धारित 20 ओवर के मैच में सागर ने अर्जित खरे की तेज 73 रनों की पारी की बदौलत सभी विकेट खोकर 172 रन बनाये जवाब में नर्मदापुरम की टीम सिर्फ 159 रन ही बना पाई और मैच हार गई। फाइनल मैच उपरांत नगर के शासकीय आदर्श उ मा विद्यालय में सामूहिक वंदे मातरम एवं माँ सरस्वती पूजन से शुरू हुए समापन



कार्यक्रम में मुख्य अतिथि पुलिस अधीक्षक डॉ ऋषिकेश मीणा ने कहा कि कोविड के बाद से ही खेलों के प्रति जागरूकता बढ़ी है। पिछले वर्षों में इसी मैदान पर हम सभी ने राष्ट्रीय खेल आयोजनों को सफलतापूर्वक आयोजित किया है अब हम पुनः इसी दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि खेल शारीरिक और बौद्धिक विकास के लिए आवश्यक है ये हमें संघर्ष करने की प्रेरणा देते है। कार्यक्रम अध्यक्ष नपा अध्यक्ष शिवाकांत मिश्रा ने कहा कि कैबिनेट मंत्री उदयप्रताप सिंह के प्रयासों से ही नगर में प्रतिवर्ष राष्ट्रीय व राज्य स्तर के खेल आयोजन संभव हो



रहे है। उन्होंने कहा कि सभी के उल्लेखनीय योगदान से ये प्रतियोगिता सफलतापूर्वक आयोजित हुई। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के आयोजनों से नित नई प्रतिभाएं सामने आती है। पूर्व विधायक नरेश पाठक ने कहा कि प्रसन्नता की बात है कि प्रतियोगिता में जबलपुर संभाग विजेता रहा। खेल में हार जीत तो होती रहती है लेकिन हार से सीखने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि खेलों इण्डिया के माध्यम से सरकार खेलों को उदयप्रताप सिंह के प्रयासों से ही नगर में प्रतिवर्ष राष्ट्रीय व राज्य स्तर के खेल आयोजन संभव हो



राकेश त्रिपाठी ने भी सम्बोधित करते हुए कहा कि सभी मैदानों पर बढ़िया व्यवस्थाएं होने से आयोजन सफल रहा। कार्यक्रम में मंचासीन अतिथियों का स्वागत अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने किया। इस दौरान छात्राओं ने नृत्य की शानदार प्रस्तुति दी। कार्यक्रम में विजेता, उपविजेता, तृतीय स्थान प्राप्त टीमों को ट्रॉफी सहित उत्कृष्ट खिलाड़ियों मे सर्वश्रेष्ठ विकेटकीपर के लिए देवांश तिवारी, सर्वश्रेष्ठ प्लेयर के लिए सुबीर अरोरा, सर्वश्रेष्ठ क्षेत्ररक्षक के लिए ज्योतिरादित्य तिवारी,सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज संस्कार सिंह, सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज हर्ष वर्मा,

नरवाई जलाने के बजाय फसल अवशेषों से बनाएं जैविक खाद, बढ़ाएं मिट्टी की उर्वरा शक्ति

नरसिंहपुर, स्वतंत्र मत। खरीफ फसलों की कटाई एवं हावैस्टिंग के दौरान नरवाई जलाने की घटनाओं को रोकने और मिट्टी की उर्वरा शक्ति बनाए रखने के लिए किसानों से फसल अवशेषों का उचित प्रबंधन करने की अपील की गई है। किसानों से कहा गया है कि वे सोयाबीन, उड़द, मूंग, मक्का एवं धान सहित अन्य फसलों के अवशेषों को खेतों में न जलाएं, बल्कि उनका उपयोग जैविक खाद बनाने तथा पशु चारे के रूप में करें। मक्का एवं सोयाबीन की कटाई के बाद एकत्रित फसल अवशेषों को आग लगाने के बजाय समीपस्थ गौशाला में उपलब्ध कराएं अथवा गड्ढे में डालकर खाद तैयार करें। सोयाबीन, उड़द, मूंग एवं धान की कटाई स्ट्रॉ रोपर से करें। इसके उपलब्ध नहीं होने पर एसएमएस (स्ट्रॉ मैनेजमेंट सिस्टम) युक्त हावैस्टर का उपयोग करें। इससे फसल अवशेष बारीक होकर खेत में फैल जाते हैं और मिट्टी में

मिलकर जैविक खाद का काम करते हैं। इससे रासायनिक उर्वरकों की आवश्यकता कम करने में मदद मिलती है तथा मिट्टी की उर्वरा शक्ति बढ़ती है। किसान अगली फसल की बोनी के लिए सुपर सीडर, हैप्पी सीडर एवं स्मार्ट सीडर का उपयोग कर सकते हैं। एसएमएस युक्त हावैस्टर उपलब्ध नहीं होने पर कटाई के बाद बेतर मशीन से फसल अवशेषों की गांठें बनाकर अतिरिक्त आय भी अर्जित की जा सकती है।

इन उपायों से नरवाई जलाने की समस्या पर प्रभावी नियंत्रण किया जा सकता है। जिले में हावैस्टर धारक किसानों के लिए एसएमएस यंत्र खरीदने हेतु डीबीटी पोर्टल पर 29 अक्टूबर 2026 तक ऑनलाइन आवेदन की सुविधा उपलब्ध है। इच्छुक किसान दृष्टसङ्गठ,शहद पोर्टल के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं। एसएमएस यंत्र की अनुमानित कीमत 1 लाख 20 हजार रुपये है। इस पर शासन

द्वारा 50 प्रतिशत अनुदान, अधिकतम 60 हजार रुपये तक, प्रदान किया जाता है। एसएमएस युक्त हावैस्टर के लिए यहां करें संपर्क- जिले के किसान नरवाई प्रबंधन एवं एसएमएस युक्त हावैस्टर की उपलब्धता संबंधी जानकारी के लिए विकासखंड नरसिंहपुर के ग्राम सिंहपुर के श्री विनीत महाजन के 9425159953, ग्राम मचवारा के श्री कोक सिंह पटेल के मोबाइल नंबर 7987060192, ग्राम धमना के श्री संदीप गुमास्ता के मोबाइल नंबर 8435471415 व 7000404695 एवं श्री संजय गुमास्ता के मोबाइल नंबर 9617412496 और ग्राम खाला के श्री महेन्द्र पटेल के मोबाइल नंबर 9424997909 पर संपर्क कर सकते हैं। किसानों से अपील है कि वे फसल अवशेषों को जलाने से बचें और पर्यावरण संरक्षण के साथ खेतों की मिट्टी की गुणवत्ता बनाए रखने के लिए नरवाई प्रबंधन के वैज्ञानिक उपाय अपनाएं।

मुख्यमंत्री कन्या विवाह सम्मेलन 21 नवंबर को तेन्दूखेड़ा में होगा

नरसिंहपुर, स्वतंत्र मत। सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग की मुख्यमंत्री कन्या विवाह/निकाह योजना के अंतर्गत वर्ष 2026-27 का सामूहिक विवाह सम्मेलन 21 नवंबर 2026 को कृषि उपज मंडी, तेन्दूखेड़ा में आयोजित किया जाएगा। सम्मेलन में शामिल होने के लिए आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 23 अक्टूबर से बढ़ाकर 30 अक्टूबर 2026 निर्धारित की गई है। उपसंचालक, सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग, नरसिंहपुर ने बताया कि शासन के निर्देशानुसार एक जिले में एक तिथि पर अधिकतम 200 जोड़ों का ही सामूहिक विवाह कराया जा सकता है। इसलिए पोर्टल पर दर्ज प्रथम 200 पात्र आवेदनों को ही सम्मेलन में शामिल किया जाएगा। योजना का लाभ लेने के लिए कन्या मध्यप्रदेश की मूल निवासी हो।

विद्यालयों में ई-कचरा प्रबंधन एवं संग्रहण के प्रति विद्यार्थियों को किया जागरूक



नरसिंहपुर। जिले के समस्त विद्यालयों में ई-कचरा प्रबंधन एवं संग्रहण के संबंध में जागरूकता अभियान चलाया गया। अभियान का उद्देश्य विद्यार्थियों को ई-कचरे के उचित प्रबंधन, सुरक्षित निपटान तथा पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करना है। इसी क्रम में जिले के विकासखंड चीचली के छावरागांव, खैरी, हीरापुर, बैरागढ़,

चिक्स, टिकटोली, धोखेड़ा एवं बघोरा के विद्यालयों में विद्यार्थियों को ई-कचरे के दुष्प्रभावों तथा उसके उचित प्रबंधन की जानकारी दी गई। विकासखंड स्रोत समन्वयक श्री डी.के. पटेल ने बताया कि मोबाइल फोन, कंप्यूटर, की-बोर्ड, चार्जर, बैटरी, टेलीविजन एवं अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरण अनुपयोगी होने पर ई-

कचरे की श्रेणी में आते हैं। इनका सामान्य कचरे के साथ निपटान करने अथवा खुले में फेंकने से पर्यावरण और मानव स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। उन्होंने बताया कि ई-कचरे को अलग एकत्रित करना, उसे इधर-उधर न फेंकना तथा अधिकृत ई-कचरा संग्रहण केंद्रों या पुनर्चक्रण इकाइयों तक पहुंचाना आवश्यक

है। विद्यार्थियों को अपने परिवार एवं आसपास के लोगों को भी ई-कचरे के सुरक्षित प्रबंधन के प्रति जागरूक करने के लिए प्रेरित किया गया। इस अभियान के माध्यम से विद्यार्थियों में पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी की भावना विकसित करने तथा स्वच्छ एवं सुरक्षित वातावरण बनाए रखने का संदेश दिया गया।

नेमा समाज द्वारा श्री निमि जी महाराज जयंती पर सुन्दरकाण्ड भजन संध्या व गरबा उत्सव का हुआ भव्य-आयोजन

नरसिंहपुर, स्वतंत्र मत। नेमा समाज द्वारा समाज के प्रवर्तक आदिदेव श्री निमि महाराज जी के पावन जन्मजयंती समारोह का भव्य-दिव्य एवं सफल आयोजन स्थानीय बालाजी मंदिर, पुलिस लाइन की मढ़िया परिसर में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ समाज के अध्यक्ष एड. रामगोपाल नेमा एवं वरिष्ठजनों द्वारा दीप प्रज्वलित कर, श्री निमि जी महाराज व भगवान बालाजी का पूजन कर किया गया, तत्पश्चात नेमा मानस मंडल द्वारा संगीतमय सुन्दरकाण्ड, हनुमान चालीसा पाठ एवं सुमधुर भजनों की प्रस्तुति के साथ महाआरती की गई। इसके उपरांत उपस्थित सभी समाजजनों, मातृशक्तियों के द्वारा सामूहिक गरबा नृत्य किया गया।

भवन निर्माण की दिशा मे बढ़ाएंगे संकल्पबद्ध ठोस कदम-नेमा समाज के महासचिव विनीत नेमा द्वारा पिछले कार्यक्रमों का वृत्त रखते हुये, आगामी कार्यक्रमो की



जानकारी के साथ, अतिशीघ्र ही नेमा समाज के अपने स्वयं के भवन निर्माण का संकल्प दिलाया गया, तत्सम्बन्ध मे आवश्यक प्रक्रिया सबके समक्ष रखते हुये, इस दिशा मे सर्वसहमति व वृहद कार्ययोजनानुसार सामूहिक रूप से सक्रिय सहभागिता की

अपील भी की। साथ ही उन्होंने बताया कि भवन निर्माण प्रक्रिया को गति प्रदान करने हेतु सर्वसम्मति से विषय विशेषणों की एक संचालन समिति का गठन अतिशीघ्र ही किया जायेगा।

समर्पित भाव व एकजुटता से ही होगा

समाज मजबूत-सम्पूर्ण कार्यक्रम का कुशल प्रबंधन और व्यवस्था पक्ष संभालते हुये उपाध्यक्ष अशोक नेमा च्छरस्सूज ने सभी समाजजनों से समाज के प्रत्येक कार्य में बढ़ चढ़कर, तन-मन-धन व पूर्ण समर्पित भाव से एकजुटता के साथ, प्रत्येक स्तर पर समाज की मजबूती हेतु सहयोग प्रदान करने का प्रेरक आवाहन किया। समस्त कार्यक्रम का कुशल संचालन सहसचिव आशीष नेमा तुलसी द्वारा तथा कार्यक्रम संयोजक पुरुष वर्ग से मुकेश नेमा च्छ्वालाजीज (खुरपे वाले) और महिला वर्ग से श्रीमती दीपा सुजन नेमा द्वारा सभी के प्रत्यक्ष अप्रत्यक्ष सहयोग हेतु आभार व्यक्त किया गया। अंत में तसमई-खोर और प्रसादी वितरण के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। इस अवसर पर समाज के ज्येष्ठ-श्रेष्ठजनों स्वाजातीय बन्धुओं सहित मातृशक्ति व युवाजनों की बड़ी संख्या मे उपस्थित रही।

चुनाव नहीं जीते को पार्टी का और बुरा हाल होगा: अजय सिंह

सिंगरौली (स्वतंत्र मत)। मध्य प्रदेश के पूर्व नेता प्रतिपक्ष और चुरहट विधायक अजय सिंह राहुल ने कहा कि कांग्रेस को आगामी विधानसभा चुनाव एकजुट होकर लड़ना होगा। उन्होंने चेताया कि इस बार पार्टी सरकार नहीं बना पाई तो आने वाले समय में उसका हस्त और बुरा हो सकता है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आपसी मतभेद भुलाकर संगठन मजबूत करने की अपील की। अजय सिंह राहुल बुधवार को एक दिन के दौरे पर सिंगरौली पहुंचे थे। जिला मुख्यालय पहुंचने पर कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने जगह-जगह उनका स्वागत किया। उन्होंने सेवादल के विशेष प्रशिक्षण अभियान का शुभारंभ की। इसमें सतना, रीवा, सीधी और सिंगरौली के सेवादल कार्यकर्ता शामिल हुए। बुधवार शाम



करीब 5 बजे कांग्रेस के शहर अध्यक्ष प्रवीण सिंह चौहान के आवास पर, पत्रकार वार्ता हुई। अजय सिंह राहुल ने संगठन की एकजुटता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि दो साल बाद कांग्रेस को सत्ता से बाहर हुए 25 साल पूरे हो जाएंगे। ऐसे में सभी नेताओं और कार्यकर्ताओं को एकजुट होकर चुनाव लड़ना चाहिए। उन्होंने कहा कि सेवादल का विशेष प्रशिक्षण अभियान कार्यकर्ताओं को

तैयार करने और संगठन मजबूत करने में मदद करेगा। सतना, रीवा, सीधी और सिंगरौली के कार्यकर्ताओं की भागीदारी से चुनाव में पार्टी को मजबूती मिलेगी। सिंगरौली जिले की कोयला खदानों में विस्थापितों के शोषण के मुद्दे पर भी अजय सिंह राहुल ने बात की। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की सरकार बनने पर विस्थापित परिवारों की मदद प्राथमिकता से की जाएगी।

केवई नदी से रेत ले जाता ट्रैक्टर जब्त

अनूपपुर। अनूपपुर जिले के रामनगर क्षेत्र में पुलिस ने बुधवार रात केवई नदी के जमुड़ी घाट से अवैध रेत ले जा रहा ट्रैक्टर-ट्राली जब्त किया। चालक ने पुलिस को देखकर रेत पलटकर भागने की कोशिश की, लेकिन पुलिस ने उसे पकड़ लिया। प्रभारी थाना प्रभारी छोटे लाल यादव ने बताया कि रात की गश्त के दौरान पुलिस को मुखबिर् से सूचना मिली थी। सूचना के मुताबिक, ऊरा निवासी अजय सिंह गोड़ का ट्रैक्टर चालक दुर्गाश सिंह गोड़ पिता राजराम सिंह गोड़ जमुड़ी घाट से रेत लोड कर रहा था। उप निरीक्षक बागरी के नेतृत्व में पुलिस टीम ने मोके पर दबिश दी। पुलिस वाहन को देखकर दुर्गाश ने ट्रैक्टर भागाने और रास्ते में रेत पलटने की कोशिश की। करीब आधी रेत मौके पर गिर गई, जबकि लगभग 2 घनमीटर रेत ट्राली में बची रही। पुलिस ने घेराबंदी कर चालक को पकड़ लिया। पृच्छाछ में उसने केवई नदी से रेत चोरी कर ले जाने की बात स्वीकार की। पुलिस ने करीब 4 हजार रुपए की रेत और 3 लाख रुपए मूल्य का ट्रैक्टर जब्त किया। ट्रैक्टर का रजिस्ट्रेशन नंबर सीजी-16-सीजी-5465 है।

करवा चौथ: मध्यप्रदेश में सबसे पहले सिंगरौली में दिखेगा चांद

सिंगरौली/भोपाल, स्वतंत्र मत

गुरुवार (29 अक्टूबर) को करवा चौथ पर महिलाएं पति की लंबी उम्र के लिए व्रत रखेंगी। रात में चांद देखकर व्रत पूरा करेंगी। हालांकि इस बार चक्रवात अर्नब की वजह से चांद का दीदार मुश्किल हो सकता है। एक्सपर्ट के मुताबिक एमपी में सबसे पहले रात 8.01 बजे सिंगरौली में चांद दिखेगा। जबकि सबसे आखिरी में आलीराजपुर में रात 8.41 बजे नजर आएगा। भोपाल में रात 8.26 बजे और इंदौर में रात 8.34 बजे चांद का दीदार होगा। करवा चौथ के दिन पूर्वी हिस्से- जबलपुर, सागर, रीवा और शहडोल संभाग में तेज बारिश का अनुमान है। वहीं, पश्चिमी हिस्से- भोपाल, इंदौर, नर्मदापुरम, उज्जैन, ग्वालियर और चंबल संभाग में बादल छाप रह सकते हैं। इस वजह से इंतजार लंबा हो सकता है। नेशनल अवॉर्ड विज्ञान प्रसारक सारिका धारू ने खगोलीय गणनाओं के आधार पर बताया कि चंद्रमा की गति पूर्व से पश्चिम की ओर होने के कारण चांद सबसे पहले मध्य प्रदेश के सुदूर पूर्वी छोर पर मुक्तुराणा, जबकि पश्चिमी सीमा पर बसे जिलों में अर्घ्य देने के लिए लंबा इंतजार करना होगा। प्रदेश के पूर्वी और पश्चिमी जिलों के बीच चंद्रोदय के समय में लगभग 40 मिनट का अंतर दर्ज होगा। धारू ने बताया कि हमारी पृथ्वी गोल है और यह



अपनी धुरी पर पश्चिम से पूर्व की ओर घूमती है। मध्य प्रदेश का भौगोलिक विस्तार काफी बड़ा है। जो जिले देशांतर रेखा के अनुसार सुदूर पूर्व में हैं, वहां पृथ्वी के घूमने के कारण चंद्रमा क्षितिज पर सबसे पहले दिखाई देता है। जैसे- जैसे पृथ्वी आगे घूमती जाती है, वैसे-वैसे पश्चिम में स्थित जिलों में चंद्रमा क्रमशः बाद में दिखाई देता है। सिंगरौली से आलीराजपुर के बीच देशांतरीय अंतर के कारण ही प्रदेश

वास्तविक रूप से आंखों से चांद देखने में तय समय से 10-15 मिनट की देरी हो सकती है। सारिका ने कहा कि इस समय चक्रवात के कारण कई जगहों पर बादल रह सकते हैं। ऐसी स्थिति में महिलाएं जिले के चंद्रोदय के समय के बाद पूर्व उत्तर दिशा में चंद्रमा की उपस्थिति मानकर अर्घ्य दे सकती हैं। करवा चौथ के लंबे व्रत की शुरुआत से पहले सुबह-सुबह एक खास रस्म निभाई जाती

है, जिसे सरगी कहते हैं। ये सरगी सास की ओर से बहू को दी जाती है। सरगी की थाली में फल, मिठाई, मेवे और फेनी जैसी चीजें रखी जाती हैं। इस परंपरा के पीछे एक वैज्ञानिक कारण भी है। सरगी की थाली में वो सभी जरूरी चीजें होती हैं, जो व्रत में आपके काम आती हैं।

चांद की पूजा के बाद ही व्रत खोलने की मान्यता महिलाएं गणेश जी, चौथ माता और चंद्र देव की पूजा करती हैं। रात में चंद्रमा निकलने के बाद अर्घ्य दिया जाता है। चंद्र दर्शन और पूजा के बाद ही खाना-पानी ग्रहण कर व्रत खोला जाता है। इस व्रत में करवा चौथ माता की कथा सुनना या पढ़ना जरूरी होता है। बिना इसके व्रत पूरा नहीं माना जाता। व्रत के पहले से आपके पोषणयुक्त डाइट लेनी चाहिए। इसमें ड्राई फ्रूट्स जरूर शामिल करना चाहिए। इससे आपके शरीर में ऊर्जा बनी रहेगी और आप व्रत वाले दिन कम थकावट महसूस करेंगी। अगर आप रात के बाद कुछ नहीं खाती हैं तो नींबू, चीनी और नमक का घोल भी फायदेमंद साबित हो सकता है। शरीर में नमक और ग्लूकोज का संतुलित स्तर बना रहेगा तो दिन भर कमजोरी महसूस नहीं होगी।

आज पतियों की होगी पूजा

मण्डला(स्वतंत्रमत)। पति की लंबी आयु सुखी दांपत्य जीवन और परिवार की सुख-समृद्धि की कामना के साथ महिलाएं करवा चौथ का व्रत श्रद्धा और आस्था के साथ रखती हैं। इस दिन सुहागिन महिलाएं सूर्योदय से चंद्रोदय तक निर्जला व्रत रखकर शाम को विधि-विधान से पूजा-अर्चना करती हैं। नीलू महाराज ने जानकारी देते हुए बताया कि मंडला में करवा चौथ पर रात्रि लगभग 8 बजकर 20 से 8 बजकर 21 मिनट के बीच चंद्रोदय होने की संभावना है। उन्होंने महिलाओं को चंद्र दर्शन के पश्चात पूजन करने की सलाह दी। करवा चौथ की पूजा में करवा का विशेष महत्व है।

पोषण सेवाओं पर वर्चुअल बैठक

मण्डला (स्वतंत्रमत)। जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विनोद परस्ते ने विभागीय अमले की वर्चुअल बैठक लेकर विभागीय योजनाओं एवं पोषण संबंधी गतिविधियों की समीक्षा की। उन्होंने आंगनवाड़ी केंद्रों के माध्यम से बच्चों एवं महिलाओं को दी जा रही पोषण सेवाओं की जानकारी लेते हुए योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। श्री परस्ते ने पोषण ट्रेकर में टेक होम राशन एवं गर्म ताजा पका भोजन से लाभान्वित बच्चों और महिलाओं की शत-प्रशिशत एंट्री समय-सीमा में सुनिश्चित करने तथा पोषण आहार वितरण की नियमित निगरानी करने के निर्देश दिए। उन्होंने कुपोषित बच्चों की पहचान कर उनके पोषण स्तर में सुधार के लिए आवश्यक कदम उठाने तथा गंभीर कुपोषित बच्चों को पोषण पुनर्वास केंद्र में भर्ती कराने के निर्देश दिए। बैठक में महिला एवं बाल विकास विभाग का मैदानी अमला वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से उपस्थित रहा।

फसल ऋणमान से मिलेगी सुविधा

मण्डला (स्वतंत्रमत)। जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्यादित, मंडला के अंतर्गत वर्ष 2027-28 के लिए फसलवार ऋणमान निर्धारित करने हेतु जिला स्तरीय तकनीकी समूह की बैठक कलेक्टर की अध्यक्षता में कलेक्टर सभाकक्ष में आयोजित की गई। बैठक में कृषि एवं संबद्ध गतिविधियों के लिए ऋणमान और किसान क्रेडिट कार्ड के अंतर्गत वित्तमान निर्धारित करने सहित विभिन्न महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। बैठक में खरीफ रबी सब्जी एवं औषधीय पौधों की खेती के लिए ऋणमान निर्धारित किए गए। साथ ही पशुपालक एवं मत्स्यपालक कृषकों की कार्यशील पूंजी संबंधी आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए किसान क्रेडिट कार्ड योजनांतर्गत वित्तमान तय किए गए। फसल ऋण वितरण एवं अदायगी की तिथियों का भी निर्धारण किया गया।

अर्नब तूफान के असर से नैनपुर में बदला मौसम

रुक-रुककर हुई बारिश आसमान में छाए रहे बादल, बारिश से बढ़ी नमी; खेतों में खड़ी फसलों पर असर पड़ने की आशंका

नैनपुर (स्वतंत्र मत)।

सागर में उठे अर्नब तूफान का असर नैनपुर नगर सहित आसपास के अंचलों में भी देखने को मिला। मौसम में आए अचानक बदलाव के चलते एक दिन पहले आसमान में दिनभर बादलों का डेरा रहा, वहीं अगले दिन दोपहर बाद बारिश का सिलसिला शुरू हो गया।
देर शाम तक रुक-रुककर हुई बारिश से मौसम में नमी घुल गई और वातावरण में ठंडक महसूस की गई।



मौसम के बदलाव से किसानों की बड़ी चिंता-क्षेत्र में हुई बारिश ने किसानों का ध्यान खेतों में खड़ी फसलों की ओर खींचा है। वर्तमान में खरीफ की फसलों की कटाई और गहाई का दौर चलने के कारण बारिश का प्रभाव फसलों की स्थिति पर निर्रर करेगा। जिन किसानों की धान की फसल अभी खेतों में खड़ी है, उन्हें तेज हवा और अधिक बारिश की स्थिति में फसल के गिरने की आशंका सता सकती है। वहीं, जिन

किसानों ने धान की कटाई कर फसल खेतों में रखी है या गहाई के लिए धान एकत्रित किया है, उनके लिए बारिश परेशानी का कारण बन सकती है। खेतों में कटी हुई धान की फसल भीगेने से उसकी गुणवत्ता प्रभावित होने के साथ सुखाने में अतिरिक्त समय लग सकता है। यदि बारिश का सिलसिला आगे भी जारी रहता है, तो कटाई और गहाई के कार्य में देरी होने की संभावना है।

बारिश की मात्रा पर निर्रर करेगा फसलों पर असर-कृषि के लिहाज से इस बारिश का प्रभाव उसकी मात्रा, अवधि और आगामी दिनों के मौसम पर निर्रर करेगा। हल्की बारिश से खेतों में नमी बढ़ सकती है, लेकिन लगातार बारिश होने पर कटाई के लिए तैयार धान की फसल और खुले में रखी उपज प्रभावित हो सकती है।

ऐसे कई नोटिस आए और गए, जहां करना हो कर दो शिकायत सरपंच-सचिव परेशान, सरकारी बाउंड्री तोड़कर बना रहे दुकान



अनुसार इन निर्देशों का पालन नहीं किया गया और काम लगातार जारी है।

अब सवाल यह है कि जब पंचायत स्तर पर नोटिस जारी किया जा चुका है और निर्माण रोकने के लिए कहा जा चुका है तो फिर काम किस आधार पर जारी है इसके बावजूद अब तक किसी ठोस कार्रवाई की जानकारी नहीं मिली है। यदि शिकायत प्रशासन तक पहुंच चुकी है तो मौके पर जांच कर निर्माण की वैधानिक स्थिति स्पष्ट करना और नियमानुसार कार्रवाई करना संबंधित अधिकारियों की

जिम्मेदारी है। बता दें यहां बड़ी खेरी ग्राम पंचायत क्षेत्र में सरकारी जमीन पर लगातार निर्माण कार्य चलता रहा लेकिन जिम्मेदारों की ओर से अब तक कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई। ग्रामीणों के मुताबिक जिस स्थान पर निर्माण किया जा रहा है वह सरकारी भूमि से जुड़ा हुआ है। खेरी क्षेत्र में मेडिकल कॉलेज का निर्माण कार्य भी चल रहा है। मेडिकल कॉलेज के आसपास जमीन की कीमत और व्यावसायिक गतिविधियों को देखते हुए सरकारी भूमि पर कब्जे की शिकायतें लगातार सामने आने की बात ग्रामीण बता रहे हैं।

ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय रहते सरकारी जमीन की सीमांकन कराकर कार्रवाई नहीं की गई तो आने वाले समय में सरकारी भूमि पर कब्जे का दायरा और बढ़ सकता है। सिद्ध टेकरी के नीचे नेशनल हाईवे से सटी जमीन होने के कारण यह स्थान व्यावसायिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है। यही वजह है कि ग्रामीण सरकारी जमीन के उपयोग और निर्माण को लेकर सवाल उठा रहे हैं। स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि उन्होंने मौके पर निर्माण को लेकर विरोध दर्ज कराया है। ग्रामीणों का दावा है कि उन्होंने पंचायत स्तर पर भी

मामले की जानकारी दी लेकिन इसके बाद भी निर्माण कार्य जारी रहा। ग्रामीणों का सवाल है कि यदि जमीन वास्तव में सरकारी है तो निर्माण करने वाले व्यक्ति को किस आधार पर वहां निर्माण की अनुमति मिली ग्रामीणों ने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच जमीन के सीमांकन और राजस्व रिकॉर्ड के आधार पर स्थिति स्पष्ट करने मांग की है। उनका कहना है कि यदि निर्माण सरकारी भूमि पर पाया जाता है तो जिम्मेदार लोगों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई होनी चाहिए और सरकारी जमीन को अतिक्रमण से मुक्त कराया जाना

चाहिए। ग्रामीणों का आरोप है कि ग्राम पंचायत खेरी के सचिव और सरपंच को भी कथित निर्माण की जानकारी है। इसके बावजूद पंचायत स्तर से इसे रोकने के लिए कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। मामला सिर्फ एक निर्माण तक सीमित नहीं है। यदि सरकारी भूमि पर बिना अनुमति निर्माण की शिकायत सही पाई जाती है तो यह राजस्व और पंचायत प्रशासन की निगरानी व्यवस्था पर भी सवाल खड़े करता है। सरकारी जमीन की पहचान सीमांकन और संरक्षण की जिम्मेदारी संबंधित विभागों की

होती है। ऐसे में शिकायतों के बावजूद निर्माण जारी रहने की स्थिति में जिम्मेदार अधिकारियों की भूमिका की भी जांच जरूरी हो जाती है। ग्रामीणों का कहना है कि प्रशासन को मौके पर पहुंचकर राजस्व रिकॉर्ड के आधार पर जमीन का सीमांकन कराना चाहिए। साथ ही निर्माण की अनुमति, संबंधित दस्तावेज और जमीन के स्वामित्व की जांच की जानी चाहिए। यदि जांच में सरकारी जमीन पर अवैध कब्जा या बिना अनुमति निर्माण की पुष्टि होती है तो नियमानुसार कार्रवाई की जानी चाहिए। यदि सरकारी जमीन पर निर्माण हो रहा है और इसकी जानकारी पंचायत एवं संबंधित अधिकारियों तक पहुंच चुकी है, तो कार्रवाई क्यों नहीं हुई क्या जिम्मेदार विभागों ने मौके का निरीक्षण किया क्या निर्माणकर्ता के पास भूमि संबंधी वैध दस्तावेज हैं क्या निर्माण के लिए अनुमति ली गई है और यदि जमीन सरकारी है तो निर्माण शुरू होने के बाद भी उसे रोकने की कार्रवाई क्यों नहीं की गई फिलहाल ग्रामीण प्रशासन से पूरे मामले की जांच की मांग कर रहे हैं।

चार दिनों से जलापूर्ति ठप्प, ग्रामीण परेशान

मण्डला/नारायणगंज(स्वतंत्रमत)। जनपद पंचायत नारायणगंज के अंतर्गत ग्राम पंचायत पड़रिया में पिछले चार दिनों से पेयजल आपूर्ति बाधित होने के कारण ग्रामीणों को गंभीर परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। नलों से पानी नहीं आने के चलते लोगों के सामने पीने के पानी से लेकर दैनिक जीवन के उपयोग में संकट खड़ा हो गया है ग्रामीणों का कहना है कि पानी जैसी मूलभूत सुविधा के लिए भी उन्हें परेशान होना पड़ रहा है लेकिन समस्या के निराकरण की दिशा में अब तक कोई ठोस कार्यवाही नहीं की गई। जलापूर्ति बाधित होने से ग्रामीणों की दिनचर्या प्रभावित हो रही है। घरों में खाना बनाने पीने के पानी की व्यवस्था करने तथा साफ-सफाई जैसे जरूरी कार्यों में दिक्कत आ रही हैं लोगों को पानी की वैकल्पिक व्यवस्था करने के लिए भटकना पड़ रहा है लगातार चार दिनों से पानी की सप्लाई बंद रहने के बावजूद समस्या का समाधान नहीं होने से ग्रामीणों में नाराजगी बढ़ रही है ग्रामीणों ने ग्राम पंचायत के जिम्मेदार जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों से पेयजल संकट को गंभीरता से लेते हुए जल्द से जल्द जलापूर्ति बहाल कराने की मांग की है।

प्रस्फुटन का क्षमतावर्धन प्रशिक्षण संपन्न

मण्डला/नारायणगंज(स्वतंत्रमत)। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के निर्देशानुसार 27 अक्टूबर को ग्राम पंचायत भवन देवरी कला बबलिया में प्रस्फुटन समितियों का क्षमता वर्धन प्रशिक्षण एवं प्रस्फुटन शक्ति संचय अभियान के तहत सेक्टर स्तरीय कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यक्रम का आयोजन नवांकुर संस्था मां रेवा जनसेवा सोसायटी देवरी सेक्टर क्रमांक-5 द्वारा जिला समन्वयक सुशील कुमार बर्मन के मार्गदर्शन में किया गया कार्यक्रम का शुभारंभ ग्राम पंचायत सरपंच देवचरण पंद्राम ने भारत माता के तैल्यचित्र पर पूजन-अर्चन कर किया। प्रशिक्षण के दौरान कृष्ण कुमार झरिया ने प्रस्फुटन समितियों के प्रतिवेदन एवं गतिविधियों की जानकारी दी। वहीं सेक्टर प्रभारी सुरेश कुमार सोनी ने बैठक पंजी कैशबुक लेजर स्टॉक पंजी और बैंक मिलात विवरण बीआरएस सहित आवश्यक अभिलेखों के व्यवस्थित संधारण की प्रक्रिया समझाई प्रतिभागियों की जिज्ञासाओं का भी समाधान किया गया समापन अवसर पर सरपंच देवचरण पंद्राम ने समिति अध्यक्षों को प्रमाण पत्र वितरित किए महिला सदस्यों को पौधे भेंट कर पुष्पवर्णन संरक्षण का संदेश दिया गया पंचायत सचिव लामू सिंह, शोभाराम विश्वकर्मा प्रस्फुटन समितियों के अध्यक्ष एवं सदस्य उपस्थित रहे।



जिला चिकित्सालय में स्वच्छता अभियान

मण्डला(स्वतंत्रमत)।

भारत सरकार के निर्देशानुसार 2 से 31 अक्टूबर तक संचालित विशेष स्वच्छता अभियान के अंतर्गत जिला चिकित्सालय में विभिन्न नर्सिंग महाविद्यालयों के छात्र-छात्राओं द्वारा जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में नुक्रड़ नाटक रंगोली एवं पोस्टर प्रतियोगिता के माध्यम से स्वच्छता सामान्य कचरा एवं जैव



चिकित्सा अपशिष्ट प्रबंधन तथा जल स्रोतों और आसपास के क्षेत्रों को स्वच्छ रखने के प्रति

जागरूक किया गया सिविल सर्जन डॉ. विजय सिंह धुर्वे ने बताया कि कार्यक्रम के प्रारंभ में

विद्यार्थियों को स्वच्छता की शपथ दिलाई गई जिला चिकित्सालय के शरद मेश्राम ने



पुलिस अधीक्षक ने ली अपराध समीक्षा बैठक

मण्डला(स्वतंत्रमत)। पुलिस अधीक्षक राजेश रघुवंशी द्वारा पुलिस कंट्रोल रूम में मासिक अपराध समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले में अपराध नियंत्रण लंबित प्रकरणों के निराकरण मादक पदार्थों से संबंधित अपराधों पर प्रभावी कार्यवाही तथा आगामी दीपावली पर्व के दौरान सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने के संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए पुलिस अधीक्षक द्वारा मादक पदार्थों से संबंधित अपराधों की रोकथाम के लिए संचालित विशेष अभियान के अंतर्गत संदिग्ध गतिविधियों पर सतत निगरानी रखने प्राप्त सूचनाओं पर वैधानिक

कार्यवाही करने तथा मादक पदार्थों के अवैध कारोबार में संलित आरोपियों के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही करने पर जोर दिया गया और एवं नकबजनी की घटनाओं की समीक्षा करते हुए ऐसी वारदातों में संलित आरोपियों की पहचान कर शीघ्र गिरफ्तारी करने के निर्देश दिए गए लंबित अपराधों के त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निराकरण के साथ न्यायालयीन वारंटों की तामिली को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए गए फरार वारंटियों की तलाश कर उनकी गिरफ्तारी सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया दीपावली पर्व को दृष्टिगत रखते हुए पटाखों की दुकानों पर वैध हाईसेंस एवं निर्धारित नियमों के पालन की

जांच करने के निर्देश दिए गए त्योंहारी अवधि में यातायात व्यवस्था सुचारु बनाए रखने प्रमुख बाजारों एवं भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में आवश्यक पुलिस व्यवस्था सुनिश्चित करने तथा नियमित गश्त एवं वाहन चेकिंग के माध्यम से सुरक्षा व्यवस्था सुदृढ़ करने के निर्देश दिए गए। बैठक में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शिवकुमार वर्मा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पीएस वालरे अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सतीश चतुर्वेदी, एसडीओपी नैनपुर मनीष राज, एसडीओपी बिछिया सौरभ तिवारी सहित जिले के समस्त थाना एवं चौकी प्रभारी तथा अन्य अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

ऑल इंडिया ओपन फुटबॉल टूर्नामेंट में नागपुर और शहडोल का दमदार प्रदर्शन

एकता क्लब नागपुर ने कंदरी माईंस जेएमएफसी को 2-1 से हराया, शहडोल ने भोपाल पर 4-1 से दर्ज की शानदार जीत

नैनपुर (स्वतंत्र मत)। ऑल इंडिया ओपन फुटबॉल टूर्नामेंट के नौवें संस्करण में रोमांचक मुकाबलों का सिलसिला जारी है। प्रतियोगिता में विभिन्न क्षेत्रों की टीमों अपने दमदार खेल, बेहतरीन तालमेल और जीत के जच्चे से दर्शकों का भरपूर मनोरंजन कर रही हैं। इसी क्रम में आज खेले गए दो मुकाबलों में एकता क्लब नागपुर और शहडोल की टीमों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जीत अपने नाम की। पहले मुकाबले में नागपुर ने कंदरी माईंस जेएमएफसी को 2-1 से शिकस्त दी, वहीं दूसरे मुकाबले में शहडोल ने भोपाल को 4-1 से पराजित कर अपनी श्रेष्ठता



साबित की।। दिन का पहला मुकाबला कंदरी माईंस जेएमएफसी और एकता क्लब नागपुर के बीच खेला गया। दोनों टीमों ने मैदान पर आक्रामक तेवर दिखाते हुए जीत के लिए जोर लगाया। मुकाबले में खिलाड़ियों के बीच गेंद पर नियंत्रण बनाने, आक्रमण को धार देने और विपक्षी टीम के गोलपोस्ट तक पहुंचने के लिए कड़ा संघर्ष देखने को मिला।

अंततः एकता क्लब नागपुर ने बेहतर प्रदर्शन करते हुए 2-1 से मुकाबला अपने नाम कर लिया। कड़े संघर्ष के बीच मिली इस जीत से नागपुर की टीम ने प्रतियोगिता में अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई। वहीं दिन के दूसरे मुकाबले में शहडोल और भोपाल की टीमों आमने-सामने थीं। इस मैच में शहडोल के खिलाड़ियों ने शुरुआत से ही प्रभावशाली खेल का प्रदर्शन

किया। टीम ने आक्रामक रणनीति और बेहतर तालमेल के दम पर भोपाल की रक्षापंक्ति पर दबाव बनाए रखा। शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए शहडोल ने 4-1 से जीत दर्ज की। मुकाबले में शहडोल की टीम का दबदबा देखने को मिला, जबकि भोपाल की टीम को हार का सामना करना पड़ा। प्रतियोगिता के अगले दिन भी फुटबॉल प्रेमियों को रोमांचक मुकाबले देखने को मिलेंगे।

आज कुल तीन मैच खेले जाएंगे, जिनमें छिंदवाड़ा, डोंगरगढ़, कवधी, भरवेली, जगदलपुर और उकवा से जुड़ी टीमों मैदान पर उतरेंगी। अलग-अलग क्षेत्रों से आई इन टीमों के बीच होने वाले मुकाबलों को लेकर खेल प्रेमियों में उत्साह बना हुआ है। प्रतियोगिता के आगामी मैचों में भी खिलाड़ियों के कौशल, रणनीति और संघर्षपूर्ण खेल का रोमांच देखने को मिलने की उम्मीद है। जाहिर है कि ऑल इंडिया ओपन फुटबॉल टूर्नामेंट की

विशेषता केवल मैदान पर होने वाला रोमांच ही नहीं, बल्कि खिलाड़ियों के प्रति आयोजन समिति का सहयोगात्मक दृष्टिकोण भी है। प्रतियोगिता में भाग लेने वाले खिलाड़ियों से किसी प्रकार का शुल्क नहीं लिया जाता। आयोजन समिति की ओर से उनके ठहरने और भोजन की निशुल्क व्यवस्था की जाती है। इसके साथ ही खिलाड़ियों के आने-जाने का किराया भी समिति द्वारा वहन किया जाता है। आयोजन की यह पहल खिलाड़ियों को आर्थिक बाधाओं से मुक्त होकर अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर प्रदान करती है। नौ वर्षों से आयोजित हो रही इस प्रतियोगिता ने विभिन्न क्षेत्रों की फुटबॉल टीमों को एक मंच उपलब्ध कराने के साथ खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने की परंपरा को आगे बढ़ाया है। प्रतियोगिता के आगामी मुकाबलों को लेकर खिलाड़ियों और दर्शकों में खासा उत्साह बना हुआ है।

संपादकीय

विरोध में अवरोध क्यों?

भारत में ऐसा कोई भी प्रधानमंत्री नहीं हुआ, जिसके कालखंड में ‘विदेशी ताकतों की साजिश और हस्तक्षेप’ के आरोप न लगाए गए हों। आज सत्तारूढ़ भाजपा यह आरोप नेता प्रतिपक्ष (लोकसभा) राहुल गांधी पर चर्सां करने में जुटी है। यहां तक बयान दिए गए हैं कि राहुल गांधी विदेश जाते हैं, वहां संदिग्ध लोगों से मिलते हैं, उनके साथ साजिशें तैयार करते हैं और फिर भारत लौट कर देश-विरोधी एजेंडा लागू करते हैं। यह राजनीति मुद्दाहीन, नागरिक समस्याओं और संकटों से विरक्त और देश को स्वीकार्य नहीं होनी चाहिए। प्रधानमंत्री मोदी इस संदर्भ में एक कदम आगे बढ़ गए हैं। उन्होंने नेता प्रतिपक्ष का नाम नहीं लिया, लेकिन एक सार्वजनिक मंच से कहा कि ‘फेल्ड प्रॉडक्ट’ को लॉन्च करने के लिए कुछ लोग देश की प्रतिष्ठा को ही मिट्टी में मिला देने पर तुले हैं। प्रधानमंत्री ने एक बार फिर कांग्रेस को ‘परजीवी’ करार दिया और कहा कि कांग्रेस के एक परिवार से ही पार्टीवाले परेशान और दुखी हैं। कांग्रेस नेता जब अकेले में मिलते हैं, तो वे अपनी पीड़ा और अन्याय बयां करते हैं। आखिर एक ही ‘फेल्ड प्रॉडक्ट’ को कितनी बार लॉन्च किया जाएगा? इतनी लॉन्चिंग तो श्रीहरिकोटा में भी नहीं होती, जितनी कांग्रेस में एक ही आदमी की हुई है।

देश में आज तक किसी भी प्रधानमंत्री ने नेता प्रतिपक्ष के लिए ऐसे शब्दों का इस्तेमाल नहीं किया। राहुल गांधी का राजनीति को ‘अराजक’, ‘हंगामाखेज’ और ‘तोड़फोड़ वाली’ करार दिया जा रहा है। सवाल है कि यदि राहुल गांधी देश-विरोधी साजिशों और गतिविधियों में संलिप्त हैं, तो उन पर आपराधिक केस दर्ज कर उन्हें जेल में डाल देना चाहिए। कानूनी फैसला अदालत करेगी। अराजक राजनीति का एक उदाहरण इतिहास में दर्ज होगा, जब मार्च, 1974 में तत्कालीन ‘जनसंघ’ के युवा नेताओं-सुशील मोदी और रविशंकर प्रसाद-के नेतृत्व में बिहार के ‘राजभवन’ का घेराव करने की कोशिशें की गईं। मुख्यमंत्री के काफिले का घेराव किया गया, विधानसभा भवन में आग लगाने की कोशिश की गई, विधानसभा सचिव के आवास-दफ्तर का भी घेराव कर तोड़-फोड़ की गई। उस किस्म की राजनीति ने जन-जीवन को भी अस्त-व्यस्त किया। जयप्रकाश नारायण ने उन कोशिशों, कथित आंदोलन या विरोध-प्रदर्शन को ‘क्रांति’ मानने से इंकार कर दिया था। क्या वे सड़किया प्रदर्शन ‘अराजक’ नहीं थे? आज रविशंकर प्रसाद भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री हैं। सुशील मोदी ‘दिग्गंत’ हो चुके हैं। यदि वह राजनीति अराजक, हंगामेदार नहीं थी, तो कमोबेश राहुल गांधी भी करता रहा है। मोदी सरकार ने साढ़े 12 साल के कालखंड में उसे ‘भारत का दुश्मन’ करार क्यों नहीं दिया? उसके खिलाफ केस दर्ज कर कानूनी कार्रवाई शुरू क्यों नहीं की? भारत के एनजीओ को उसकी फंडिंग क्यों नहीं रोकी? क्यों प्रतिबंधित नहीं किया? देश-विरोधी साजिश, अंततः देशद्रोह होता है और उसका बाकायदा नया कानून भी मौजूद है। सरकार के खिलाफ विरोध-प्रदर्शन तो संवैधानिक अधिकार है। जन-सैलाब से परेशानी हो सकती है, लेकिन वह देश के खिलाफ विदेशी साजिश कैसे हो सकती है? जहनित के मसलों पर विरोध प्रशंनों की तो इजाजत होनी चाहिए।

आतिशबाजी, कानून और पर्यावरण का संतुलन

डॉ. सुधीर कुमार

तेजी से बढ़ते शहरीकरण, बदलते जनसांख्यिकीय स्वरूप और वायु गुणवत्ता सूचकांक के खतरनाक स्तर तक पहुंचने के कारण पटायों की गूंज खुशियों के बजाय स्वास्थ्य संबंधी संकट और पर्यावरणीय समस्याओं को बढ़ाने लगी है। उसव का यह उल्लास जब हवा में विषैले कणों का जहर घोलने लगे और रात के सत्राटे में शोर का स्तर मानक सीमा से परे चला जाए, तब मौलिक अधिकारों, सांस्कृतिक परंपराओं और राज्य के संवैधानिक दायित्वों के बीच एक गंभीर कानूनी व नैतिक द्वंद्व उत्पन्न होता है।
भारतीय संविधान का अनुच्छेद 21 प्रत्येक नागरिक को गरिमापूर्ण जीवन जीने और स्वच्छ व स्वस्थ पर्यावरण का मौलिक अधिकार प्रदान करता है। वर्ष 1991 के ऐतिहासिक वाद ‘सुभाष कुमार बनाम बेहार राज्य’ में उच्चतम न्यायालय ने स्पष्ट किया था कि जीने के अधिकार में प्रदूषण-मुक्त जल और वायु का अधिकार भी शामिल है। वहीं दूसरी ओर, संविधान का अनुच्छेद 25 नागरिकों को अंतःकरण की स्वतंत्रता और धर्म को मानने व आचरण करने की

स्वतंत्र मत

जबलपुर

नागरिकता की आत्मा है वोट का अधिकार

विश्वनाथ सचदेव

बहुत पुरानी बात है। आज से ठीक 132 साल पहले महात्मा गांधी ने आत्म-सम्मान का एक मतलब सिखाया था दुनिया को। दक्षिण अफ्रीका में थे तब गांधीजी। गोरों की नेटाल सरकार ने वहां बसे भारतीयों को मताधिकार से वंचित करने का एक कानून पारित किया था। गांधीजी ने इस कानून का विरोध किया। उन्होंने गौरी सरकार को एक पत्र लिखकर यह बताया कि ‘बिना वोट के अधिकार वाले भारतीय अपना आत्म-सम्मान खो बैठेंगे।’ गांधीजी ने पत्र में लिखा कि चुनाव एक घटना मात्र नहीं होते। चुनाव इस बात की गारंटी होते हैं कि सबसे कमजोर व्यक्ति का भी महत्व हो।

आसान नहीं था गोरों को यह बात समझाना, पर गांधी उन्हें यह समझाकर माने थे। इसके लिए गांधीजी ने अपना भारत लौटना ही स्थगित नहीं किया, नेटाल इंडियन कांग्रेस की स्थापना भी की। औपनिवेशिक सचिव लॉर्ड रिपन को दस हजार भारतीयों के हस्ताक्षर वाली एक याचिका भेजी गई, जिसमें 1894 के मताधिकार संशोधन विधेयक को वापस लेने की मांग की गई थी। और तब गौरी सरकार को गांधीजी की इस मांग को स्वीकार करना पड़ा था। यह विधेयक वापस ले लिया गया था। यह बात अलग है कि बाद में गोरों ने नई चाल चली। दो साल बाद फिर से विधेयक लाया गया। पर उसमें से भारतीय शब्द हटाकर गैर-यूरोपीय मूल के लोगों का मताधिकार समाप्त करने की बात कही गयी थी। लेकिन उससे इस बात का महत्व कम नहीं हो जाता कि 132 साल पहले गांधीजी ने दक्षिण अफ्रीका में मताधिकार के महत्व की लड़ाई लड़ी और जीती थी! यह गांधी के ‘सत्याग्रह’ के पहले की लड़ाई थी। यह एक संयोग ही है कि उस जीत के बाद आज गांधी के भारत में नागरिकों के मत देने के अधिकार को लड़ाई लड़ी जा रही है। नहीं, भारत सरकार ने मताधिकार वापस लेने का कोई कानून पारित नहीं किया है। थोड़ा अंतर है बात में। गांधी के भारत में आज नागरिक मताधिकार की लड़ाई अवश्य लड़ रहे हैं। यह लड़ाई भारत के चुनाव आयोग के साथ है।

बिहार, पश्चिम बंगाल जैसे कुछ राज्यों



में होने वाले चुनावों के दौरान हमारे चुनाव आयोग ने मतदाता सूची का एसआईआर यानी विशेष गहन पुनरीक्षण करने का निर्णय लिया और लगभग करोड़ों मतदाताओं के नाम सूची से हटा दिए गए। सूची में कटे नामों में ऐसे लाखों मतदाताओं के नाम भी थे, जो पिछले कई चुनावों में लगातार वोट देते आ रहे हैं! शोर मचा हुआ है। देश का मुख्य चुनाव आयुक्त सवालों के घेरे में हैं। मतदाता सूची के इस फेरबदल में लोगों को राजनीतिक बेईमानी नज़् आ रही है। विवाद सड़कों पर भी चल रहा है और न्यायालय में भी। बात उच्चतम न्यायालय तक पहुंच गई है। न्यायालय का क्या निर्णय है, यह तो आने वाला कल ही बताएगा, पर वोटों की इस कथित हेराफेरी ने देश को राजनीति में एक उबाल-सा ला दिया है। मुद्दा बहुत गंभीर है, इसमें कोई संदेह नहीं। वोट का अधिकार नागरिकता की आत्मा है। ऐसे में देश के लाखों लोगों का यह अधिकार छिन जाना संदेह तो उत्पन्न करता ही है। इसे हल्के में नहीं लिया जा सकता। पश्चिम बंगाल में हुए मतदान से ठीक पहले जब वोट का अधिकार छिन जाने वाले नागरिकों ने न्यायालय का दरवाज़ा खटखटाया तो उम्मीद की गयी थी कि न्यायालय से कुछ राहत मिलेगी।

तब उच्चतम न्यायालय के एक न्यायाधीश ने यह कहकर नागरिकों का

आक्रोश और बढ़ा दिया था कि जिनका

वोट देने का अधिकार इस बार छिन गया

है, वे अगले चुनाव में वोट दे लेंगे। पता नहीं न्यायाधीश ने क्या सोचकर यह बात कही थी, पर इससे लोगों का गुस्सा अवश्य बढ़ गया था। नागरिकों के मताधिकार को इतने हल्के में नहीं लिया जाना चाहिए। वोट देने का अधिकार नागरिकता का सार है। इसी के माध्यम से सामान्य नागरिक शासन में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करता है। हम न भूलें कि लोकतंत्र में नागरिक की राजनीतिक पहचान उसके वोट से ही पूरी होती है।

लोकतंत्र की ‘जनता की, जनता के द्वारा सरकार’ वाली परिभाषा भी तभी सार्थक होती है, जब वोट देने का नागरिक का अधिकार सुनिश्चित हो। नागरिक के मताधिकार को लेकर और चुनाव आयोग की संदेह में डालने वाली भूमिका के संदर्भ में आज यदि देश का युवा मतदाता आक्रोशित है तो इसे गंभीरता से समझने की आवश्यकता है। इसमें कोई संदेह नहीं कि ऐसे हर युद्दे को विपक्ष भुनाने की कोशिश करता है, और करेगा, लेकिन मतदाताओं के गुस्से को भी अनदेखा नहीं किया जा सकता।

देश के नागरिक को वोट देने का अधिकार आसानी से नहीं मिला है। इस अधिकार की रक्षा होनी ही चाहिए। भारत में वयस्क मताधिकार की अवधारणा आजादी की लड़ाई के दौरान ही हमारे नेताओं की समझ का हिस्सा बन चुकी थी। बाद में संविधान सभा में भी डॉक्टर आंबेडकर और अन्य कइयों ने इसे देश की बुनियादी व्यवस्था के रूप में

स्वीकारने पर जोर दिया था। डॉक्टर आंबेडकर ने संविधान सभा की एक बैठक में कहा था, ‘वयस्क मताधिकार एक न्यायाधीश, न्यायमूर्ति भुइयां, ने हाल ही में इस प्रक्रिया पर प्रश्नचिह्न लगाया है। चाहिए, ताकि यह बात भविष्य की सरकारों अथवा राजनीतिक बहुमत की इच्छा पर निर्भर न रहे।’ वोट देने का अधिकार यह सुनिश्चित करता है कि देश का हर नागरिक समान है। इस अधिकार की रक्षा हर कीमत पर होनी चाहिए। आज देश में जो हताशा सड़कों पर दिखाई दे रही है, यह एक तरह से जनतंत्र की भावना की रक्षा की लड़ाई है। गांधी ने दक्षिण अफ्रीका में भारतीयों के वोट के अधिकार की रक्षा की लड़ाई लड़ी थी। उन्होंने इसे आत्म-सम्मान की रक्षा की लड़ाई बताया था।

उसी आत्म-सम्मान का तकाज़ा है कि हम अपने नेताओं से यह पुछें कि क्या उनके राजनीतिक स्वार्थ नागरिकों के जनतांत्रिक अधिकारों से अधिक महत्वपूर्ण हैं? चुनाव आयोग से भी यह पूछा जाना चाहिए कि यदि आज

इस कार्यवाही की मांग कर रहे हैं तो इसे संविधान की भावना की रक्षा के प्रयास के रूप में ही समझा जाना चाहिए।

क्यों नहीं घर का, घाट का

किन्हीं सज्जन की एक फेसबुक पोस्ट पर टि्वटर और फेसबुक पर बड़ी रोचक चर्चा हुई। यानी पहले फेसबुक पर पोस्ट डाली गई, फिर उसी पर इस सोशल मीडिया मंच के अलावा एक्स पर भी चर्चा हुई, जिसमें कहा गया है कि ‘धोबी का कुत्ता घर का न घाट का’ कहावत में कुत्ता नहीं, ‘कुतका’ का प्रयोग सही है। यह लोकोक्ति सदियों से ब्रजभाषा, अवधी, भोजपुरी, बुंदेली, नेपाली, कुमाऊंजी सहित अनेक अन्य भाषाओं में बहुत पहले से उपस्थित है। इसकी विवेचना करें, तो 15वीं सदी के संत कवि गोस्वामी तुलसीदास द्वारा रचित कवितावली में इसका प्रयोग मिलता है। इसका आशय ऐसे व्यक्ति से है, जो एक ठिकाने पर जमकर कोई काम नहीं करता। बेकार उधर फिरने वाला। यानी, अगर कहें तो निकम्मा आदमी। कहावत में कुत्ता घर का इसलिए नहीं है, क्योंकि आमतौर पर कुत्ते का काम घर की रखवाली करना होता है। जब वह घाट पर जाएगा, तो रखवाली की नहीं करेगा? घाट का इसलिए नहीं कि वहां उसके करने का कोई काम नहीं और आखिर वहां से भी धोबी के साथ लौट ही आएगा। इस लोकोक्ति का एक छोटा रूप भी हिंदी में चलता है-‘घर का न घाट का’। अंग्रेजी में इसके समकक्ष कहावत है-‘ कुतका ’। हिंदी में एक बैटनुमा मोटा डंडा या सोंढा है, जो कपड़े को धोने के दौरान पीटने के काम आता है। इसके और भी अर्थ हैं, किंतु धोबी का खूंटा नहीं। पंजाबी में कुतका को थापी या मोंगरी और कुमाऊंजी में मुंगरा/मुंगर भी कहा जाता है। सिख इतिहास में उल्लेख मिलता है कि यह लड़ाई के काम भी आता था और सुना है कि उन्हें आज भी धरोहर की भांति संभालकर रखा गया है। ब्रज-बुंदेलखंडी में कुतका ठेंगे के लिए प्रयोग किया जाता है। ‘ये ले ठेंगा मेख’ के लिए ‘कुतका लै लै मेओ’ कहा जाता है। कुमाऊंजी में ‘कुतक्यूण’ का मूल अर्थ गुदगुदी करना है। इसका संबंध भी ब्रज/बुंदेली के कुतका से लगता है, क्योंकि कुतकुती अंगुठे और उंगलियों से कोमल अंगों में दी जाती है। लाक्षणिक प्रयोग के रूप में कुतक्यूण पीटाई करने के अर्थ में है, वैसे ही जैसे सिकाई करना, पूजा करना। ठेंगा के लिए कुमाऊंजी में ‘घुत्ता’ है। यह भी कुतका से हो सकता है। कुतका और इससे संबंधित देसज शब्दों के अर्थ और इनके इस्तेमाल को लेकर भी कई तरह की बातें हैं। वैसे तो हर शब्द का एक अर्थ होता है और उस अर्थ तथा शब्द की उत्पत्ति को लेकर भी कई कहानियां होती हैं। वैसे, यहां जो शब्द है- ‘घर का न घाट का’- उसके इस्तेमाल पर भी कई बार विवेचनाएं हो चुकी हैं।

— सुरेश पंत

यू-टर्न चौराहे पर सरपट दौड़ते ट्रंप

वाशिंगटन में ट्रंप साहब का यू-टर्न अब इतना नियमित है कि वहां ट्रैफ़िक वालों ने स्थायी ‘घुमाव बिंदु’ बनवा दिया है। पहले ट्रंप रूसी तेल के दुश्मन थे और अब दोस्त हो गये हैं। चुनाव सामने हैं। डीज़ल महंगा है, और ट्रंप के मुताबिक पुतिन साहब ने डीज़ल का वादा थमा दिया है। यानी जिस तेल से पुतिन की जंग चलती है, उसी से अमेरिकी वोटर की गाड़ी चलेगी। विदेश मंत्री रूबियो कहते हैं कि साठ दिन ‘अध्ययन’ होगा। अध्ययन का नतीजा आने से पहले क्रेमलिन के दूत ने इसे ‘ऐतिहासिक क्षण’ घोषित कर दिया। भारत ने राहत की सांस ली, क्योंकि सौ फीसदी टैरिफ़ फ़िलहाल टल गया। फ़िलहाल, यानी जब तक अगला यू-टर्न न आ जाए। ट्रंप यू-टर्न के उस्ताद हैं। आखिर चुनाव में मतदाता विचारधारा का भाषण सुनने से पहले पेट्रोल पंप का बिल देखता है। जेलेंस्की के यूक्रेन में बिजली गुल थी, अब वाशिंगटन में प्रतिबंध गुल। कीव के लिए अमेरिकी वादा वैसा ही है जैसे दिल्ली की हवा का ‘संतोषजनक’ श्रेणी में आना- पोस्टर में दिखता है, फेफड़ों में नहीं। धोखा बाक़ायदा लिखित है, बस उस पर छूट की मुहर लगी है। जेलेंस्की हर मुलाकात में उम्मीद लेकर जाते हैं और लौटते हुए ‘गहरी चिंता’ की रसीद लेकर आते हैं। पाकिस्तान और तालिबान की सरख़द पर इस महीने कई बार गोले चले, एक बार तो चार चट्टे लगातार। इस्लामाबाद का दावा है कि उसने तालिबान की चौकियां उड़ा दीं; काबुल का दावा उलटा है। असलियत यह है कि जिन्हें पाकिस्तान कभी ‘रणनीतिक गहराई’ कहकर पालता रहा, वही आज गहराई में उतरकर हिसाब मांग रहे हैं। पाकिस्तानी प्रेस नोट रोज़ ‘दुश्मन के कई ठिकाने तबाह’ लिखता है। इतने ठिकाने तबाह हो चुके कि तालिबान के पास अब ठिकाने कम और बयान ज़्यादा बचे होंगे। सीमा के दरवाज़े बंद हैं, यानी व्यापार बंद, गोलाबारी चालू। जिसे दूसरों के आंगन में आग लगाने की आदत हो, उसकी पूंछ भी दर-सबरे अपने ही आंगन में सुलगती है। ट्रंप तेल बेचने वाले को छूट देते हैं, पाकिस्तान पड़ोसी पर तोहमत जड़ता है, दिल्ली पारली पर ठीकरा फोड़ती है। हर कोई दूसरे की चौकी उड़ाने की बात करता है, अपना धुआं किसी को नहीं दिखता।

— आलोक पुराणिक

आदिवासियों के साथ–साथ जंगल संस्कृति पर भी खतरा

पंकज चतुर्वेदी
ओडिशा में गत माह विधानसभा में जब राज्य के वन एवं पर्यावरण मंत्री ने लिखित सवाल के जवाब में आंकड़ा पेश किया कि 2023–24 से 2025–26 के बीच राज्य में कुल 256 जंगली हाथियों की मौत हो चुकी है, तो सदन में सन्नाटा छा गया। इनमें से 13 हाथियों को शिकारियों ने सीधे मार गिराया, जबकि बाकी भोजन-पानी की कमी, बीमारी और मानव-हाथी संघर्ष का शिकार बने।
राज्य में भाजपा की सरकार आने के बाद हाथियों की मौत ने केवल एक लुप्त हो रही प्रजाति पर संकट है, बल्कि यह उजड़ते जंगलों और जंगल पर निर्भर आदिवासियों के अस्तित्व का भी प्रश्न बनता जा रहा है। इसी सवाल का जवाब कुछ महीने पहले कंधमाल जिले में मिला था। बालिगुडा वन प्रभाग में एक हाथी

की करंट लगने से संदिग्ध मौत हुई। विभागीय कार्रवाई और जांच से बचने के लिए वन अधिकारियों ने बिना किसी उच्च अधिकारी को सूचित किए शव को टुकड़ों में काटकर कंधमाल और कालाहांडी के अलग-अलग हिस्सों में दफना दिया। जिस विभाग की जिम्मेदारी हाथियों को बचाना है, वही उनकी मौत के सबूत मिटाने में जुट जाए, तो समझ आता है कि संकट सिर्फ जंगल में भोजन की कमी का नहीं, बल्कि तंत्र की नोपत का भी है।

इस सिलसिले में तीन कारण नज़् आते हैं। पहला, जंगल में प्राकृतिक भोजन और पानी की लगातार घटती उपलब्धता है। हाथी मजबूरन खेतों और बस्तियों की ओर रुख करते हैं और वहीं टकराव में या ज़हरीले पदार्थों की चपेट में आकर जान गंवाते हैं। दूसरा, खनिज संपदा से भरपूर ओडिशा के जंगलों में खनन के लिए होने वाले लगातार धमाके हैं, जो न सिर्फ हाथियों के सदियों पुराने आवागमन गलियारों को तोड़ते हैं, बल्कि उनकी सुनने की क्षमता और सामान्य व्यवहार को भी बिगाड़ देते हैं। इससे भ्रमित झुंड अनजान इलाकों में भटककर



मुसीबत में फंसेते हैं। तीसरा, सघन जंगलों का लगातार सिकुड़ना-चाहे वह विकास परियोजनाओं की वजह से हो, अवैध कटाई से या अतिक्रमण से-जिसने हाथियों के परंपरागत विचरण क्षेत्र को टुकड़ों में बांट दिया है।

इन्हीं कारणों के चलते ओडिशा के गुर्खेल और भूखे हाथी अब पड़ोसी राज्यों का रुख करने लगे

हैं। हाल ही में झारखंड के चंपुआ वन क्षेत्र में हाथी के हमले में एक किसान की जान गई। वहीं, छत्तीसगढ़ के जशपुर जिले में जान बचाकर भाग रही एक बुजुर्ग महिला को हाथी ने पटककर मार डाला। यानी यह संकट अब पूरे मध्य-पूर्वी भारत की समस्या बन चुका है। ओडिशा के जिन जिलों में हाथियों की मौतें सबसे ज़्यादा

हो रही हैं-क्योंझर, ढेंकानाल, कंधमाल, कालाहांडी-संबलपुर-ये सभी आदिवासी-बहुल क्षेत्र हैं, जहां जंगल सिर्फ पर्यावरण का हिस्सा नहीं, बल्कि आदिवासी समाज की पूरी जीवन-पद्धति की रीढ़ है। सदियों से आदिवासी समुदाय जंगल पर ही जलाऊ लकड़ी, वनोपज, दवा-जड़ी-बूटियां और आजीविका के लिए

निर्भर रहे हैं। वहीं, हाथी को इन समुदायों की लोक-परंपरा और मान्यताओं में देवत्व तथा समृद्धि का प्रतीक माना जाता रहा है। अब जब खनन के लिए वही जंगल उजाड़े जाते हैं तो सबसे पहली गहरी चोट आदिवासी समुदायों पर ही पड़ती है। उनकी ज़मीन और आजीविका के साधन खत्म होते हैं। साथ ही, हाथियों के भटकते झुंड उन्हीं की बस्तियों में घुसकर तबाही मचाते हैं। यानी जंगल के उजड़ने की कीमत आदिवासी समाज दोहरी चुका रहा है-एक तरफ अपनी परंपरागत जीवशैली और संसाधनों की, और दूसरी तरफ हाथियों के हमलों में अपनी जान और घर-बार की। हाथी और जंगल का संरक्षण सिर्फ वन्यजीव सुरक्षा का मसला नहीं, बल्कि ओडिशा के लाखों आदिवासियों के अस्तित्व और सम्मान से जुड़ा सवाल है।

सरकार की तरफ से एंटी-पोचिंग कैंप, वन्यजीव गलियारों

की सुरक्षा और जन-जागरूकता अभियान जैसे दावे दोहराए जाते हैं, लेकिन ज़मीनी हकीकत कुछ और है। जिन अधिकारियों को हाथियों की जान बचाने का दायित्व है, वही मौत के मामलों को छिपाने में लग जाते हैं। न खनन क्षेत्रों में विस्फोटों की नियंत्रित करने की कोई ठोस नीति है और न ही अवैध बिजली फेंसिंग पर सख्त कार्रवाई होती है। हर घटना के बाद जांच के आदेश ज़रू्र दिए जाते हैं, लेकिन मूल समस्या जस की तस बनी रहती है। हालिया घटना से, दरअसल, नुकसान सिर्फ हाथियों तक सीमित नहीं है। जंगल और वस्ती, दोनों तरफ लगातार खून् बह रहा है। हाथी जंगल के पारिस्थितिकी तंत्र में बीज फैलाव और वन पुनर्जनन की अहम भूमिका निभाते रहे हैं, इसलिए उनकी लगातार होती मौतें सिर्फ एक प्रजाति का संकट नहीं, बल्कि पूरे जंगल के भविष्य पर मंडराता खतरा है।

पायलट स्मित यूएई में सम्मानित



अबू धाबी। यूएई ने फ्लाइटदुबई की फ्लाइट को क्रैश से बचाने वाले भारतीय पायलट कैप्टन स्मित मच्छर को ‘जायद 2– फर्सट क्लास’ से सम्मानित किया। इस दौरान यूएई के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान ने मच्छर को गले लगाया। दुबई के क्राउन प्रिंस शेख हमदान ने स्मित को अपने देश की पहचान बताया। जायद–2, यूएई के सबसे बड़े सम्मानों में से एक है। फ्लाइटदुबई फ्लाइट के पायलट मच्छर ने 30 सितंबर को प्लेन क्रैश कराने की कोशिश नाकाम कर दी थी। यह प्लेन दुबई से तेल अवीव जा रही था। इस दौरान को–पायलट ने उन पर हमला कर दिया था। राष्ट्रपति बिन जायद ने फ्लाइट के कू के सदस्यों को भी सम्मानित किया। इस दौरान यूएई के उपराष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और दुबई के शासक शेख मोहम्मद बिन राशद अल मकतूम भी मौजूद थे। यूएई के नेताओं ने कैप्टन मच्छर और कू के सदस्यों की हिम्मत और जिम्मेदारी की तारीफ की।

सोमालिया में आतंकी हमले में 20 सैनिकों की मौत

मोगादिशु। सोमालिया में एक बड़ा आतंकी हमला हुआ है। इस्लामी चरमपंथी लड़ाकों ने घात लगाकर किए गए हमले में सोमालिया के कम से कम 20 सैनिकों को मार डाला। हमले में बचे एक सैन्य अधिकारी ने यह जानकारी दी। वहीं, सरकार ने सैन्य वाहनों को नुकसान पहुंचने की बात तो मानी, लेकिन आधिकारिक तौर पर सैनिकों के हताहत होने के बारे में कुछ नहीं बताया। अल-कायदा से जुड़े अल-शबाब समूह ने, जो लगभग दो दशकों से सोमालिया की सरकार के खिलाफ लड़ रहा है, दक्षिणी सोमालिया की जमीनी का गंव के पास सोमवार को हुए इस हमले की जिम्मेदारी ली है।

ब्रिटेन के पहले बजट पर टिकी दुनिया की नजरें

लंदन। ब्रिटेन के वित्त मंत्री जॉन हेली बुधवार को नई सरकार का पहला बजट पेश करेंगे। ईरान युद्ध के कारण बढ़ती मंहगाई और ऊर्जा आपूर्ति में बाधाओं ने उनके सामने चुनौती बढ़ा दी है। उन्हें एक ओर आम लोगों को महंगाई से राहत देनी है, तो दूसरी ओर सरकारी कर्ज और खर्च पर नियंत्रण भी बनाए रखना है। जुलाई में पंडी बर्नहम के प्रधानमंत्री बनने के बाद हेली को वित्त मंत्री नियुक्त किया गया था। संसद के निचले सदन हाउस ऑफ कॉमन्स में बजट पेश करते समय उनके सामने सरकार की प्राथमिकताओं और सीमित वित्तीय संसाधनों के बीच संतुलन बनाने की चुनौती होगी।

अमेरिकी चुनाव आयोग की वेबसाइट पर साइबर हमला

वाशिंगटन। अमेरिका में मध्यावधि चुनाव से पहले चुनाव आयोग की वेबसाइट पर साइबर हमला हुआ है। इससे चुनावी चंदे और खर्च का ब्योरा दर्ज करने वाला इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम प्रभावित हो गया। रॉयटर्स को मिले एक ईमेल के मुताबिक, हैकर या हैकर्स ने अमेरिकी संघीय चुनाव आयोग (एफईसी) के सिस्टम में संध लगाने की कोशिश की। इसके बाद आयोग को अपनी ऑनलाइन सेवाएं अस्थायी रूप से बंद करनी पड़ीं। यह घटना तीन नवंबर को होने वाले मध्यावधि चुनाव से करीब एक सप्ताह पहले हुई है। इन चुनावों से तय होगा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की रिपब्लिकन पार्टी अगले दो साल तक अमेरिकी संसद में अपना बहुमत बनाए रख पाएगी या नहीं। एफईसी ने बयान में कहा, इस समय आयोग का इलेक्ट्रॉनिक फाइलिंग सिस्टम बंद है और हमारी आईटी टीम सेवा बहाल करने के लिए सक्रिय रूप से काम कर रही है। आयोग की वेबसाइट पर पुराने चुनावी खर्च की रिपोर्ट अब भी देखी जा सकती हैं। आयोग के एक अधिकारी ने चुनावी नियमों का पालन कराने वाली कंपनियों को भेजे ईमेल में कहा कि एफईसी के सिस्टम में संध लगाने की कोशिश की जा रही थी।

बिग बॉस 20 : सांसे बंद हो रही हैं

रियलिटी शो बिग बॉस 20 में इन दिनों काफी हाई वोल्टेज ड्रामा देखने को मिल रहा है। एक तरह लव और स्काउट के बीच दूरियां आ गई हैं, तो दूसरी तरफ बाकी कंटेस्टेंट्स भी एक-दूसरे से लड़ते दिख रहे हैं। अब



हाल ही में शो में नॉमिनेशन टास्क हुआ, जहां स्काउट ने लव को नॉमिनेट कर दिया। इसके बाद अभिनेत्री टूट गई और फूट–फूटकर रोने लगीं। हाल ही में नॉमिनेशन टास्क का एक प्रोमो सामने आया, जिसमें स्काउट ने लव का नाम लेते हुए कहा कि जो अभी हालिया चीजें हुई हैं, उसकी वजह से मैं चीजों को आगे नहीं ले जाना चाहता और फ्रेश स्टार्ट करना चाहता हूं। इसके बाद लव आई रोने लग गई। अभिनेत्री ने रोते हुए कहा, मेरी जितने भी कोशिशें थी, सब रियल थी कुछ भी कोशिशें थी, सब रियल थी कुछ भी फेक नहीं था। फिर लव काश्वी की बोली हुई बातों को दोहराती हैं कि ट्रैप बिछाया है, ये मैं नहीं रख पा रही थी अपने अंदर। सो नहीं रही हूं मैं रात को.. सांसे बंद हो रही है मेरी। क्या करूं मैं, यहां मुझे कोई भी जगह अकेले नहीं मिल रही है। वो बोल रहा है बात मत कर, मूव ऑन कर। मैंने 40–50 दिन निकाले हैं और आप बोल रहे हो बात मत कर। एक–दो दिन तो दो बार तुम लोग, मैं रोबोट नहीं हूं। बीते वीकेंड का वार के बाद से ही लव गिल और स्काउट के बीच दूरियां देखने को मिल रही हैं। दरअसल, बीते हफ्ते रोहित शेट्टी ने दोनों की जमकर क्लास लगाई थी। साथ ही उन्हें यह भी बताया कि जो वह कर रहे हैं, वो बाहर अच्छा नहीं लग रहा। इसके बाद शो में स्काउट की गलफ़ेंड काश्वी आई और उन्होंने लव को काफी कुछ सुनाया था। बता दें कि इस हफ्ते घर से बेघर होने के लिए छह लोग नॉमिनेट हुए हैं, जिसमें लव गिल, गुब्बू, कनिका मान, स्काउट ओपी, आसिफ खान और आम्प्राली का नाम शामिल है।

अमेरिका-ईरान युद्ध की लागत बढ़कर 47.1 अरब डॉलर: सेंटकॉम

वाशिंगटन (वार्ता)।

अमेरिका की मध्य कमान (सेंटकॉम) ने अनुमान लगाया है कि अक्टूबर के मध्य तक ईरान के खिलाफ अमेरिकी युद्ध की लागत कम से कम 47.1 अरब डॉलर तक पहुंच चुकी है।

सेंटकॉम द्वारा अमेरिकी सांसदों को दिए गए एक अनुमान के अनुसार, इस खर्च का एक बड़ा हिस्सा इस्तेमाल हो चुके हथियारों एवं गोला-बारूद की भरपाई करने में हुआ है।

सितंबर की लागत में तीन अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक की वृद्धि हुई है, क्योंकि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अमेरिकी मध्यावधि चुनावों के बाद ईरान के खिलाफ हमले करने पर विचार कर रहे हैं। सोलह अक्टूबर के अनुमान के अनुसार, गोला-बारूद

की लागत लगभग 29 अरब अमेरिकी डॉलर है, जबकि खोए हुए सैन्य उपकरणों को बदलने के लिए 6.1 अरब अमेरिकी डॉलर आवंटित किए गए हैं। अमेरिकी मीडिया की रिपोर्टों के अनुसार, सैन्य अभियानों से जुड़े अतिरिक्त खर्चों के लिए लगभग 11.9 अरब अमेरिकी डॉलर निर्धारित किए गए हैं।

इस अनुमान में पश्चिम एशिया में स्थित अमेरिकी सैन्य ठिकानों को हुए नुकसान की मरम्मत का खर्च शामिल नहीं है; इनमें से कई ठिकानों को ईरानी ड्रोन और मिसाइलों द्वारा निशाना बनाया गया है।

यह नया आंकड़ा सितंबर की शुरुआत में पेंटागन के लगभग 43.6 अरब अमेरिकी डॉलर के पिछले अनुमान से अधिक है।

रक्षा सचिव पीट हेगसेथ ने तीन महीने पहले अमेरिकी ठिकानों को

अमेरिकी राजनयिक पर हमले के प्रयास के बाद क्यूबाई राजनयिक को अमेरिका करेगा निष्कासित

वाशिंगटन (वार्ता)। संयुक्त राष्ट्र में अमेरिकी राजदूत माइक वाल्ट्ज ने कहा है कि अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबीओ ने एक क्यूबाई राजनयिक को देश से बाहर निकालने के लिए आवश्यक दस्तावेजों पर हस्ताक्षर कर दिए हैं। इस क्यूबाई राजनयिक पर अमेरिकी राजनयिक अधिकारी को धक्का देने और शारीरिक रूप से हमला करने का प्रयास करने का आरोप है। यह झड़प संयुक्त राष्ट्र में हुई और इसके बाद अमेरिका ने क्यूबाई राजनयिक रिचर्ड टुर डे ला कॉन्सेप्सियन को निष्कासित करने का फैसला लिया। यह विवाद मंगलवार को तब शुरू हुआ, जब क्यूबाई विदेश मंत्री ब्रूनो रोड्रिगेज पारिला, जब श्री वाल्ट्ज की भ्रष्ट क्यूबाई कुलीन वर्ग के संबंध में की गई टिप्पणियों के दौरान भड़क गए और अमेरिकी राजदूत पर बेईमानी का आरोप लगाया। यह विवाद तब और बढ़ गया, जब क्यूबाई और अमेरिकी राजनयिक प्रतिनिधि आपस में उलझ गए। क्यूबा के संयुक्त राष्ट्र प्रतिनिधिमंडल के प्रथम सचिव श्री रिचर्ड ने श्री वाल्ट्ज के प्रवक्ता जेपी फ्रेयर की तरफ बढ़ते हुए उस आईफोन को छीनने का प्रयास



किया जिसका उपयोग श्री फ्रेयर इस घटना को रिकॉर्ड करने के लिए कर रहे थे। मंगलवार शाम फॉक्स न्यूज पर एक साक्षात्कार के दौरान, श्री वाल्ट्ज ने खुलासा किया कि श्री रुबियो ने श्री रिचर्ड को अमेरिका से हटाने की औपचारिकताएं पूरी कर ली हैं। श्री वाल्ट्ज ने कहा कि वह जा चुके हैं और अगले 24 घंटों के भीतर हवाना जाने वाले विमान में होंगे। राजदूत वाल्ट्ज ने कॉन्सेप्सियन पर अमेरिकी राजनयिक कोर के एक सदस्य को धक्का देने और शारीरिक रूप से हमला करने की कोशिश करने का गंभीर आरोप लगाया है। श्री वाल्ट्ज ने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि संयुक्त राज्य अमेरिका में किसी अमेरिकी पर



हुए नुकसान को छोड़कर, इसकी लागत लगभग 37.5 अरब अमेरिकी डॉलर बताई थी।

कांग्रेसनल बजट ऑफिस (सीबीओ) ने पिछले महीने कहा था कि यह संघर्ष जारी रहने तक हर महीने दो से तीन अरब अमेरिकी डॉलर का खर्च बढ़ा सकता है। इसका एक प्रमुख कारण ईरान के हमलों से

भारत–जापान नौसैनिक जहाज निर्माण में बढ़ाएंगे सहयोग

नई दिल्ली (वार्ता)।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और जापान के रक्षा मंत्री शिंजिरी कोइजुमी ने बुधवार को को फिलीपींस के सेबू में आसियान रक्षा मंत्रियों की 13वीं बैठक (एडीएमएम–प्लस) से इतर मुलाकात की। रक्षा मंत्रालय ने बताया कि दोनों नेताओं ने भारत और जापान के बीच रक्षा सहयोग की प्रगति की समीक्षा की। इस दौरान समुद्री सुरक्षा, नौसैनिक जहाजों के डिजाइन और निर्माण में संभावित संयुक्त विकास तथा वायुसेनाओं के बीच सहयोग बढ़ाने पर चर्चा हुई। दोनों पक्षों ने इस साल के अंत में टोयोता में विदेश और रक्षा



मंत्रियों की चौथी टू प्लस टू बैठक और रक्षा मंत्रियों की बैठक आयोजित करने की दिशा में बातचीत तेज करने पर भी सहमति जताई। दोनों मंत्रियों ने अगस्त में हुई पिछली मुलाकात के बाद

द्विपक्षीय रक्षा सहयोग में प्रगति का स्वागत किया। समुद्री सुरक्षा के क्षेत्र में दोनों देशों की रणनीतिक और परिचालन जरूरतों के अनुरूप सहयोग बढ़ाने पर चर्चा हुई।

केंद्रीय कर्मचारियों और पेंशन भोगियों का महंगाई भत्ता 3 प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली। सरकार ने दिवाली से ठीक पहले केंद्रीय कर्मचारियों और पेंशन भोगियों को तोहफा देते हुए महंगाई भत्ता और महंगाई राहत में तीन प्रतिशत की बढ़ोतरी को मंजूरी दी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में बुधवार को हुई केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में यह फैसला लिया गया। बढ़ी हुई दरें गत एक जुलाई से लागू होंगी। सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मंत्रिमंडल की बैठक के बाद संवाददाता सम्मेलन में बताया कि इस निर्णय के अंतर्गत केंद्रीय कर्मचारियों के महंगाई भत्ते और पेंशनभोगियों की महंगाई राहत दर में तीन प्रतिशत की बढ़ोतरी की गई है। अभी यह दर मूल वेतन और पेंशन की 60 प्रतिशत है। बढ़ोतरी के बाद यह 63 प्रतिशत हो जाएगी। श्री वैष्णव ने कहा कि इस फैसले से करीब 48.54 लाख केंद्रीय कर्मचारियों और 68.71 लाख पेंशन भोगियों को फायदा होगा। महंगाई भत्ते और महंगाई राहत में बढ़ोतरी से सरकारी खजाने पर हर साल 10,016.10 करोड़ रुपये का अतिरिक्त खर्च आएगा। सरकार ने बताया कि यह बढ़ोतरी सातवें केंद्रीय वेतन आयोग की सिफारिशों के आधार पर तय कर्मचौमूले के अनुसार की गई है। इसका उद्देश्य बढ़ती कीमतों के असर को भरपाई करना है।

इजरायल चुनाव में नेतन्याहू और आइसेनकोट को बहुमत न मिलने से अरब-नेतृत्व वाली पार्टियां बनेंगी किंगमेकर

तेल अवीव (वार्ता)।

इजरायल में बुधवार को आए आंशिक चुनाव परिणामों में प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू का गुट आगे चल रहा है लेकिन वह संसदीय बहुमत से पीछे दिख रहा है। इससे देश का राजनैतिक भविष्य अनिश्चित हो गया है जबकि विपक्षी दल अपने विकल्पों पर विचार कर रहे हैं।

केंद्रीय चुनाव समिति द्वारा जारी आंशिक नतीजों के अनुसार, लगभग 55 प्रतिशत वोटों की गिनती के बाद, 120 सदस्यों वाली नेसेट (संसद) में नेतन्याहू गुट के पास 56 सीटें हैं। मीडिया के अनुमानों के अनुसार, पूर्व

सैन्य प्रमुख गदी आइसेनकोट के नेतृत्व वाले विपक्षी गठबंधन को 49 सीटें मिलने का अनुमान है, जबकि अरब पार्टियों को 16 सीटें मिल सकती हैं। अगर विपक्षी नेता सहयोग करने के लिए तैयार हों तो अरब–नेतृत्व वाली पार्टियां किंगमेकर बन सकती हैं। इन दो अरब पार्टियों के पिछले किसी भी चुनाव के मुकाबले ज्यादा सीटें जीतने का अनुमान है। ऐसा अरब नागरिकों के मतदान में भारी उछाल के कारण हो रहा है। ये नागरिक इजरायल की कुल आबादी का लगभग पांचवां हिस्सा हैं और अक्सर इजरायल के फिलिस्तीनी नागरिक के रूप में पहचाने जाते हैं।

इजरायल के प्रमुख टेलीविजन नेटवर्कों के एंग्रिट पोल से संकेत मिला है कि अधिकतर मतदाताओं ने श्री नेतन्याहू के गठबंधन का विरोध करने वाली पार्टियों का समर्थन किया है, हालांकि उनकी लिक्वु पार्टी सबसे बड़ी एकल पार्टी बनी हुई है। न तो नेतन्याहू गुट और न ही विपक्ष के पास सरकार बनाने के लिए जरूरी 61 सीटों तक पहुंचने का कोई स्पष्ट रास्ता नजर आ रहा है। श्री नेतन्याहू का मौजूदा गठबंधन, जिसमें कट्टर राष्ट्रवादी और कट्टर रूढ़िवादी यहूदी पार्टियां शामिल हैं, पिछली संसद में प्राप्त 68 सीटों के मुकाबले कमजोर होता दिख रहा है। सरकार बनाने के

लिए जरूरी बहुमत जुटाने के लिए श्री नेतन्याहू और श्री आइसेनकोट दोनों को ही कठिन समझीते का सामना करना पड़ सकता है। यह परिणाम ऐसे समय में आया है, जब अरब समुदायों के बीच, अपराध और हिंसा को लेकर कट्टर–दक्षिणपंथी सरकार के कामकाज को लेकर काफी असंतोष है। स्थानीय मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, श्री नेतन्याहू और विपक्ष के कई नेताओं ने सरकार बनाने के लिए अरब पार्टियों पर निर्भर न रहने का वादा किया है। उनका तर्क है कि अरब पार्टियों की भागीदारी से राष्ट्रीय सुरक्षा और क्षेत्रीय संघर्षों को लेकर इज़रायल के रुख पर असर पड़

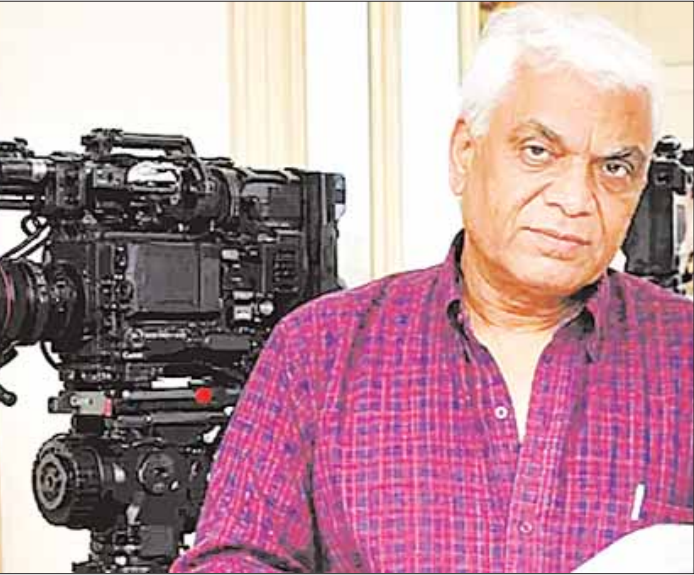
सकता है। अगर विपक्ष के नेता अपना रुख बदल लेते हैं, तो वे सरकार बना सकते हैं और श्री नेतन्याहू के कार्यकाल को खत्म कर सकते हैं। अरब सांसदों के साथ सहयोग को लेकर लेकिन विपक्ष के भीतर मौजूद मतभेद, सत्ता में आने की श्री आइसेनकोट की कोशिशों को मुश्किल बना सकते हैं। सात अक्टूबर, 2023 को हमास के नेतृत्व में हुए हमलों के बाद से इजरायल में यह पहला चुनाव है। इन हमलों ने सुरक्षा की बड़ी खामियों को उजागर कर दिया था और एक ऐसा क्षेत्रीय संघर्ष छेड़ दिया, जिसकी चपेट में गाज़ा, लेबनान और सीरिया भी आ

गए। इजरायल ने ईरान के साथ भी सीधे टकराव के दो दौर देखे हैं, जबकि श्री नेतन्याहू ने और ज्यादा सैन्य कार्रवाई की वकालत की है। लेबनान और ईरान समेत कई मोर्चों पर लगभग तीन साल तक चले युद्ध के बाद, इस चुनाव प्रचार में सुरक्षा और देश की भविष्य की दिशा सबसे अहम मुद्दे रहे हैं। श्री नेतन्याहू ने तर्क दिया कि उनकी सरकार को अपने सैन्य लक्ष्यों को हासिल करने और इजरायल के विरोधियों पर दबाव बनाए रखने के लिए और समय चाहिए। आने वाले दिनों में जैसे–जैसे वोटों की गिनती होगी, सीटों के अंतिम अनुमान बदल सकते हैं।

फिल्म/टीवी मनोरंजन

बीपी सिंह : जिंदगी का सबसे बड़ा अध्याय खत्म

टीवी के मशहूर धारावाहिक आहत और सीआईडी बनाने वाले फिल्ममेकर और बीपी सिंह ने दुनिया को अलविदा कह दिया है। उनके जाने से टीवी इंडस्ट्री में शोक की लहर है। सीआईडी में एसीपी प्रद्युमन का किरदार निभाकर घर–घर में पहचान बनाने वाले अभिनेता शिवाजी साटम ने भी बीपी सिंह को याद किया। बीपी सिंह को याद करते हुए शिवाजी ने कहा, मेरे जीवन का सबसे बड़ा अध्याय आज खत्म हो गया है। वह एक महान ईसान और बहुत अच्छे दोस्त थे। मैंने उनसे सब कुछ सीखा। मैं थिएटर से आया था। मुझे मंच पर अभिनय करना आता था। लेकिन बीपी सिंह ने मुझे सिखाया कि कैमरे के सामने कैसे अभिनय करना है और जरूरत पड़ने पर अपने अभिनय को बड़ा और प्रभावशाली कैसे बनाना है। वह एक शानदार शिक्षक थे। वह मेरी जिंदगी के हर दौर में मेरे साथ थे। हमारे रिश्ते को किसी एक चीज तक सीमित नहीं किया जा सकता। शिवाजी साटम ने बीपी सिंह के काम के प्रति उनके समर्पण के बारे में भी बात की। उन्होंने बताया कि दिल की सर्जरी के महज तीन महीने बाद ही बीपी सिंह सेट पर लौट आए थे। शिवाजी के मुताबिक, सर्जरी के तीन महीने बाद बीपी सिंह अपने शो के एक



पीछा करने वाले सीन को फिल्माने के लिए कैमरा लेकर जंगल में दौड़ पड़े थे। इससे उनके काम के प्रति लगाव का पता चलता है। अभिनेता ने यह भी बताया कि एक और सर्जरी के बाद बीपी सिंह ने 111 मिनट का एक एपिसोड बिना किसी कट के एक ही बार में शूट किया था। उनके मुताबिक, यह काम के प्रति बीपी सिंह की लगन और

मेहनत को दिखाता है। बातचीत के दौरान शिवाजी साटम ने भारतीय टेलीविजन में बीपी सिंह के योगदान पर भी अपनी बात रखी। शिवाजी ने कहा, उन जैसे ईसान को पच श्री मिलना चाहिए। लेकिन उन्हें इसकी कभी परवाह नहीं थी। वह कहते थे, छोड़ो, इससे क्या फर्क पड़ने वाला है? हमारे दर्शक तो हमारे साथ हैं, है ना?

क्या जान्हवी के समर्थन के लिए शिखर ने छोड़ी पढ़ाई?

करण जोहर का शो कॉफी विद करण 9 चर्चा में है। इसमें बॉलीवुड की मशहूर अभिनेत्री जान्हवी कपूर नजर आने वाली हैं। इसमें वह अपनी निजी जिंदगी से जुड़ी बातें शेयर करने वाली हैं। अपकमिंग एपिसोड में जान्हवी कपूर बताने वाली हैं कि उनके



जीवन के सबसे मुश्किल दौर में शिखर पहाड़िया ने उन्हें कैसे सपोर्ट किया। 2018 में अपनी मां श्रीदेवी के निधन के बाद के समय को याद करते हुए, जान्हवी ने बताया कि शिखर ने उनके साथ रहने के लिए लंदन में अपनी पढ़ाई छोड़ दी थी। फरवरी 2018 में दुबई में एक बाथटब में गलती से डूबने के कारण श्रीदेवी का निधन हो गया था। उनके अचानक निधन से फिल्म इंडस्ट्री में गम की लहर दौड़ गई थी। उनकी बेटियों, जान्हवी और खुशी कपूर को एक बहुत बड़ा निजी नुकसान झेलना पड़ा। कॉफी विद करण के अपकमिंग एपिसोड में इस बात का खुलासा होने वाला है कि उस मुश्किल समय में शिखर ने कैसे आगे आकर जान्हवी को सपोर्ट किया। जान्हवी ने बताया कि उस समय वे आधिकारिक तौर पर डेटिंग नहीं कर रहे थे। जान्हवी ने बताया, मुझे लगता है कि वह (शिखर पहाड़िया) लंदन में पढ़ाई कर रहे थे और उन्होंने लगभग आधा सेमेस्टर छोड़ दिया था। वह मुंबई आ गए और तब अपने पिता के साथ रहते थे। मुझे बहुत बाद में पता चला कि वह एक महीने के लिए जुहू में अपने दोस्त के घर चले गए थे।

सिवनी मेडिकल कॉलेज में खरीदी पर उठे सवाल, लाखों के खर्च के बावजूद छात्र-छात्राएं मूलभूत सुविधाओं से वंचित!

पर्दे, फर्नीचर और चिकित्सा मशीनों की खरीदी में बाजार दरों से अधिक भुगतान के आरोप; सूत्रों से मिली जानकारी के आधार पर निष्पक्ष जांच की मांग

सिवनी। स्वतंत्र मत। सिवनी मेडिकल कॉलेज में खरीदी व्यवस्था और छात्र-छात्राओं को उपलब्ध कराई जा रही मूलभूत सुविधाओं को लेकर गंभीर सवाल उठ रहे हैं। एक ओर कॉलेज परिसर में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं को आवश्यक सुविधाएं नहीं मिलने की शिकायतें सामने आ रही हैं, वहीं दूसरी ओर सुविधाएं उपलब्ध कराने के नाम पर लाखों रुपये की खरीदी किए जाने और विभिन्न सामग्रियों को बाजार मूल्य से अधिक दरों पर खरीदे जाने के आरोप हैं। सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार, कॉलेज में की गई विभिन्न खरीदी और उन पर खर्च की गई राशि को लेकर सवाल उठ रहे हैं। ऐसे में यह जांच का विषय है कि खरीदी प्रक्रिया में निर्धारित नियमों का पालन किया गया या नहीं और खर्च की गई राशि का वास्तविक लाभ विद्यार्थियों एवं मरीजों को कितना मिला।

मेडिकल कॉलेज केवल उपचार का केंद्र नहीं, बल्कि भविष्य के चिकित्सकों को तैयार करने वाला महत्वपूर्ण शैक्षणिक संस्थान भी है। यहां अध्ययनरत छात्र-छात्राओं को पढ़ाई, व्यावहारिक प्रशिक्षण और परिसर में दैनिक गतिविधियों के लिए आवश्यक मूलभूत सुविधाएं मिलना जरूरी है। यदि विद्यार्थियों को जरूरी सुविधाओं के लिए परेशान होना पड़ रहा है, तो कॉलेज प्रबंधन को व्यवस्थाओं और खर्च की प्राथमिकताओं की समीक्षा किया जाना आवश्यक है।

सुविधाओं के नाम पर लाखों की खरीदी, फिर भी परेशानी क्यों ?

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, मेडिकल कॉलेज में पर्दे, फर्नीचर, मरीजों के उपचार में उपयोग होने वाली चिकित्सा मशीनों तथा अन्य आवश्यक सामग्रियों की खरीदी को लेकर सवाल उठाए जा रहे हैं। आरोप हैं कि कुछ सामग्रियां बाजार में प्रचलित दरों से अधिक कीमत पर खरीदी गईं। हालांकि, इन आरोपों की पुष्टि संबंधित दस्तावेजों और



आधिकारिक जांच के माध्यम से होना आवश्यक है। यह स्पष्ट होना चाहिए कि इन खरीदी प्रक्रियाओं में कितनी राशि खर्च की गई, सामग्री किन दरों पर खरीदी गई, संबंधित आपूर्तिकर्ताओं को कितना भुगतान किया गया और खरीदी गई सामग्री का उपयोग किस उद्देश्य से किया जा रहा है। यदि सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए बजट खर्च किया गया है, तो विद्यार्थियों को उन सुविधाओं का लाभ क्यों नहीं मिल पा रहा है, इसका जवाब भी कॉलेज प्रबंधन को देना चाहिए।

खरीदी दरों और उपलब्ध सुविधाओं की हो जांच

मेडिकल कॉलेज में हुई खरीदी की पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए निविदा दस्तावेजों, स्वीकृत दरों, आपूर्तिकर्ताओं के बिलों, भुगतान विवरण और समान गुणवत्ता वाली सामग्रियों की बाजार दरों का तुलनात्मक परीक्षण कराया जाना चाहिए। चिकित्सा मशीनों के मामले में उनकी तकनीकी विशेषताओं, गुणवत्ता, वारंटी, स्थापना और रखरखाव पर हुए खर्च की भी जांच की जानी चाहिए। इसके साथ ही कॉलेज परिसर में उपलब्ध मूलभूत सुविधाओं का जमीनी निरीक्षण कर यह पता लगाया जाना

चाहिए कि बजट का उपयोग निर्धारित उद्देश्य के अनुरूप हुआ या नहीं। सूत्रों से प्राप्त जानकारी में यदि कोई अनियमितता सामने आती है, तो उसकी पुष्टि संबंधित अभिलेखों और जिम्मेदार अधिकारियों के पक्ष के आधार पर की जानी चाहिए। जांच में अधिक दरों पर खरीदी, नियमों के उल्लंघन अथवा धन के अनुचित उपयोग की पुष्टि होने पर नियमानुसार जिम्मेदारी तय कर कार्रवाई की जानी चाहिए।

विद्यार्थियों की समस्याओं पर प्रबंधन दे जवाब

मेडिकल कॉलेज प्रबंधन को स्पष्ट करना चाहिए कि परिसर में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं को कौन-कौन सी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं, किन सुविधाओं की कमी बनी हुई है और उन्हें दूर करने के लिए क्या कदम उठाए जा रहे हैं। साथ ही, सुविधाओं के नाम पर की गई खरीदी और उस पर खर्च की गई राशि का विवरण भी सार्वजनिक किया जाना चाहिए, ताकि वास्तविक स्थिति सामने आ सके।

सार्वजनिक धन से संचालित संस्थान में खर्च की पारदर्शिता और विद्यार्थियों को आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराना दोनों समान रूप से महत्वपूर्ण हैं। यदि लाखों रुपये खर्च होने के बावजूद छात्र-छात्राएं मूलभूत सुविधाओं से वंचित हैं, तो यह गंभीर समीक्षा का विषय है।

अब निगाहें जांच पर

मेडिकल कॉलेज में खरीदी गई सामग्रियों की वास्तविक कीमत, उनकी गुणवत्ता, भुगतान संबंधी अभिलेख और विद्यार्थियों को मिल रही सुविधाओं की निष्पक्ष जांच से ही स्थिति स्पष्ट हो सकेगी। सवाल यह है कि सुविधाओं के नाम पर खर्च की गई राशि का वास्तविक लाभ विद्यार्थियों और मरीजों तक पहुंच रहा है या नहीं? कॉलेज प्रबंधन का आधिकारिक पक्ष और संबंधित दस्तावेज सामने आने के बाद ही इन आरोपों की वास्तविकता का स्पष्ट आकलन किया जा सकेगा।

मुंगवानी में आर्थी केयर क्लीनिक पर उठे सवाल? स्वास्थ्य विभाग की कार्यप्रणाली पर भी निशाना

मरीजों से 1500 से 2000 रुपये तक की दवा देने का आरोप

धनोरा स्वतन्त्रमत। सिवनी जिले के धनौरा विकासखंड अंतर्गत ग्राम मुंगवानी में संचालित बताए जा रहे अर्थी केयर क्लिनिक को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं। यहां इलाज कराने पहुंच रहे मरीजों से कथित तौर पर 1500 से 2000 रुपये तक की दवाएं दिए जाने की बात सामने आई है। मामले में क्लिनिक संचालक की चिकित्सकीय योग्यता, क्लिनिक के पंजीयन और मरीजों को दी जा रही दवाओं की जांच की मांग की जा रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, राकेश लखेरा अपने परिवार के सदस्यों के साथ अर्थी केयर क्लिनिक के नाम से उपचार संबंधी गतिविधियां संचालित कर रहे हैं। आरोप है कि यहां विभिन्न प्रकार के दर्द और अन्य समस्याओं के इलाज के नाम पर मरीजों को दवाएं दी जाती हैं। दूरदराज से आए कुछ मरीजों ने बताया कि उन्हें लगभग 1500 से 2000 रुपये तक की दवाएं दी गईं। मरीजों के अनुसार, उपचार के दौरान मैग्नेटिक उपकरण से मसाज भी की जाती है। साथ ही, आयुर्वेदिक दवाओं के नाम पर

बिना चिकित्सकीय योग्यता और पंजीयन की जांच के इलाज का मामला गरमाया है, ग्रामीणों ने कलेक्टर और एसपी से की कारवाही की मांग



उपचार के अलावा एलोपैथिक दवाओं के इस्तेमाल की बात भी कही गई है। हालांकि, इन दावों की स्वतंत्र पुष्टि होना अभी बाकी है। पहले गांव-गांव जाकर बेचते थे बर्तन और अन्य उत्पाद स्थानीय लोगों के बीच चर्चा है कि राकेश लखेरा और उनके भाई कुछ समय पहले तक गांव-गांव जाकर बर्तन एवं अन्य उत्पाद बेचने का काम करते थे। अब उनके द्वारा क्लिनिक के माध्यम से उपचार किए जाने को लेकर लोग सवाल उठा रहे हैं कि उनके पास मरीजों का इलाज करने के लिए कौन-सी चिकित्सकीय योग्यता है और क्या क्लिनिक के संचालन

के लिए आवश्यक पंजीयन एवं अनुमति प्राप्त है। ग्रामीणों का कहना है कि स्वास्थ्य से जुड़े मामलों में किसी भी प्रकार की लापरवाही लोगों के लिए नुकसानदायक साबित हो सकती है। इसलिए संबंधित व्यक्तियों की शैक्षणिक योग्यता, चिकित्सकीय पंजीयन, क्लिनिक की संधिता और मरीजों को दी जा रही दवाओं की जांच कराई जानी चाहिए। स्वास्थ्य विभाग की निगरानी पर भी सवाल इस मामले में स्वास्थ्य विभाग की निगरानी व्यवस्था पर भी सवाल उठ रहे हैं। स्थानीय स्तर पर कुछ लोगों ने आरोप लगाया है कि संबंधित गतिविधियों को

अधिकारियों का संरक्षण प्राप्त है। हालांकि, इस आरोप की पुष्टि नहीं हुई है। ऐसे में स्वास्थ्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा मौके पर पहुंचकर जांच करना और वास्तविक स्थिति स्पष्ट करना आवश्यक है।

कलेक्टर और एसपी से निष्पक्ष जांच की मांग

ग्रामीणों एवं क्षेत्रीय लोगों ने नवनियुक्त जिला कलेक्टर श्रीमती अंजू अरुण कुमार और पुलिस अधीक्षक से मामले की निष्पक्ष जांच कर आवश्यक कार्रवाई करने की मांग की है। लोगों का कहना है कि यदि क्लिनिक में बिना निर्धारित योग्यता या वैधानिक अनुमति के उपचार किया जा रहा है, तो संबंधित नियमों के तहत कार्रवाई की जानी चाहिए।

अब सवाल यह है कि क्या स्वास्थ्य विभाग अर्थी केयर क्लिनिक की जांच कर संचालकों की योग्यता, पंजीयन और उपचार में इस्तेमाल की जा रही दवाओं की वास्तविक स्थिति सामने लाएगा, या फिर मरीजों की शिकायतों के बावजूद मामला अनदेखा ही रहेगा?

करवा चौथ आज सुहागिनों ने की पर्व की तैयारी

कटंगी(स्वतंत्र मत)। पति की लंबी उम्र, सुखी वैवाहिक जीवन और अखंड सौभाग्य की कामना के साथ मनाए जाने वाले करवा चौथ पर्व को लेकर कटंगी शहर के बाजारों में रौनक दिखाई देने लगी है। गुरुवार, 29 अक्टूबर को मनाए जाने वाले इस पर्व के मद्देनजर महिलाएं खरीदारी में जुटी हुई हैं। बाजार में साड़ी, श्रृंगार सामग्री, चूड़ियां, मेहंदी, करवा, पूजा की थाली और अन्य पूजन सामग्री की दुकानों पर ग्राहकों की चहल-पहल देखने को मिल रही है। पर्व को लेकर महिलाओं में खासा उत्साह नजर आ रहा है। करवा चौथ हिंदू धर्म की प्रमुख पारंपरिक मान्यताओं से जुड़ा पर्व है। इस दिन विवाहित महिलाएं अपने पति की लंबी उम्र, अच्छे स्वास्थ्य और सुख-समृद्धि की कामना करते हुए व्रत रखती हैं। परंपरा के अनुसार महिलाएं सूर्योदय से चंद्रोदय तक निर्जला व्रत रखती हैं और शाम को विधि-विधान से पूजा-अर्चना करती हैं। इसके बाद चंद्रमा के दर्शन कर अर्घ्य दिया जाता है और पति के हाथों जल ग्रहण कर व्रत खोला जाता है। करवा चौथ केवल व्रत और पूजा तक सीमित नहीं है, बल्कि यह पति-पत्नी के बीच प्रेम, विश्वास, समर्पण और पारिवारिक रिश्तों की मजबूती का भी प्रतीक माना जाता है। इस अवसर पर महिलाएं सोलह श्रृंगार कर पारंपरिक परिधानों में सजती-संवरती हैं। कई स्थानों पर महिलाएं एकत्रित होकर करवा चौथ की कथा सुनती हैं और सामूहिक रूप से पूजा करती हैं।



पत्नी की डिलेवरी और पैसों की जरूरत, फिर महिला की हत्या

मवेशी चरावाई कर रही महिला की हत्या करके लूटे जेवरत, हत्या और लूट का खुलासा, 20 दिन बाद आरोपी गिरफ्तार

बालाघाट(स्वतंत्र मत)। जिले के तिरोड़ी थाना क्षेत्र में महिला की हत्या और उसके जेवर लूटने के सनसनीखेज मामले का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। वारदात के करीब 20 दिन बाद पुलिस ने 21 वर्षीय आरोपी राकेश मरकाम को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक, आरोपी ने सोने के आभूषण लूटने की नीयत से महिला के सिर पर लकड़ी के डंडे से ताबड़तोड़ वार किए, जिससे उसकी मौत हो गई। पुलिस ने आरोपी के कब्जे और निशानदेही पर लूटा गया सोने का मंगलसूत्र, वारदात में इस्तेमाल लकड़ी का डंडा, खून से सने कपड़े और मोटरसाइकिल जब्त की है। दरअसल, मामला बालाघाट जिले के तिरोड़ी थाना क्षेत्र के ग्राम हीरापुर का है। पुलिस के मुताबिक, 8 अक्टूबर 2026 को गांव में तालाब के किनारे एक महिला का शव मिलने की सूचना मिली थी। मृतका की पहचान 56 वर्षीय खेलनबाई



तुर्कर के रूप में हुई। उसके सिर पर गंभीर चोट के निशान थे। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने जांच शुरू की और हत्या के साथ लूट की आशंका पर भी पड़ताल की। पुलिस के अनुसार, आरोपी ने महिला के गले में सोने का मंगलसूत्र और कानों में सोने के टॉप्स देखे। आभूषण लूटने की नीयत से उसने महिला पर लकड़ी के डंडे से हमला कर महिला की मौत हो गई। इसके बाद गले से मंगलसूत्र और कानों से सोने के टॉप्स लेकर फरार हो गया। पुलिस ने घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया। मृतका के शव से करीब 100 फीट की दूरी पर खून से सना लकड़ी का डंडा बरामद हुआ। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज, मोबाइल फोन की तकनीकी जांच और कॉल डिटेल रिकॉर्ड का विश्लेषण भी किया। इन साक्ष्यों के आधार पर पुलिस आरोपी तक पहुंची। पुलिस

के मुताबिक, पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वारदात दिनांक से करीब छह से सात दिन पहले उसकी पत्नी की डिलीवरी तुमसर स्थित प्राइवेट अस्पताल में हुई थी। जहां पत्नी को अस्पताल में छह से सात दिन तक भर्ती रहना पड़ा था। जिस कारण उसे पैसों की अत्यधिक आवश्यकता थी। 08 अक्टूबर को आरोपी अपनी मोटर-साइकिल से मांयल तिरोड़ी पहुंचा था। वहां ब्लास्टिंग का काम करने के बाद वह दोपहर करीब 12:30 बजे मैगजीन के पास मोटर-साइकिल खड़ी कर रेलवे पटरी की ओर गया। जहाँ दोपहर करीब 1 बजे उसने तालाब के पास भैंस चरा रही खेलनबाई को देखा। जहाँ आभूषण देखकर आरोपी के मन में उन्हें लूटने का लालच आया और वह करीब 10 से 15 मिनट तक महिला की गतिविधियों पर नजर रखता रहा। जब महिला भैंसों को लेकर रेलवे

पटरी के दूसरी ओर गई और भैंसों के तालाब में जाने पर तालाब की ओर मुंह करके बैठ गई, तब आरोपी ने पास के खेत की फेंसिंग से लकड़ी का मोटा डंडा निकाला और पीछे से महिला के सिर पर जानलेवा वार किए, जिससे उसकी मौत हो गई। इसके बाद आरोपी ने महिला के गले से मंगलसूत्र और दाहिने कान का सोने का टॉप्स निकाल लिया। आरोपी ने कटंगी जाकर जेवर करीब 25 हजार रूपए में गिरवी रख दिए थे।

जहां पुलिस ने प्रकरण के खुलासे और आरोपी रूपेश मरकाम की गिरफ्तारी के बाद उसकी निशानदेही पर मृतिका का लूटा गया सोने का मंगलसूत्र बरामद किया है। पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों, सीसीटीवी फुटेज, स्थानीय स्तर पर की गई पूछताछ और गहन विवेचना के आधार पर मामले का खुलासा किया गया है।

पुलिस ने 12 लाख के गांजा तस्कर को पकड़ा, भेजा जेल

बालाघाट(स्वतंत्र मत)। जिले में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत बहेला पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए ओडिशा निवासी एक युवक को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 24.314 किलोग्राम अवैध गांजा जप्त किया है, जिसकी अनुमानित कीमत करीब 12 लाख रुपये बताई गई है। आरोपी गांजे को प्लास्टिक की बोरी में छिपाकर बिक्री के उद्देश्य से लाया था। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार, 27 अक्टूबर 2026 की रात थाना बहेला पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि भुरसाडोंगरी तिराहे के पास एक व्यक्ति गांजा बेचने के उद्देश्य से मौजूद है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की। इस दौरान तिराहे से लगभग 150 मीटर दूर लांजी की ओर मुख्य मार्ग के समीप झाड़ियों में छिपे एक संदिग्ध व्यक्ति को पकड़ लिया गया। जहां तलाशी के दौरान संदिग्ध के कब्जे में रखी पीले रंग की प्लास्टिक की बोरी से खाकी रंग के टेप में लिपटे 11 पैकेट बरामद हुए। जांच करने पर इनमें कुल 24.314 किलोग्राम गांजा पाया गया। पुलिस ने गांजे को विधिवत जब्त कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान सीमांचल मलिक (27 वर्ष), निवासी बलाकिया पाडीगन, जिला कथमाल, ओडिशा के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, प्रारंभिक पूछताछ में आरोपी ने अपने गांव के जंगल में अवैध रूप से गांजा उगाने और उसे बेचने के उद्देश्य से लाने की बात बताई है। हालांकि, गांजे के वास्तविक स्रोत, उसके परिवहन और संभावित खरीदारों के संबंध में पुलिस की जांच जारी है। पुलिस इस तस्करी से जुड़े अन्य लोगों और आपूर्ति नेटवर्क का पता लगाने में जुटी है। उक्त कार्यवाही के बाद बहेला पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध अपराध प्रकरण दर्ज किया है।



डेयरी संचालक पर जानलेवा हमले का आरोपी गिरफ्तार

पुरानी रंजिश को लेकर दिया वारदात को अंजाम, लूटी गई सोने की चेन भी बरामद

आरोपी के खिलाफ पहले से दर्ज हैं 11 आपराधिक प्रकरण

कटनी (स्वतंत्रमत)।

शहर में पुरानी रंजिश को लेकर दूध डेयरी संचालक किशोर तोमर (कांचकार) पर जानलेवा हमला करने के मामले में कोतवाली पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी हर्ष द्विवेदी उर्फ लख्ख पंडित को 24 घंटे के भीतर गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से फरियादी से लूटी गई सोने की चेन, वारदात में इस्तेमाल की गई लोहे की चैननुमा पंच और एक धारदार चाकू भी बरामद किया है। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपी के खिलाफ पहले से 11 आपराधिक प्रकरण दर्ज हैं।

जालपा मढ़िया के पास किया था हमला

पुलिस के मुताबिक, 26 अक्टूबर को सुखन चौक निवासी 57 वर्षीय दूध डेयरी संचालक किशोर तोमर पर जालपा मढ़िया के पास एक गली में पुरानी रंजिश के चलते हमला किया गया था। आरोप है कि आरोपी घात लगाकर बैठा था और उसने फरियादी पर ईंट-पत्थरों तथा लोहे की चैन से हमला कर सिर और चेहरे पर गंभीर चोटें पहुंचाई। इसी दौरान फरियादी के गले में पहनी सोने की चेन भी लूट ली गई। घटना की रिपोर्ट पर थाना कोतवाली, कटनी

में अपराध क्रमांक 1209/26 के तहत भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 296(बी) एवं 109(1) में मामला दर्ज कर विवेचना शुरू की गई।

एसपी के निर्देश पर गठित टीम ने जबलपुर में दबोचा

घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक अभिनय विश्वकर्मा ने कोतवाली थाना प्रभारी निरीक्षक राखी पाण्डेय को आरोपी की शीघ्र गिरफ्तारी के निर्देश दिए। इसके बाद पुलिस टीमों का गठन कर आरोपी की तलाश शुरू की गई। पुलिस ने मुखबिर तंत्र सक्रिय

करने के साथ ही उसके संभावित ठिकानों पर दबिश दी। पुलिस को सूचना मिली कि आरोपी जबलपुर रेलवे स्टेशन के आसपास मौजूद है और ट्रेन से बाहर भागने की फिराक में है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम जबलपुर से आरोपी हर्ष द्विवेदी उर्फ लख्ख पंडित को अभिरक्षा में ले लिया।

सोने की चेन और इस्तेमाल हथियार जब्त

पुलिस ने गिरफ्तार आरोपी के कब्जे से फरियादी की सोने की चेन, वारदात में इस्तेमाल की गई लोहे की चैननुमा पंच और एक

धारदार चाकू बरामद कर जब्त किया है। वैधानिक कार्रवाई के बाद आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया।

आरोपी के खिलाफ पहले से दर्ज हैं 11 मामले

कोतवाली थाना प्रभारी निरीक्षक राखी पाण्डेय के अनुसार, आरोपी हर्ष द्विवेदी उर्फ लख्ख पंडित कोतवाली थाना क्षेत्र का आदतन अपराधी है। उसके खिलाफ पूर्व से 11 आपराधिक प्रकरण दर्ज होना सामने आया है।

पुलिसकी रही अहम भूमिका

इस कार्रवाई में पुलिस अधीक्षक अभिनय विश्वकर्मा के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कमल मोर्य एवं उप पुलिस अधीक्षक (अजाक) अनिमेष द्विवेदी के मार्गदर्शन तथा कोतवाली थाना प्रभारी निरीक्षक राखी पाण्डेय के नेतृत्व में पुलिस टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही। उनि लेख सिंह परिहार, प्रहलाद पैकरा, अनुयाग सोनकर, अजय दुबे, अनिल सेंगर, वीरेन्द्र प्रताप सिंह, वीरेन्द्र तिवारी, पुष्पराज सिंह तथा आरक्षक अजय प्रताप, अमित सिंह, उपेन्द्र सिंह एवं दीपक तिवारी शामिल रहे।



कराया।

इसके साथ ही चालकों के विरुद्ध मोटर व्हीकल एक्ट की धारा 185 के तहत कार्रवाई करते हुए प्रकरण न्यायालय में प्रस्तुत किए गए। कार्रवाई में थाना प्रभारी सुयश पाण्डेय, उप

निरीक्षक विष्णुशंकर जायसवाल, सहायक उप निरीक्षक रघुवीर सिंह, प्रधान आरक्षक पवनराज, प्रधान आरक्षक अरुण तिवारी, आरक्षक गौरीशंकर राजपूत, आरक्षक शिवप्रकाश तिवारी की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

किसी और की जमीन पर पार्षद ने कर लिया कब्जा कटनी (स्वतंत्रमत)। वहाँ पहले खरीदी गई जमीन पर स्थानीय पार्षद के द्वारा जबरन कब्जा किए जाने की शिकायत लेकर आज एक पीड़ित जनसुनवाई में कलेक्ट्रेट कार्यालय पहुंचा। वहां पर शिकायत करते हुए पीड़ित ने आरोप लगाए की पार्षद के राजनैतिक प्रभाव के कारण उसे उसकी जमीन वापस नहीं दिलाई जा रही। उसने कई बार शिकायतें भी की, मगर इन शिकायतों का कोई हल नहीं हो सका। लिखित शिकायत करते शिवाजी वार्ड कटनी निवासी संजय विलसन पिता सेमुअल विलसन ने कहा की मेरे स्वामित्व की भूमि मौजा ग्राम छपरवाह प.ह.नं. 43 तह. कटनी नगर जिला कटनी में स्थित भूमि पुराना खसरा नं. 586/10, 587/1, 588/1 नया खसरा नंबर 586/16, 586/16, 587/2, 588/2, का अंश भाग 20 बाई 50 = 1000 वर्गफुट स्थित है। जिस पर वार्ड पार्षद द्वारा जबरन पद का दुरुपयोग करते हुये उत भूमि पर बाउंड्रीवाल का निर्माण कर लिया गया है।

नाबालिग के साथ बेरहमी से मारपीट वीडियो आया सामने, आरोपी पर मामला दर्ज

कटनी (स्वतंत्रमत)। बाकल थाना क्षेत्र के अंतर्गत पिपरिया मोड़ पर मामूली विवाद को नाबालिग बालक के साथ बेरहमी से मारपीट किए जाने वीडियो सामने आया है पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार पिपरिया मोड़ पर मामूली बात को लेकर आरोपी अविनाश लोधी ने एक नाबालिग बालक को अपस नशाना बनाया और उसके साथ बेरहमी से मारपीट की। हद तो तब हो गई जब अपनी जान की गुहार लगा रहे बच्चे को बचाने के लिए उसके परिजन बीच बचाव करने पहुंचे। आरोप है कि आक्रोशित आरोपी ने नाबालिग के पिता और अन्य बीच बचाव करने आए परिजनों के साथ भी मारपीट की और उन्हें खुलेआम गंदी-गंदी गालियां देते हुए जान से मारने की धमकी दी। पीड़ित पक्ष की शिकायत और मिले साक्ष्यों के आधार पर बाकल थाना पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी अविनाश लोधी के खिलाफ सख्त कदम उठाया है। पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध मामला दर्ज किया। बाकल थाना प्रभारी ने बताया कि मामले में एफआईआर दर्ज कर ली गई है और घटना के हर पहलू की बारीकी से जांच की जा रही है।

फांसी लगाकर विवाहिता ने की आत्महत्या कुठला थाना कटनी (स्वतंत्रमत)। क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम जोबी खुर्द निवासी 30 वर्षीय रेखा कोल पति संगीत कोल ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने मर्ग दर्ज किया है। इसी तरह देशी शराब दुकान के आगे रोड़ किनारे नाली पहलूआ मंडी अजय आदिवासी पिता जिठरू आदिवासी उम्र 45 साल निवासी पत्नी कालोनी की नालियों के पानी में डूबने से मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग दर्ज किया है। एक अन्य घटना में बहोरीबंद थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम रामपाटन घटिया में राजेश सिंह गौड़ निवासी नयागांव की सड़क दुर्घटना में मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग दर्ज करते हुए मामले की जांच शुरू कर दी है।

नकली चांदी देकर ठग लिए सोने के जेवर



भरोसे का फायदा उठाकर व्यापारियों को लगाया चूना, एसपी से शिकायत, आरोपी पर एफआईआर दर्ज करने की मांग

कटनी (स्वतंत्रमत)। सराफा व्यापारियों के साथ धोखाधड़ी, अमानत में खयानत और चेक बाउंस होने का एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। आरोपी सचिन सोनी निवासी आजाद चौक पर आरोप है कि उसने व्यवसायिक संबंधों और भरोसे का फायदा उठाते हुए कई ज्वेलर्स और

व्यापारियों से लाखों रुपये के सोने-चांदी के जेवर लिए और इसके एवज में नकली सामान दिया। इस फर्जीवाड़े के खुलासे के बाद से सराफा व्यापारियों में आक्रोश है। पीड़ित व्यापारियों ने एसपी को लिखित शिकायतें सौंपीं। जानकारी के मुताबिक सराफा बाजार स्थित नम्रता ज्वेलर्स के प्रोप्राइटर आशीष सोनी के अनुसार आरोपी सचिन सोनी पिछले दो वर्षों से उनके संपर्क में था। सचिन ने 89.180 ग्राम वजनी 18 कैरेट के सोने के जेवर 10 प्रतिशत लेवर पर यह कहकर लिए कि वह इन्हें बेचकर 5-6 दिनों में भुगतान कर देगा या बचे हुए जेवर वापस कर देगा। समय बीतने और

भुगतान मांगने पर आरोपी ने पहले टालमटोल किया और बाद में अलग-अलग बैंक खातों के दो चेक दिए, जो बैंक में लगाने पर बाउंस हो गए।

इसी तरह सूर्य किरण ज्वेलर्स के संचालक विनय सोनी ने बताया कि सचिन सोनी ने 261-990 ग्राम वजनी 20 कैरेट के सोने के जेवर यह कहकर लिए थे कि वह इन्हें बेचकर कुछ दिनों में राशि लौटा देगा। भुगतान न करने पर जब दबाव बनाया तो आरोपी ने 30 जून 2024 को स्टायप पेपर पर सोने के जेवर लेने की लिखित स्वीकृति दी। इसके बाद उसने 20 लाख रुपये का चेक दिया, जो बैंक में प्रस्तुत करने पर

पता चला कि वह खाता विवरण किसी अन्य व्यक्ति गायत्री मोनी के नाम से संबंधित था। ओम साई राम गोल्ड टेस्टिंग सेंटर के संचालक मनोज कुमार सोनी ने बताया कि अंतिम लेनदेन के तहत 69 ग्राम 760 मिलीग्राम सोना तथा 63 हजार 330 रूपए नक्का का हिसाब था। पुराना निवास मानकर सोना उधार दिया गया था, जिसे आज तक न तो वापस किया गया और न ही बकाया राशि दी गई। आरोपी ने इसके एवज में बैंक का 9 लाख चेक दिया था, जिसमे भुगतान नहीं हुआ। सराफा व्यापारियों ने पुलिस अधीक्षक से कार्रवाई की मांग की है।

बेचने की फिराक में था चोरी की बाइक दीमरखेड़ा पुलिस ने फरार आरोपी को दबोचा

कटनी (स्वतंत्रमत)। दीमरखेड़ा थाना क्षेत्र के अंतर्गत मोटरसाइकिल चोरी के मामले में फरार चल रहे आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। चोरी की मोटरसाइकिल पहले ही बरामद की जा चुकी थी, जबकि दूसरा आरोपी पुलिस की गिरफ्त से बाहर था। पुलिस ने फरार आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया।

पुलिस के अनुसार 22 अगस्त को ग्राम महगवां निवासी ने दीमरखेड़ा थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उसके घर के बरामदे से अज्ञात व्यक्ति करीब 50 हजार रुपये कीमत की मोटरसाइकिल चोरी कर ले गया है। शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। जांच के दौरान पुलिस ने संदेही सनत कुमार पिता दलवीर यादव निवासी ग्राम करौंदा के कब्जे से चोरी की मोटरसाइकिल बरामद की। पृष्ठछाड़ में उसने बताया कि मोटरसाइकिल ग्राम महगवां निवासी रस्ते सिंह पिता फागू सिंह चोरी कर लाया था और उसे बेचने के लिए अपने पास रख गया था। मोटरसाइकिल चोरी के मामले में नाम सामने आने के बाद से रस्ते सिंह फरार चल रहा था। पुलिस लगातार उसकी तलाश में जुटी थी। आखिरकार 27 अक्टूबर को पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया और न्यायालय में पेश किया। कार्रवाई में थाना प्रभारी दीमरखेड़ा महिमा रघुवंशी, सहायक उपनिरीक्षक जयपाल सिंह, प्रधान आरक्षक दीपक श्रीवास, आरक्षक अजय धुवें और रंजीत सिंह की महत्वपूर्ण भूमिका रही।



फिर हाईकोर्ट की शरण में पूर्व सीएसपी

एफआईआर निरस्त करने और अग्रिम जमानत के लिए लगाई याचिका

नेहा पच्चीसिया ने कहा : जमीन की खरीद-बिक्री में उनकी कोई भूमिका नहीं

कटनी (स्वतंत्रमत)।

जमीन सौदबाजी मामले में फरार चल रही पूर्व सीएसपी नेहा पच्चीसिया की ओर से एफआईआर निरस्त करने और अग्रिम जमानत के लिए हाईकोर्ट में याचिका दायर की गई है। मंगलवार को सुनवाई के दौरान उनकी ओर से तर्क दिया गया कि संबंधित जमीन की खरीद-बिक्री में उनकी कोई भूमिका नहीं थी। उनके खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत दर्ज प्रकरण को भी गलत तथ्यों पर आधारित बताया गया। याचिका पर आज राज्य सरकार और शिकायतकर्ता की ओर से पक्ष प्रस्तुत किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि कटनी की सीएसपी नेहा पच्चीसिया सहित तीन आरोपियों के खिलाफ कुठला थाने में धोखाधड़ी सहित अन्य धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज किया गया है। कटनी पुलिस ने आरोपियों की



गिरफ्तारी पर 10-10 हजार रुपये का इनाम भी घोषित किया था। आरोप है कि कुठला थाना क्षेत्र में हत्या के एक मामले में निर्धारित समयवधि में चालान पेश नहीं किए जाने के कारण आरोपी को डिफाल्ट बेल का लाभ मिल गया था। इसी प्रकरण से जुड़े आरोपों के अनुसार इसके एवज में संबंधित जमीन कम कीमत पर अपने एजेंट के नाम से खरीदी गई। सीएसपी की ओर से कोर्ट में तर्क दिया गया कि संबंधित जमीन मारुफ अहमद हनफी के नाम पर खरीदी गई थी और उनके बैंक खाते में क्षितिज राज पात्रे ने राशि स्थानांतरित की थी। उनके अपने बैंक खाते से इस संबंध में कोई लेनदेन नहीं हुआ। जमीन की खरीद-बिक्री में उनकी भूमिका होने का कोई साक्ष्य भी नहीं है। साथ ही भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत दर्ज प्रकरण को गलत तथ्यों पर आधारित बताते हुए राहत देने का अनुरोध किया गया।

जिससे कैंसर जागरूकता और जनकल्याण के कार्यों में सहयोग किया जा सके।



बाल विवाह मुक्त भारत अभियान

मण्डला/मोहागांव(स्वतंत्रमत)। कलेक्टर के निर्देशन एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विनोद परस्ते के मार्गदर्शन में शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मुनु मोहागांव में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना एवं बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में वन स्टॉप सेंटर की प्रशासक सुश्री प्रेरणा मर्सकोले ने छात्र-छात्राओं को बाल विवाह के दुष्परिणाम बताए।

87 अनधिकृत कॉलोनियों में विकास शुल्क वसूली

नोटिस के बाद वसूली पर निगम का जोर; आपत्ति के लिए सात दिन की मोहलत

कटनी (स्वतंत्रमत)। शहर की 87 अनधिकृत कॉलोनियों में विकास शुल्क वसूली को लेकर नगर निगम ने कार्रवाई तेज कर दी है। शुल्क निर्धारण के बाद अब डिमांड नोटिस के जरिए रहवासियों तक भुगतान का संदेश पहुंचाया जा रहा है। निगमायुक्त तत्पया परिहार के निर्देश

पर गठित छह दल वार्डवार नोटिस वितरण में जुटे हैं। लाल बहादुर शास्त्री और रफी अहमद क़िदवाई वार्ड सहित अन्य क्षेत्रों में यह कार्रवाई की गई है।

नोटिस के बाद भुगतान की प्रक्रिया पर नजर—नगर निगम की इस कार्रवाई का अगला अहम चरण निर्धारित विकास शुल्क की वसूली है। नोटिस वितरण के साथ ही संबंधित नागरिकों को देय राशि की जानकारी दी जा रही है। ऐसे में आने वाले दिनों में यह स्पष्ट होगा कि

कितने रहवासी निर्धारित शुल्क जमा करते हैं और कितने लोग शुल्क की गणना या निर्धारण पर आपत्ति दर्ज कराते हैं। फ़िलहाल निगम ने वसूली की प्रक्रिया आगे बढ़ाने के लिए मैदानी स्तर पर छह दल तैनात किए हैं। कार्यपालन यंत्री अंशुमान सिंह ने बताया कि नोटिस को लेकर आपत्ति होने पर संबंधित व्यक्ति को रजिस्ट्री, खसरा, भवन अनुज्ञा सहित अन्य वैध अभिलेखों के साथ एक सप्ताह के भीतर निगम कार्यालय में अपना पक्ष प्रस्तुत करना होगा। प्राप्त आपत्तियों

का परीक्षण कर नियमानुसार निराकरण किया जाएगा। मध्यप्रदेश नगरपालिका (कॉलोनी विकास) नियम, 2021 के तहत 31 दिसंबर 2016 से पहले की चिन्हित 87 अनधिकृत कॉलोनियों के अभिन्यास का अंतिम प्रकाशन कर विकास शुल्क निर्धारित किया गया है। भवन अनुज्ञा एवं कॉलोनी सेल के निर्देशन में गठित छह दलों को शुल्क की गणना, डिमांड नोटिस वितरण और वसूली की कार्रवाई आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी दी गई है।

आईएमए के 68वें राज्य समेलन में राष्ट्रीय कार्यकारिणी के चुनाव



संगठनात्मक मुद्दों के साथ चिकित्सा के विभिन्न विषयों पर हुआ मंथन

कटनी (स्वतंत्रमत)। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन आईएमए मध्यप्रदेश का 68वां राज्य समेलन 24 और 25 अक्टूबर को सागर में आयोजित हुआ। समेलन में प्रदेश के विभिन्न जिलों से चिकित्सकों, डेलीगेट्स और स्टेट काउंसिल सदस्यों ने हिस्सा लिया। इस दौरान संगठनात्मक चुनावों में मध्यप्रदेश आईएमए के पूर्व राज्याध्यक्ष डॉ. सुबाराव को सेंट्रल वर्किंग कमेटी सीडल्यूसी का सदस्य निर्वाचित किया गया। सम्मेलन में स्टेट वर्किंग कमेटी की बैठक के साथ

चिकित्सकीय सेमिनार, संगोष्ठियां और कार्यशालाएं हुईं। बैठक में संगठन से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गई।

सीडल्यूसी सहित एएमएस, सीजीपी और अन्य अनुषांगिक संगठनों के पदों के लिए भी चुनाव संपन्न हुए। सीडल्यूसी के लिए डॉ. एस.एम. सिरोटिया सागर डॉ.

आर.डी. नन्होरिया, डॉ. बी.एम. शरणागत बालाघाट डॉ. देवीराम बरांगे, डॉ. अशोक मिश्र ग्वालियर डॉ. ए.एल. शर्मा शिवपुरी, डॉ. अनूप निगम ऊज्जैन, डॉ. डी.आर. हरियाणी और डॉ. शेखर डी. शिव इंद्रौर डॉ. ए.के. जैन, डॉ. अनिल ठाकुर और डॉ. आर. पाठक जबलपुर भी निर्वाचित हुए। डॉ.

हेमंत नायडू छिंदवाड़ा को आईएमए-सीजीपी का स्टेट फैकल्टी मेंबर चुना गया। समेलन में चिकित्सा के विभिन्न क्षेत्रों पर विशेषज्ञों ने व्याख्यान दिए। नागपुर से आए विशेषज्ञों ने गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल सर्जरी पर जानकारी साझा की। थैलेसीमिया, किशोरियों में पीसीओएस और 40

वर्ष की आयु में प्रजनन क्षमता जैसे विषयों पर भी चर्चा हुई। डॉ. कविता एन. सिंह ने डॉ. बी.सी. राय व्याख्यान प्रस्तुत किया और पुरस्कार प्राप्त किए। समेलन के दौरान उत्कृष्ट चिकित्सकीय सेवाओं के लिए डॉ. सुबाराव को प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया। निजी चिकित्सक पुरस्कार डॉ. डी.के. तिवारी और डॉ. एस.के. मुखर्जी को मिले। कार्यक्रम में आईएमए जबलपुर की नवनिर्वाचित अध्यक्ष डॉ. अमिता सक्सेना, सागर की सचिव डॉ. रोशी जैन, नवनिर्वाचित अध्यक्ष डॉ. मोनिका जैन सहित अन्य चिकित्सक उपस्थित रहे। आभार प्रदर्शन स्थानीय आयोजन समिति के सचिव डॉ. तलहा साद ने किया।



उड़द दाल की 56 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गयी। चना दाल 15 रुपये और मूंग दाल छह रुपये प्रति क्विंटल महंगी हुई। वहीं, मसूर दाल में 10 रुपये की गिरावट देखी गयी। मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में आज पाम ऑयल का जनवरी वायदा 14 रिंगिट टूटकर 4.687 रिंगिट प्रति टन रह गया। दिसंबर में अमेरिकी सोया तेल वायदा भी 0.40 प्रतिशत गिरकर 66.44 सेंट प्रति पौंड बोला गया। स्थानीय बाजारों में सरसों तेल की औसत कीमत 107 रुपये और मूंगफली तेल की 103 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गयी। सूरजमुखी तेल 78 रुपये और वनस्पति 69 रुपये प्रति क्विंटल महंगा हुआ। पाम ऑयल 33 रुपये और सोया तेल 31 रुपये प्रति क्विंटल ऊपर रहा।

इंदौर, उज्जैन और भोपाल को मेट्रोपॉलिटन सिटी के रूप में विकसित करने की दिशा में कार्य जारी : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भविष्य में लगभग 15 टाउनशिप की जाएंगी विकसित लगभग 30 हजार एकड़ क्षेत्र में होगा नियोजित शहरी विकास

भोपाल (स्वतंत्र मत)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश के शहरों को आधुनिक, निवेश-अनुकूल, पर्यावरण-संवेदनशील और नागरिक-केंद्रित बनाना राज्य सरकार की प्राथमिकता है। इंदौर, उज्जैन और भोपाल को मेट्रोपॉलिटन सिटी के रूप में विकसित करने की दिशा में कार्य तेजी से किया जा रहा है। वर्ष 2047 तक इस क्षेत्र में लगभग 20 लाख रोजगार के अवसर सृजित करने, 12 से 15 नई टाउनशिप विकसित करने तथा 25 से 30 हजार एकड़ क्षेत्र में नियोजित शहरी विकास का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इंदौर फ्यूचर सिटी में लगभग 5 हजार एकड़ क्षेत्र में आवास, उद्योग और रोजगार आधारित विकास किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव बुधवार को



इंदौर में आयोजित अर्बन ग्रोथ कॉन्क्लेव 2.0 को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि शहर केवल आवासीय क्षेत्र नहीं, बल्कि उद्योग, व्यापार, निवेश और रोजगार के प्रमुख केंद्र हैं। शहरी विकास को आधुनिक अधोसंरचना, जल सुरक्षा, किफायती आवास और बेहतर जीवन गुणवत्ता से जोड़कर भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप विकसित किया जाएगा। कॉन्क्लेव में निवेशकों के साथ शहरी विकास एवं अधोसंरचना में निवेश की संभावनाओं पर चर्चा हुई। इससे प्रदेश में निवेश को बढ़ावा मिलेगा और ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट-2027 के लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद मिलेगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में अब तक लगभग 12 लाख करोड़ रुपये के निवेश को धरातल पर उतारा जा चुका है। औद्योगिक कॉरिडोर, सड़क नेटवर्क, लॉजिस्टिक्स, पर्यटन, नवकरणीय ऊर्जा, जल प्रबंधन और आधुनिक अधोसंरचना के विकास के साथ सेमीकंडक्टर सहित आधुनिक तकनीकी क्षेत्रों में निवेश को प्रोत्साहित किया जा रहा है।

अर्बन अफोर्डेबल हाउसिंग एंड हैबिटेड पॉलिसी-2026 के ड्राफ्ट जारी-मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जल संरक्षण एवं उपचारित जल के पुनः उपयोग के लिए उपचारित अपशिष्ट जल पुनर्चक्रण एवं पुनः उपयोग नीति-2026 तथा किफायती आवास उपलब्ध कराने के लिए मध्यप्रदेश अर्बन अफोर्डेबल हाउसिंग एंड हैबिटेड पॉलिसी-2026 के ड्राफ्ट जारी किए। उपचारित जल के पुनः उपयोग का लक्ष्य वर्ष 2037 तक 50 प्रतिशत निर्धारित किया गया है। अर्बन चैलेंज फंड के अंतर्गत 2,013 करोड़ रुपये की शहरी अधोसंरचनात्मक परियोजनाओं के लिए वित्तीय समझौते किए गए। विभिन्न एमओयू के माध्यम से औद्योगिक जल के पुनः उपयोग, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन और शहरी विकास में तकनीकी सहयोग को बढ़ावा दिया जाएगा। नीति आयोग की इंदौर इकोनॉमिक रीजन रिपोर्ट

(आईईआर) में मालवा-निमाड़ के 8 जिलों के आर्थिक विकास के लिए वर्ष 2047 तक की रूपरेखा प्रस्तुत की गई है। इसमें उद्योग, कृषि, पर्यटन और रोजगार से जुड़ी 60 से अधिक परियोजनाएं प्रस्तावित हैं।

धार्मिक पर्यटन का हुआ विकास—मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि उज्जैन में श्री महाकाल महालोक के विकास के बाद धार्मिक पर्यटन का विस्तार हुआ है। प्रतिवर्ष लगभग 7 करोड़ लोगों के उज्जैन आगमन से होटल, परिवहन, व्यापार, रोजगार और रियल एस्टेट सहित विभिन्न क्षेत्रों में आर्थिक गतिविधियों के अवसर बढ़े हैं। इंदौर से अब धावी की उड़ान का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि राज्य सरकार अंतर्राष्ट्रीय हवाई संपर्क को बढ़ावा देने के लिए सहायता उपलब्ध करा रही है। बेहतर सड़क नेटवर्क और औद्योगिक कॉरिडोर के विस्तार से भी क्षेत्रीय आर्थिक विकास को गति मिलेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि ग्रामीण परिवारों को संपत्ति के स्वात्मित्व संबंधी दस्तावेज उपलब्ध कराने के लिए राज्य सरकार हितग्राहियों की निशुल्क रजिस्ट्री कर रही है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उद्योगपतियों एवं निवेशकों से की वन-टू-वन चर्चा

भोपाल (स्वतंत्र मत)। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कॉन्क्लेव में विभिन्न उद्योगपतियों एवं निवेशकों से वन-टू-वन चर्चा की। चर्चा में नगरीय विकास, आधुनिक टाउनशिप, नवकरणीय ऊर्जा, पर्यटन, डिजिटल तकनीक और अधोसंरचना के क्षेत्र में निवेश एवं विस्तार की संभावनाओं से जुड़े विषय शामिल रहे। डेला ग्रुप के संस्थापक एवं सीएमडी जिमी मिस्त्री ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव से वन-टू-वन चर्चा की। इस दौरान भोपाल में 220 एकड़ क्षेत्र में प्रस्तावित 2,250 करोड़ रुपये की डेला रेसकोर्स परियोजना पर चर्चा हुई। परियोजना में लक्ष्मी विला, ब्रांडेड रेसिडेंस, पांच सितारा वाइल्डलाइफ रिसॉर्ट तथा घुड़सवारी एवं पोलो की सुविधाएँ विकसित करने की योजना है। लोकेश कुमार जीनगर के साथ सौर एवं पवन ऊर्जा परियोजनाओं के साथ डिजिटल सार्वजनिक अधोसंरचना एवं नागरिक-केंद्रित डिजिटल सेवाओं और जोस्टल के धर्मवीर सिंह चौहान के साथ पर्यटन सुविधाओं, नए पर्यटन सर्किट और अनुभव आधारित पर्यटन के विस्तार की संभावनाओं पर चर्चा हुई। नीरकेयर इंडिया लिमिटेड के सीएमडी नीरज



स्मार्ट ट्रैफिक मैनेजमेंट एवं आधुनिक परिवहन तकनीक से जुड़े विषय प्रमुख रहे। पुरवणकरा लिमिटेड के सीईओ श्री मल्लना सासलु और क्लासिक ग्रुप के प्रबंध निदेशक श्री संदीप श्रीवास्तव के साथ आवासीय एवं वाणिज्यिक परियोजनाओं और नियोजित शहरी विकास, प्रोटीन ई-गव टेक्नोलॉजीज के चीफ बिजनेस एंड प्रोडक्ट ऑफिसर राकेश दोसी के साथ डिजिटल सार्वजनिक अधोसंरचना एवं नागरिक-केंद्रित डिजिटल सेवाओं और जोस्टल के धर्मवीर सिंह चौहान के साथ पर्यटन सुविधाओं, नए पर्यटन सर्किट और अनुभव आधारित पर्यटन के विस्तार की संभावनाओं पर चर्चा हुई। नीरकेयर इंडिया लिमिटेड के सीएमडी नीरज

श्रीवास्तव के साथ जल एवं अपशिष्ट जल प्रबंधन, पुनर्चक्रण और अपशिष्ट से ऊर्जा उत्पादन, वोटारिस ईवी सॉल्यूशन के सह-संस्थापक एवं निदेशक अनुज कुमार के साथ इलेक्ट्रिक मोबिलिटी एवं तकनीक आधारित समाधानों और ब्लेन रॉबर्ट डिजाइन के संस्थापक एवं डिजाइन डायरेक्टर ब्लेन रॉबर्ट के साथ आधुनिक वास्तुशिल्प, आवासीय एवं व्यावसायिक डिजाइन और इंदौर में कंपनी के विस्तार की संभावनाओं पर चर्चा हुई। सिएल एंड टेरे के प्रबंध निदेशक एवं सीईओ श्री दीपक उपा देवी के साथ फ्लोटिंग सोलर तकनीक और ओकारेश्वर सौर परियोजना के विस्तार की संभावनाओं पर चर्चा हुई।

नृत्य,गायन और नाट्य प्रस्तुतियों से सजा मिलन संस्था का शरदोत्सव



भोपाल (स्वतंत्र मत)। मिलन नामदीय ब्राह्मण सामाजिक संस्था ने नृत्य, संगीत और नाट्य प्रस्तुतियों के साथ मनाया शरदोत्सव। राजधानी भोपाल स्थित केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के भवभूति सभागृह में आयोजित कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मंडलेश्वर से पधारे समाजसेवी

विजय बड़ोले और विशिष्ट अतिथि डॉ. नरेंद्र दत्त गार्गव रहे वहीं अध्यक्षता डॉ विजय पगारे ने की। कार्यक्रम का आगाज स्वरा खेड़े की मोहक कल्थक नृत्य प्रस्तुती से हुआ। कुमारी वेदिका साकले और कुमारी काव्या खरे की एकल नृत्य प्रस्तुति ने दर्शकों की प्रशंसा बटोरी। एकता साध,अंजली शर्मा,

स्वाति चौरें और पूजा डोंगरे के समूह नृत्य के साथ आरोही साकले,सलोनी उपाध्याय, शिखा पारे तथा शिवांगी सिटोके की समूह नृत्य प्रस्तुतियों ने भी दर्शकों को बांधे रखा। रश्मि उपाध्याय, सलोनी उपाध्याय के युगल नृत्य ने दर्शकों की खूब तालियां बटोरी। मिलन सांस्कृतिक समिति की संत सिंगाजी नाट्य प्रस्तुति में सीमा तारे, नंदिनी उपाध्याय, पूर्वा शुक्ला, संध्या केशोरे, पुनम खरे, मृदुल चतुर्वेदी,रोहित साकले और काव्या खरे का दर्शकों ने तालियों से स्वागत किया। निधि शर्मा, स्वाति चौरें,डा. शिवानी बड़ोले और हिमांशु बिल्लोरे के एकल गायन को भी खासा सराहा गया।

स्वामित्व योजना कार्य में लाएं तेजी आधार संबंधी समस्याओं का मौके पर होगा निराकरण : कलेक्टर

पीएम आवास योजना के लिए 3 करोड़ की राशि प्राप्त, हितग्राहियों के खातों में पारदर्शिता के साथ पहुंचेगी राशि

दमोह (स्वतंत्र मत)। स्वामित्व योजना के अंतर्गत पंजीयन कार्य में तेजी लाने, आधार संबंधी समस्याओं का मौके पर निराकरण करने तथा विभिन्न विभागों की भूमि से संबंधित समस्याओं को दूर करने के उद्देश्य से कलेक्टर प्रताप नारायण यादव ने समय सीमा बैठक में अहम



दिशा निर्देश दिए। कलेक्टर श्री यादव ने कहा बैठक में तहसीलदारों एवं नायब तहसीलदारों को भी बुलाया गया थाए ताकि भूमि संबंधी मामलों का निराकरण कर स्वामित्व योजना के

कार्यों को गति दी जा सके। साथ ही जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों के माध्यम से पात्र हितग्राहियों की लॉबित ई केवाईसी पूर्ण कराने की कार्रवाई के संबंध में अहम् दिशा निर्देश

देवेन्द्र हत्याकांड में साजिशकर्ताओं को बचाने का आरोप

परिवारजनों ने की एसपी को झापन सौंपकर उचित कार्यवाही की मांग

दमोह (स्वतंत्र मत)। ग्राम बरवांसा में 12 मई 2026 को हुए देवेन्द्र सिंह राजपूत हत्याकांड में पुलिस विवेचना पर गंभीर सवाल उठे हैं। मृतक के बड़े भाई जितेन्द्र सिंह राजपूत ने पुलिस अधीक्षक दमोह को लिखित आवेदन देकर आरोप लगाया है कि इस हत्याकांड में कई साजिशकर्ता शामिल हैं जिन्हें जानबूझकर बचाया जा रहा है। आवेदन के अनुसार हत्या के दूसरे दिन 13 मई को थाना दमोह देहात में अपराध क्रमांक 292/2026 के तहत वैभव, विशाल और अभिषेक के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था। बाद में विवेचना में 61(2) बीएनएस की धारा जोड़ी गई और नरेश, दुर्गाश तथा भारतेन्दु प्यासी को भी आरोपी बनाया गया, लेकिन परिजनों का कहना है कि इस पूरे



षट्पंत्र के पीछे एक बड़ी टीम काम कर रही थी। आवेदन ने बताया कि मुख्य आरोपी अभिषेक ने अपने मेमोरेंडम कथन में खुद स्वीकार किया था कि उसने हत्या के तुरंत बाद 12 मई को दोपहर करीब तीन बजकर छियालीस मिनट पर भारतेन्दु प्यासी को फोन कर हत्या की सूचना दी थी। पुलिस के पास इस बातचीत की सीडी भी मौजूद है, लेकिन उसे चलााना का हिस्सा नहीं बनाया गया। इसी तरह हत्या में इस्तेमाल की गई मोटर साईकिल क्रमांक एमपी34जेडई0446 से आरोपी घटना स्थल पर पहुंचे और

घटना के बाद चौबीस घंटे तक दमोह पलंदी चौघाह स्थित एक भवन में रुके रहे, जहां उनकी मुलाकात हर्ष राजपूत और जागेश्वर रजक से हुई लेकिन इस पूरे घटनाक्रम की सीसीटीवी फुटेज को पुलिस ने जब नहीं किया है। परिजनों ने कॉल डिटेल के आधार पर भी आरोप लगाया है कि घटना के दस मिनट के अंदर ही वैभव, विशाल और नरेश ने हर्ष राजपूत के मोबाइल पर कॉल किए थे जबकि विशाल द्वारा उपयोग की जा रही सिम अमर सेन नामक व्यक्ति की आईडी पर जारी थी जिसे

पुलिस ने इस मामले में गवाह बना लिया है। आवेदन में यह भी आरोप लगाया गया है कि रमेश सिंह, रणवीर और धरमवीर ने अपने परिवार की महिलाओं के मोबाइल से मृतक की मूवमेंट की सूचना आरोपियों तक पहुंचाई और बाद में फरियादी पक्ष को फोन पर धमकियां दी गईं।

जिला स्तरीय बैठक संपन्न दमोह (स्वतंत्र मत)। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषदए जिला दमोह द्वारा संवाद योजना के अंतर्गत नवांकुर संस्थाओं की जिला स्तरीय संवाद बैठक का आयोजन जिला शिक्षा केंद्र, सर्व शिक्षा अभियान के सभागार में प्रातः 11 बजे से किया गया।

नाम सुधार सूचना

मैं अंजना गंभीर, (ANJANA GAMBHIR W/O GULSHAN GAMBHIR), वर्तमान निवासी, फ्लेट नं. 203 second floor, block -A, ELIZA ABODE APARTMENT, BARAT ROAD, NAPIER TOWN, VTC JABALPUR MADHYA PRADESH यह सूचित करती हूँ कि पुराने पासपोर्ट में मेरा नाम (ANJANA GULSHAN GAMBHIR) दर्ज है, जबकि आधार कार्ड और अन्य सभी डॉक्यूमेंट्स में मेरा नाम (ANJANA GAMBHIR) है।अतः मेरे नाम को अंजना गंभीर (ANJANA GAMBHIR) ही पढ़ा, लिखा एवं समझा जावे।

पासपोर्ट में नाम

ANJANA GULSHAN GAMBHIR

वास्तविक नाम

ANJANA GAMBHIR

TENDER INVITING NOTICE FOR CONSTRUCTION OF IRON SHED FOR SECONDARY WING ASSEMBLY GROUND AT ARMY PUBLIC SCHOOL NO 2, JABALPUR

1. Sealed tenders are invited from experience and financially sound and reputed firms/supplier for "Construction of Iron Shed for Secondary Wing Assembly Ground at Army Public School No 2, Jabalpur" :-

Ser No	Scope of Work	A/U	Qty	Total Cost (Incl GST)
(a)	Fabrication of Iron Shed with following specifications:- - Shed Size: 65' x 135' = 8775 sqft. Centre Height: 20 feet. - Side Slope Height: 15 feet. - Shed Type: Hut shape without Centre Pillars. - Pillar Type: 18" x 18" Square Pillars made with 1½" x 1½" x 1½"x1 ½" angles. - Roof: 0.5mm Profile Sheet (TATA/Jindal). - Drainage System (05 points) on both sides. - 25mm rods to be used in base pillars. - Base pillar depth size 6 feet and above. - Electrical Points with 10 LED Flood Lights (150 watts + 12 Fans (52 inches) - Red Oxide and Black Paint on all Iron Pipes, Plates, Nut and Bolts. - Including Labour Charges. Note: Plate Based Nut Bolt System to be used for future shifting.	Job	01	
Total Amount (Incl GST)				₹

2. Tender details are available on School website. (www.aps2jabalpur.org)
3. Address: Army Public School No 2, JAK RIF RC, Jabalpur (MP)-482001.
4. Contact No:0761-2678715 (Civil), Mob 9406760480, 6959 (MIL).

जिला कलचुरी महासभा की जिला बैठक संपन्न

सर्वसम्मति से हटा में जिला जयंती मनाने का निर्णय

दमोह (स्वतंत्र मत)। जिला कलचुरी हैहय क्षत्रिय कलचुरी महासभा की जिला बैठक जिला अध्यक्ष संजय राय के निवास पर हनुमान मंदिर धर्मशाला में संपन्न हुई जिसमें सर्वप्रथम भगवान राजराजेश्वर सहस्त्रबाहु भगवान के तेल चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित उपस्थित अतिथियों ने जवाहर राय, राजा राय पूर्व जिला अध्यक्ष कलचुरी महासभा एवं जिला अध्यक्ष संजय राय ने पुष्प माला चढ़कर और पूजन किया। उपस्थित सभी स्वजाती बंधुओ ने क्रमशः भगवान का पूजन अर्चन किया उसके बाद उपस्थित अतिथियों का भी पुष्प वाला पहन कर स्वागत किया। उसके पश्चात उपस्थित स्वजाति बंधुओ ने होने वाली 16 नवंबर सोमवार जयंती की भव्यता और दिव्यता के साथ करने पर अपने-अपने विचार रखें सभी ब्लॉकों के ब्लॉक अध्यक्ष उपस्थित स्वजाति बंधुओ ने विचार मंथन के बाद प्रस्ताव आमंत्रित किए गए जिसमें सर्वप्रथम हटा ब्लॉक अध्यक्ष दीपचंद राय ने सर्वसम्मति से हटा में जिला जयंती करने का प्रस्ताव रखा। जिसमें जिला उपाध्यक्ष सुनील राय हटा बबलू राय, अरविंद राय ने आप्ता समर्थन किया एवं उपस्थित सभी स्वजाति बंधुओ ने हाथ उठाकर समर्थन किया।

आम सूचना

मै, अनिल तिवारी (ANIL TIWARI) पिता स्व. श्री बरमेश्वर तिवारी (BARMESHWAR TIWARI), अब लगभग 58 वर्ष निवासी डी-45 हाजीरात कालोनी, जबलपुर (म.प्र.) पिन 482001, का शपथपूर्वक कथन करता हूँ कि:-

1. यह कि मैं प्रत्येक पक्ष का सच्ची पक्षीया हूँ।

2. यह कि मेरा नाम अनिल तिवारी (ANIL TIWARI) पिता स्व. श्री बरमेश्वर तिवारी (BARMESHWAR TIWARI) अब 58 वर्ष, है।

3. यह कि, अनिल तिवारी (ANIL TIWARI) पिता स्व. श्री बरमेश्वर तिवारी (BARMESHWAR TIWARI), यह नाम आधार कार्ड नं. 2835 0125 8232, पैन कार्ड नं. AFRPT0425L मतदाता परिचय पत्र नं. KRPW3136488 में मेरा नाम अनिल तिवारी (ANIL TIWARI) दर्ज है।

4. यह कि मेरे कानून/कार्रवाई को अंतर्गृही/सर्वोच्चकोदर 11वीं, बी.कोड, एच.कोड, सुप्रसिद्ध लॉरियंस चं. MP20R-2021-0219369 एवं पासपोर्ट नं. B 2760350 से मेरा नाम अनिल तिवारी (ANIL KUMAR TIWARI) पिता स्व. श्री बरमेश्वर तिवारी (BARMESHWAR TIWARI) दर्ज है।

5. यह कि, मैं यह घोषणा करता हूँ कि अंतर्गत सभी दस्तावेज में उल्लिखित मेरे नाम अनिल तिवारी (ANIL TIWARI) एवं अनिल कुमार तिवारी (ANIL KUMAR TIWARI) एक ही व्यक्ति के हैं जो कि मुझे शराबकान के ही है जिस अलावा का अलाप चर प्रस्तुत है।

स्थान-जबलपुर दिनांक- 27/10/2026

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक -13 नगर निगम, जबलपुर

पत्र क्र./सं.क्र.अधि.13/मुख्यालय/2026-27/एम/212 दिनांक 28.10.2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्री राजदेव शर्मा पिता श्री कुंज बिहारी शर्मा ने मकान नं. एस-2/3 वाई पं. भवानी प्रसाद तिवारी प्रथम तल 135 व.फु. विक्रय पत्र के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं. पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक 13 मुख्यालय में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

राजस्व निरीक्षक संभाग क्रमांक-13 नगर निगम, जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक -13 नगर निगम, जबलपुर

पत्र क्र./सं.क्र.अधि.13/मुख्यालय/ 2026-27/एम/211 दिनांक 28.10.2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्री राजदेव शर्मा पिता श्री कुंज बिहारी शर्मा ने मकान नं. एस-2/4 वाई पं. भवानी प्रसाद तिवारी प्रथम तल 143 व.फु. विक्रय पत्र के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं. पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक 13 मुख्यालय में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

राजस्व निरीक्षक संभाग क्रमांक-13 नगर निगम, जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक -05 नगर पालिक निगम, जबलपुर

पत्र क्र./सं.क्र.05/2026-27/50 दिनांक.....

भवन नामांतरण

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्री संजीव कु. नायक पिता स्व. सुभाष चन्द्र नायक ने भवन क्रं. 652 वाई महात्मा गांधी वाई क्षेत्रफल 1822 आरसीसी कमर्शियल प्रथम तल 1822 आरसीसी रहवास द्वितीय तल 1822 आरसीसी रहवास तृतीय तल 740 आरसीसी रहवास त्याग पत्र खसरा माननीय न्यायालय के आधार पर नगर निगम द्वारा मकान नं. 652 पर नामांतरण हेतु पंजीकृत स्वामी श्रीमति सारिका (2) संजीव कु. (3) सुनील कु. पिता सुभाष चन्द्र नायक पिन नं 4140515/1000369505 पर जिस किसी को उक्त में प्रमाण सहित आपत्ति हो तो इस प्रकाशन की तिथ से 15 दिवस के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक 05 में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

राजस्व निरीक्षक संभाग क्रमांक-05 नगर निगम, जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक -05 नगर पालिक निगम, जबलपुर

पत्र क्र./सं.क्र.05/2026-27/67 दिनांक 13.10.2026

भवन नामांतरण

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्रीमति आशा जैन पति देवेन्द्र कु. जैन ने भवन क्र. 47 वाई महात्मा गांधी क्षेत्रफल 306 भूखल 300 आरसीसी(बी) व.फु. प्रथम तल 333 व.फु. द्वितीय तल 333 व.फु. तृतीय तल 333 व.फु. रहवास विक्रय पत्र खसरामाननीय न्यायालय के आधार पर नगर निगम द्वारा मकान नं. 47 पर नामांतरण हेतु पंजीकृत स्वामी श्रीमति प्रभावती जैन पति स्व. ज्ञानचंद जैन पिन नं. 413000892 41300066/1000369473 पर जिस किसी को उक्त में प्रमाण सहित आपत्ति हो तो इस प्रकाशन की तिथ से 15 दिवस के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक 05 में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

राजस्व निरीक्षक संभाग क्रमांक-05 नगर निगम, जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक -05 नगर पालिक निगम, जबलपुर

पत्र क्र./सं.क्र.05/2026-27/76 दिनांक 27.10.2026

भवन नामांतरण

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्री रमाकान्त, उमाकान्त, कुष्माकान्त, सुयुक्त पतिता नर्मदा प्रसाद ने भवन क्रं. 658 वाई महात्मा गांधी क्षेत्रफल 790 व.फु. भूतल 480 आरसीसी आईईएस प्रथम तल 480 आरसीसी रहवास शपथ पत्र/मृत्यु प्रमाण पत्र/ वसीयत नामा किम्वं पत्र खसरा माननीय न्यायालय के आधार पर नगर निगम द्वारा मकान नं. 658 पर नामांतरण हेतु पंजीकृत स्वामी श्री नर्मदा प्रसाद पिता प्रभुलाल पति जैमलाल 413000892 1000368544 पर जिस किसी को उक्त में प्रमाण सहित आपत्ति हो तो इस प्रकाशन की तिथ से 15 दिवस के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक 05 में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

राजस्व निरीक्षक संभाग क्रमांक-05 नगर निगम, जबलपुर

